डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-aadhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक संस्थापकः- श्री महेन्द्र अरोरा

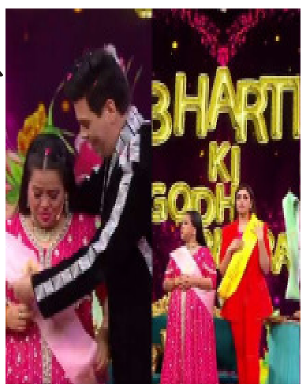

वर्ष-11 अंक-07 | प्रयागराज, रविवार 13 फरवरी 2022 से शनिवार 19 फरवारी 2022 तक | पृष्ठ- 8 | मूल्यः 3 रूपये

सिनेमा :हुनरबाज के सेट पर ऐसे कराई गई भारती की गोद .....पेज न0 8

ब्रीफ न्यूज

अच्छी नौकरी पाने और तरक्की की सीढियां चढ़ने के लिए खुद को बनाएं वर्क रेडी

पिछले दो वर्षो से कोविड महामारी के बाद आज परिस्थितियां पहले जैसी अनुकूल नहीं रही हैं। महामारी ने हर वर्ग को किसी न किसी रूप में प्रभावित किया है। लेकिन ऊपर दिये गये ये आंकड़े कहीं ज्यादा हैरान करने वाले हैं। आखिर क्या कारण है कि भारत में इतनी बड़ी तादाद में छात्र/युवा जो सनतक तो हो गए हैं लेकिन बदलते परिवेश के मुताबिक किसी खास क्षेत्र में दक्ष नहीं हैं। किसी भी प्रकार के स्किल्ड काम को करने के लिए तैयार नहीं हैं। ऐसा भी नहीं है कि इस तरह की वैश्विक महामारी पहली बार आयी है। लेकिन सवाल यह उठता है कि पिछली महामारियों से हम सबने क्या सबक सीखा। कौशलयुक्त होना बाजार की मांग कोविड महामारी के दौर ने हमें जिस एक चीज से भलीभांति अवगत करा दिया है, वह है कि इस दौर में हर किसी को वर्क रेडी/स्किल्ड होना बेहद जरूरी है।

बर्फीले तूफान में शहीद हुए सात जवानों को आज वायु सेना स्टेशन में दी गई श्रद्धांजलि

तेजपुर । अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्र में 8 फरवरी को देश की सीमा की सुरक्षा करते वक्त सात जवान शाहीद हो गए थे। बता दें कि ये जवान 6 फरवरी, को अरुणाचल प्रदेश में कामेंग सेक्टर के ऊंचाई वाले क्षेत्र में हिमस्खलन की चपेट में आ गए थे। दो दिन लापता रहने के बाद, अधिकारियों ने मंगलवार 8 फरवरी को उनके शव मिलने की बात बताई थी, जिसपर शहीद हुए सात भारतीय जवानों के प्रति राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री, अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने गहरा दुख व्यक्त किया था। बर्फीले तूफानों के बीच अपनी ड्यूटी करते वक्त शहीद हुए सात जवानों के लिए भारतीय सेना ने आज श्रद्धांजलि दी।बात दें कि भारतीय सेना के हवलदार जुगल किशोर, आरएफएन अरुण कट्टल, आरएफएन अक्षय पठानिया, आरएफएन विशाल शर्मा, आरएफएन राकेश सिंह, आरएफएन अंकेश भारद्वाज और जीएनआर (टीए) गुरबाज सिंह का तेजपुर में आज वायु सेना स्टेशन में शहीदों कि तस्वीर पर माला चढ़ा कर उन्हें याद किया।

जिन 6 लड़कियों से शुरु हुआ हिजाब विवाद, भाजपा विधायक ने उन्हें बताया निर्दोष CFI पर उठाए सवाल

उडुपी। कर्नाटक के उडुपी से शुरु हुआ हिजाब विवाद अब राजनीतिक तूल पकड़ा चुका है। हिजाब विवाद को लेकर कर्नाटक हाईकोर्ट में सुनवाई भी चल रही है। हालांकि, अब इस मामले में भाजपा के उडुपी से विधायक के. रघुपति भट ने कैंपस

फ्रंट आफ इंडिया पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि, कैंपस फ्रंट आफ इंडिया इसका राजनीतिक लाभ चाहता है। उन्होंने कहा कि, हमारे कालेज की 6 लड़कियां निर्दोष हैं, लेकिन वे के नियंत्रण में हैं। उन्होंने इन लड़कियों को गुप्त स्थान पर विशेष प्रशिक्षण दिया था। दरअसल, एएनआइ से बातचीत में भाजपा से उडुपी विधायक के. रघुपति भट ने कैंपस फ्रंट आफ इंडिया पर इस मुद्दे का राजनीतिक फायदा उठाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हिजाब पहनकर 6 कालेज जाने वाली लड़कियों ने पिछले साल अक्टूबर नवंबर में ट्विटर अकाउंट खोले थे, और कैंपस फ्रंट आफ इंडिया द्वारा राष्ट्र विरोधी बयान पोस्ट किए थे। उन्होंने कहा कि सभी 6 मासूम मुस्लिम छात्राओं का ब्रेनवाश किया जा रहा है, और धार्मिक कट्टरवाद का पाठ पढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा, कैंपस फ्रंट आफ इंडिया इसका राजनीतिक लाभ चाहता है, और हमारे कालेज की 6 लड़कियां निर्दोष हैं। विधायक ने आगे कहा कि, उन्होंने ट्वीट किया था कि बाबरी मस्जिद मामले में मुस्लिम समुदाय को न्याय नहीं मिला, और वे अपना हक पाने के लिए किसी भी कीमत पर संघर्ष करेंगे। उन्होंने कहा कि, द्वारा व्यापक जांच से ही हिजाब मुद्दे के विवाद के कारणों का पता चलेगा। गौरतलब है कि हिजाब से जुड़ा विवाद उडुपी के सरकारी पीयू कालेज से उठा था। भी हैं, और उडुपी से भाजपा विधायक भी हैं। बता दें कि कर्नाटक हाईकोर्ट ने हिजाब मामले में कहा था कि, धर्म या पसंद के नाम पर किसी भी व्यक्ति को सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने और शांति भंग करने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। कोर्ट ने सभी याचिकाओं की सुनवाई लंबित रहने तक स्कूलों, कालेजों और शिक्षण संस्थानों में हिजाब, भगवा गमछा, दुपट्टा या किसी भी तरह के धार्मिक परिधान पर रोक लगा दी है।

रविवार को पूरे राजकीय सम्मान के साथ होगा राहुल बजाज का अंतिम संस्कार, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री समेत तमाम लोगों ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। देश के मशहूर उद्योगपति और बजाज ग्रुप के पूर्व चेयरमैन राहुल बजाज का शनिवार

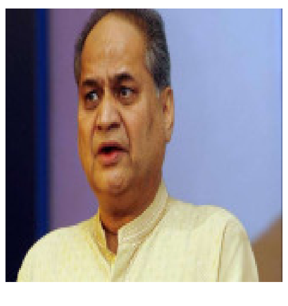

को 83 वर्ष की उम्र में निघन हो गया। उन्होंने पूणे के रूबी हाल क्लिनिक में अंतिम सांस ली। अस्पताल के चेयरमैन डा. परवेज ग्रांट के मुताबिक पिछले एक महीने से राहुल बजाज हृदय और फेफड़ों से संबंधित समस्याओं से पीडित थे और उनका इलाज जारी था। राहुल बजाज के निधन से देश के कारोबारी जगत के साथ पूरे देश में शोक की लहर है। तमाम राजनीतिज्ञों समेत लोग सोशल मीडिया पर उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने पद्म भूषण से सम्मानित उद्योगपति राहुल बजाज के निधन पर शोक व्यक्त किया है। राष्ट्रपति के ओर से ट्वीट किया गया कि श्री राहुल बजाज के निधन की खबर से दुखी हूं। भारतीय उद्योग के एक अग्रणी, वह इसकी प्राथमिकताओं के बारे में भावुक थे। उनके करियर ने देश के कार्पोरेट क्षेत्र के उदय और जन्मजात ताकत को दर्शाया। उनके निधन से उद्योग जगत में एक खालीपन आ गया है। उनके परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं। पीएम नरेन्द्र मोदी ने बजाज ग्रुप के पूर्व चेयरमैन राहुल बजाज के निधन पर शोक व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय से किए गए ट्वीट किया गया कि श्री राहुल बजाज जी को वाणिज्य और उद्योग जगत में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए याद किया जाएगा। व्यवसाय से परे, वह सामुदायिक सेवा के प्रति उत्साही थे और एक महान संवादी थे। उनके निधन से आहत हूं। उनके परिवार तथा मित्रों के लिए संवेदनाएं। शांति। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने ट्वीट किया कि, यशस्वी उद्योजक, समाजसेवी और बजाज के पूर्व चेयरमैन राहुल बजाज जी को मेरी भावभीनी श्रद्धांजलि। पदम भूषण से सम्मानित राहुल जी से मेरे अनेक वर्षों से व्यक्तिगत संबंध रहे हैं।

मैसूर पुलिस ने रविवार तक लगाई रैलियों, विरोध प्रदर्शनों पर पाबंदी, शहर में धारा-144 लागू

मैसूर । हिजाब विवाद को लेकर देश भर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इसी बीच हिजाब विवाद को देखते हुए मैसूर पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए रविवार तक रैलियों और विरोध प्रदर्शनों पर प्रतिबंध लगा दिया है। साथ ही शहर में धारा-144 लागू कर दी है। नगर पुलिस आयुक्त चंद्रगुप्त द्वारा जारी एक आदेश के अनुसार, 12 फरवरी (सुबह

6 बजे) से 13 फरवरी (रात 10 बजे) तक ये आदेश लागू रहेगा। इस दौरान जिले में किसी भी तरह के विरोध प्रदर्शन या रैलियों की अनुमति नहीं दी जाएगी। दरअसल, हिजाब का विरोध 4 फरवरी को कर्नाटक के उडुपी जिले के गवर्नमेंट गर्ल्स पीयू कालेज में शुरू हुआ था। जब कुछ छात्रों ने आरोप लगाया कि उन्हें कक्षाओं में जाने से रोक दिया गया है। विरोध प्रदर्शन के दौरान, कुछ छात्रों को इस महीने की शुरुआत में मुस्लिम महिलाओं द्वारा कथित तौर पर हिजाब पहनकर कालेज में प्रवेश से वंचित कर दिया गया था। हालांकि, मंगलवार को कर्नाटक उच्च न्यायालय ने भी राज्य में हिजाब पर प्रतिबंध को चुनौती देने वाली विभिन्न याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए छात्र समुदाय और जनता से शांति बनाए रखने की अपील की थी। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कर्नाटक में हिजाब विवाद से संबंधित तत्काल याचिकाओं पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। भारत के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना और जस्टिस एएस बोपनन और हेमा कोहली की पीठ ने कहा कि, वे इस मुद्दे को उचित समय पर देखेंगे, क्योंकि हम हाईकोर्ट की सुनवाई पर नजर रख रहे हैं और हमें यह भी देखना है कि क्या मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर लाना चाहिए। गौरतलब है कि, कर्नाटक सरकार ने हिजाब विवाद को देखते हुए राज्य में विश्वविद्यालयों और कालेजों में छुट्टियों को बढ़ाकर 16 फरवरी तक कर दिया है। कर्नाटक के उच्च शिक्षा मंत्री सीएन अश्वथ नारायण ने बयान जारी कर कहा कि फिलहाल कक्षाएं आनलाइन मायम से संचालित की जाएंगी। हालांकि परीक्षाएं निर्धारित समय पर होंगी। इससे पहले सरकार ने कक्षा 10 तक के स्कूलों 14 फरवरी से जबकि प्री यूनिवर्सिटी एवं डिग्री कालेजों के लिए इसके बाद कक्षाएं शुरू करने का फैसला किया था।

पूरी होने वाली है एनसीबी की सतर्कता जांच

मुंबई। क्रूज लाइनर पर ड्रग मामले के भंडाफोड़ की जांच अब पूरी होने वाली है। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा सतर्कता जांच अपने अंतिम चरण में है। बता दें कि इस मामले मे अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान और कई अन्य लोगों की गिरफ्तारी शामिल थी। आर्यन खान समेत गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी जमानत पर बाहर हैं। एनसीबी के उप महानिदेशक (उत्तर) ज्ञानेश्वर सिंह के नेतृत्व में एनसीबी की सतर्कता टीम ने मुंबई से तीन अधिकारियों को पूछताछ के लिए दिल्ली बुलाया है। इनमें जांच अधिकारी आशीष रंजन प्रसाद, वीवी सिंह और मुंबई एनसीबी के जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े शामिल हैं। वानखेड़े का एंटी नारकोटिक्स एजेंसी के साथ कार्यकाल इस साल की शुरुआत में समाप्त हो गया था।

छत्तीसगढ़: बीजापुर में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ CRPF के असिस्टेंट कमांडेंट शहीद

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सीआरपीएफ और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। मुठभेड़ में सीआरपीएफ के असिस्टेंट कमांडेंट

शहीद हो गए हैं। बस्तर के इंस्पेक्टर जनरल पी सुंदरराज ने बताया कि ये मुठभेड़ पुटकेल के जंगल में हुई है। शहीद असिस्टेंट कमांडेंट 168 बटालियन में तैनात थे। सीआरपीएफ अधिकारी ने आगे बताया कि मुठभेड़ में सीआरपीएफ का एक जवान घायल भी हुआ है। सुंदरराज बताया कि मुठभेड़ बासगुड़ा थाना क्षेत्र के उसूर प्रखंड के तिम्मापुर से सटे पुटकेल के जंगलों में हुई। शहीद असिस्टेंट कमांडेंट का नाम एसबी टिर्की था। वो झारखंड के रहने वाले थे। एनकाउंटर अभी भी जारी है। हमारे जवान नक्सलियों की मांद में घुस कर वीरता और साहस के साथ उनसे मुकाबला कर रहे हैं। हमारे जवानों ने नक्सलियों को एक सीमित दायरे में समेट दिया है। हमारे जवान नक्सलियों की मांद में घुस कर वीरता और साहस के साथ उनसे मुकाबला कर रहे हैं। हमारे जवानों ने नक्सलियों को एक सीमित दायरे में समेट दिया है। इस घटना पर छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने शोक जताया है। सीएम ने ट्वीट कर कहा कि बीजापुर जिले में नक्सली मुठभेड़ की घटना में सीआरपीएफ के असिस्टेंट कमांडेंट श्री एस.बी. तिर्की जी की शहादत का समाचार दुखद है। ईश्वर उनके परिवारजनों को हिम्मत दे। इस घटना में घायल जवान को बेहतर से बेहतर इलाज की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

गोवा विधानसभा चुनाव के लिए शिवसेना ने घोषणा पत्र किया जारी, आदित्य ठाकरे बोले- उत्पल पर्रिकर को हमारा समर्थन

पणजी। गोवा विधानसभा चुनाव के लिए शिवसेना ने अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। महाराष्ट्र

सरकार में मंत्री आदित्य ठाकरे और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने गोवा विधानसभा चुनाव के लिए डिजिटल घोषणा पत्र जारी कर दिया है। इस दौरान पार्टी के दूसरे नेता भी मौजूद रहे। प्रेस वार्ता के दौरान महाराष्ट्र सरकार में मंत्री आदित्य ठाकरे ने कहा कि, हमने उत्पल पर्रिकर जो गोवा के पूर्व सीएम दिवंगत मनोहर पर्रिकर के बेटे हैं, वह निर्दलीय तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं, उन्हें अपना समर्थन दिया है। आदित्य ठाकरे ने कहा कि, आने वाले समय में हम सभी जगह चुनाव लड़ेंगे, चाहे वह लोकसभा का चुनाव हो या विधानसभा का चुनाव हो या फिर ग्राम पंचायत का चुनाव, शिवसेना की जरूरत सभी राज्यों में है। उन्होंने कहा कि, महाराष्ट्र जैसा सुशासन सभी राज्यों में लागू होना चाहिए, यह हमारी उम्मीद है। आपको बता दें कि, गोवा वधानसभा चुनाव के लिए 14 फरवरी को मतदान होना है। महाराष्ट्र की तर्ज पर गोवा में भी एनसीपी और शीवसेना गठबंधन कर चुनावी मैदान में हैं। आज गोवा में विधानसभा चुनाव के प्रचार का अंतिम दिन हैं। शाम 5 बजे चुनाव प्रचार थम जाएगा। राज्य में कांग्रेस, बीजेपी और आम आदमी पार्टी के बीच कड़ा मुकाबला है। 40 विधानसभा सीटों पर राज्य में 14 फरवरी को मतदान होना है। जबकि चुनाव परिणाम की घोषणा 10 मार्च को बाकी चार राज्यों के साथ होगी।

सिर्फ आश्वसनों में फोरलेन प्रभावितों को उलझा रही प्रदेश सरकार : अजय महाजन

जसूर, । सरकार द्वारा प्रस्तावित पठानकोट मंडी फोरलेन योजना के कारण प्रभावित हो रहे करीब एक लाख लोगों को चार साल से भी ज्यादा के कार्यकाल में झूठे वायदों और कोरे आश्वासनों में ही उलझा कर रखने का काम किया है। इस अक्षम और

संवेदनहीन सरकार द्वारा चार वर्ष में कैबिनेट स्तर की दो कमेटियां बनाने के बाद भी कोई उचित निर्णय नहीं लिया, जिससे प्रभावितों को न्याय मिलता लेकिन उस सरकार के मुख्यमंत्री यह कहें कि भाजपा सरकार से बेहतर कोई सरकार नहीं है तो यह बयान अपने आप में हास्यास्पद है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक अजय महाजन ने राजा का बाग में पत्रकार वार्ता के दौरान आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने योजना के प्रथम चरण कंडवाल से सियुनी तक के करीब चार हजार प्रभावितों की बहुमूल्य भूमि का नाममात्र मुआवजा देकर ठगा और अब भवनों के मुआवजे पर भी कैंची चलाने की फिराक में है जोकि प्रभावितों से बहुत बड़ा अन्याय है। मुख्यमंत्री द्वारा हाल ही में दिए ब्यान में फोरलेन प्रभावितों की मुआवजा संबंधी मांगों को राष्ट्रीय उच्च प्राधिकरण के समक्ष रखने को बचकाना बताते हुए महाजन ने कहा कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने अपने सार्वजनिक बयान में कहा था कि प्रदेश सरकार जो मुआवजा तय करेगी। केंद्र सरकार उसका समर्थन करेगी, लेकिन अब मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर एन एच आई से बात करने को लेकर मामले को उलझा रहे हैं। महाजन ने कहा कि असल सच्चाई यह है कि सरकार हर जगह जिला कांगड़ा के लोगों के हितों से खिलवाड़ कर रही है जोकि बेहद अन्याय है। महाजन ने कहा कि यदि केंद्र सरकार द्वारा 2013 में संसद द्वारा पारित कानून में भू अधिग्रहण के बदले फैक्टर दो के हिसाब से चार गुणा मुआवजे का प्राविधान किया हुआ है तो फिर प्रदेश सरकार केंद्र सरकार के इस अधिनियम को क्यों लागू नहीं कर रही है और प्रभावितों के हितों को कुचलने में क्यों तुली है।

कांग्रेसियों ने माता हिडिंबा की खाई कसम जिसे मिलेगा टिकट उसका देंगे साथ

मनाली। मनाली विधानसभा में डेढ़ दशक से हार का सामना कर रही कांग्रेस अब एकजुट हो गई

है। शुक्रवार को कांग्रेस पार्टी से टिकटार्थियों ने माता हिडिंबाके प्रांगण में कसम खाई कि आगामी विधानसभा चुनावों में इनमें से किसी को भी कांग्रेस पार्टी टिकट देगी तो वह तन मन धन से उसका समर्थन करेंगे। न तो आजाद चुनाव लड़ेंगे ना ही भितरघात करेंगे और न ही कांग्रेस पार्टी के अलावा किसी अन्य दल का दामन थामेंगे। सभी पूरी तरह से समर्पित होकर कांग्रेस के प्रत्याशी का समर्थन करेंगे और चुनावों में जीत हासिल करेंगे। टिकट के दावेदार भुवनेश्वर गौड़, हरी चन्द शर्मा, नवीन तनवर व देवेंद्र नेगी ने अपने समर्थकों के माता हिडिंबाके दरबार में हाजरी भरी। माथा टेककर आशीर्वाद लिया और एकजुटता की शपथ ली। गौर हो कि डेढ़ दशक से कांग्रेस मनाली में अपना खाता नहीं खोल पाई है। हार का कारण सभी कांग्रेस जन गुटबाजी मानते हैं। सभी कांग्रेस नेताओं ने दर्जनों पदाधिकरियों व कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में माता के प्रांगण में एकजुटता का प्रण लिया। माता हिड्क्षडबा का प्रांगण माता की जय के साथ साथ कांग्रेस की जय से भी गूंज उठा। मनाली विधानसभा कांग्रेस के अध्यक्ष हरी चंद शर्मा ने कहा कि सभी नेताओं ने माता हिक्षडबा के मंदिर में एकजुटता की कसम खाई है। उन्होंने कहा कि सभी एकजुटता से काम करेंगे। मनाली शहरी अध्यक्ष तारा चन्द नेगी ने बताया कि एक जुटता की कसम खाने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ गया है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस के सभी संगठनों के पदाधिकारियों ने भी एकजुटता की कसम खाई है। दूसरी ओर कांग्रेस नेताओं द्वारा कसम खाने का मामला मनाली में चर्चा का विषय बन गया है। कोई इसे कांग्रेस के लिए अच्छा मान रह है तो कोई चुटकी लेकर मजाकिया अंदाज में चर्चा कर रहा है।

सड़क हादसे में युवती की हुई दर्दनाक मौत-कोरांव

(आधुनिक समाचा सेवा)
संजय द्विवेदी

कोरांव प्रयागराज। कोरांव थाना अन्तर्गत ग्राम पंचायत जताहरा पोस्ट पथरा की कुमारी प्रतिभा पुत्री दुधनाथ शर्मा उम्र लगभग 16 वर्ष की लड़की ने दुकान में सामान खरीदने के लिए साइकिल से सुभाष गांव में आई थी।हाइवे रोड के किनारे जी सी बी खड़ी हुई थीं।जिससे अचानक युवती ने जीसीबी के बगल साइकिल लेकर पहुच गई थी।कोहडार के तरफ से कोरांव की ओर जा रही ट्रक यू पी 70 बी टी 4671 ने कुचल दिया जिससे मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।ट्रक चालक ने गाड़ी लेकर भागने का प्रयास किया लेकिन गामीणो ने गाड़ी का पीछा कर सुभाष चौराहे पर रोक लिया। गांव के लोगो ने एकत्रित होकर ट्रक चालक को पकड लिया।घटनास्थल पर तत्काल पहुंचे मय फोर्स के साथ थाना प्रभारी निरीक्षक राम आसारे यादव ने लड़की को अपने ही गाडी पर स्वयं पिता के साथ उठवाकर बीच वाली सीट पर लेटा दिया गया।आनन-फानन में ट्रक चालक को भी अपने कब्जे में लेकर

समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अस्पताल कोरांव में पहुंच गए। जहां पर डाक्टरो ने युवती को मृत घोषित कर दिया।थाना प्रभारी ने मृत शव को अस्पताल से निकलवाकर थाना कोरांव में लाया गया।ट्रक चालक को गिरफ्तार कर हौलद मे डाल दिया।युवती की शव को पोस्टमार्टम रिपोर्ट के लिए भेज दिया।सुभाष गांव के लोगो ने थाना प्रभारी निरीक्षक राम आसरे यादव को सराहते हुए धन्यवाद दिया।घर परिवार में सुचना मिलते ही परिवार में मचा कोहराम माता पिता भाई का रो-रो कर हाल बेहाल हो गया।

राजा अनिल प्रताप सिंह सहित8 प्रत्याशियों ने नामांकन लिया वापस,चुनाव चिह्न आवंटित

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। राष्ट्रीय स्वयं संघ को समर्पित एवं दान दाता राजा अनिल प्रताप सिंह को अंत संघ और भाजपा ने ठेंगा दिखा ही दिया।टिकट भी नहीं दिया और निर्दल का पर्चा भी वापस करवा लिया।इस तरह प्रतापगढ़ सिटी राजघराने के हाथ एक बार पुन मायूसी लगी है।लगता है कि इस राजघराने की सियासत अब अवसान की ओर है।इसी तरह विश्वनाथगंज विधानसभा से एक महोदय अपने धन के बूते आरएसएस को पूजने में लगे थे।उन्हें भी मायूसी हाथ लगी है।अब वह भाजपि समर्थित प्रत्याशी का विश्वनाथगंज में विरोध कर रहे हैं।पर्चा वापसी और चुनाव निशान आवंटित करने के दिन सदर विधानसभा के 04 प्रत्याशियों ने नामांकन वापस लिया जिनमें जिनमें निर्दलीय अनिल प्रताप सिंह, निर्दलीय सुषमा पाल, निर्दलीय अशोक कुमार सुत रामराज व निर्दलीय गजराज सिंह के नाम सम्मिलित है। विधानसभा रामपुरखास से 03 प्रत्याशियों ने नामांकन वापस लिया जिनमें निर्दलीय धर्मेन्द्र तिवारी, निर्दलीय गौरव सिंह व निर्दलीय बृजेश के नाम सम्मिलित है।विधानसभा बाबागंज से 01 प्रत्याशी निर्दलीय प्रमोद कुमार ने नामांकन वापस लिया। विधानसभा पट्टी, कुण्डा, विश्वनाथगंज तथा रानीगंज से किसी भी प्रत्याशी ने नामांकन वापस नहीं लिया। विधानसभा सामान्य निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों/प्रत्याशियों को प्रतीक चिन्ह का आवंटन कर दिया गया है। विधानसभा सदर से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी राजेन्द्र कुमार को कमल, बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी आशुतोष त्रिपाठी को हाथी, कांग्रेस प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी को हाथ का प्रतीक चिन्ह आवंटित किया गया है। इसी प्रकार एआईएमआईएम प्रत्याशी इसरार अहमद को पतंग, अपना दल (कमेरावादी) कृष्णा पटेल को लिफाफा, आम आदमी पार्टी दिनेश कुमार उपाध्याय को झाड़ू, किसान पार्टी (लोकतान्त्रिक) बजरंगी लाल को कॉच का गिलास, अपना दल बलिहारी पार्टी मोहम्मद इरशाद को अंगूठी, बहुजन मुक्ति पार्टी राम अजोर को चारपाई, मौलिक अधिकार पार्टी राम बहादुर शर्मा को ऑटो-रिक्शा,निर्दलीय अशोक कुमार को एअरकंडीसन्र, निर्दलीय परितोष कुमार को लैपटॉप व निर्दलीय हरिकेश कुमार को अलमारी का प्रतीक चिन्ह आवंटित किया गया। विधानसभा विश्वनाथगंज से कांग्रेस प्रत्याशी प्रशान्त सिंह को हाथ,सपा प्रत्याशी सौरभ सिंह को साइकिल, बहुजन समाज पार्टी प्रत्याशी संजय को हाथी, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया प्रत्याशी महारानी दीन को बाल और हॅसिया, भारतीय सर्वजन विकास पार्टी के अजय शर्मा को हैलीकाप्टर, लोग पार्टी के अनिल कुमार को बक्सा, जन अधिकार पार्टी के मो0 अस्फाक को गैस सिलेण्डर, अपना दल (सोनेलाल) प्रत्याशी जीत लाल को कप और प्लेट, आम आदमी पार्टी के पंकज पाल को झाड़ू, बहुजन मुक्ति पार्टी के रामदरश सरोज को चारपाई, राष्ट्रीय जनशांति पार्टी के विनोद को छड़ी,मौलिक अधिकार पार्टी के शिवमूरत राम समुज शर्मा को ऑटो-रिक्शा, राष्ट्र उदय पार्टी की सरिता पाल को ट्रक, शिवसेना के सुशील कुमार को तीर-कमान, सुभाषवादी भारतीय समाजवादी पार्टी के सुशील कुमार तिवारी को अलमारी, निर्दलीय मो0 खालिद को एअरकंडीसन्र, निर्दलीय राजेश को सेब,निर्दलीय विष्णुदत्त को सिलाई की मशीन व निर्दलीय संजय पाण्डेय को कैंची का प्रतीक चिन्ह आवंटित किया गया है। विधानसभा कुण्डा से समाजवादी पार्टी प्रत्याशी गुलशन यादव को साइकिल, बहुजन समाज पार्टी प्रत्याशी मु0 फहीम को हाथी, कांग्रेस प्रत्याशी योगेश कुमार को हाथ, भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी सिन्धुजा मिश्रा सेनानी को कमल, बहुजन मुक्ति पार्टी के धर्मराज को चारपाई, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के प्रत्याशी रघुराज प्रताप सिंह को आरी, निर्दलीय जयेश सिंह को एअरकंडीसन्र, निर्दलीय तनवीर को अलमारी, निर्दलीय धीरेन्द्र कुमार को सेब का प्रतीक चिन्ह आवंटन किया गया है। विधानसभा रामपुरखास से कांग्रेस प्रत्याशी आराधना मिश्रा "मोना" को हाथ, भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी नागेश प्रताप सिंह उर्फ छोटे सरकार को कमल, बहुजन समाज पार्टी प्रत्याशी बांकेलाल पटेल को हाथी, आम आदमी पार्टी अजीत को झाड़ू, अपना दल बलिहारी पार्टी के अवधेश को अलमारी, राष्ट्रीय राष्ट्रवादी पार्टी के करन उर्फ करन बहादुर सिंह को एअरकंडीसन्र, लोकदल के दुर्गेश कुमार को गनन किसान, सर्वोदय भारत पार्टी के रवीन्द्र कुमार को कैमरा, बहुजन मुक्ति पार्टी के रामराज सरोज को चारपाई, जनता दल (यूनाइटेड) के लालजी को तीर, मौलिक अधिकार पार्टी के समय नाथ को ऑटो-रिक्शा, शिवसेना के सुरेन्द्र सिंह को तीर-कमान, निर्दलीय कुलदीप सिंह को बेबी वॉकर, निर्दलीय देवेन्द्र प्रताप को सेब का प्रतीक चिन्ह आवंटित किया गया है।विधानसभा पट्टी से बहुजन समाज पार्टी प्रत्याशी फूलचन्द्र को हाथी, भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी राजेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह को कमल, समाजवादी पार्टी प्रत्याशी राम सिंह को साइकिल, कांग्रेस प्रत्याशी सुनीता को हाथ, आम आदमी पार्टी के अजय यादव को झाड़ू, बहुजन मुक्ति पार्टी के नन्दलाल को चारपाई, जन अधिकार पार्टी के मुजम्मिल हुसैन को गैस सिलेण्डर, सोशलिस्ट युनिटी सेन्टर ऑफ इण्डिया (कम्युनिस्ट) के राजमणि को बैटरी टार्च, अपना दल बलिहारी पार्टी के राम अभिलाष को कप और प्लेट व निर्दलीय प्रत्याशी कौशलेन्द्र पाण्डेय को कड़ाही का प्रतीक चिह्न आवंटित किया गया है। विधानसभा बाबागंज से भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी केशव प्रसाद को कमल, समाजवादी पार्टी प्रत्याशी गिरीश चन्द्र उर्फ गिरीश पासी को साइकिल, कांग्रेस प्रत्याशी वीना रानी को हाथ, बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी सुशील कुमार को हाथी, बहुजन मुक्ति पार्टी के राम प्रताप सरोज को चारपाई, लोक जनशक्ति पार्टी के विजय पाल सरोज को हाथ रेहड़ी, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक प्रत्याशी विनोद कुमार को आरी, निर्दलीय विनोद कुमार को कैंची व निर्दलीय सीताराम को ऑटो-रिक्शा का प्रतीक चिन्ह आवंटित किया गया है।विधानसभा रानीगंज से बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी अजय यादव को हाथी, कांग्रेस प्रत्याशी अब्दुल वाहिद को हाथ, भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी अभय कुमार उर्फ धीरज ओझा को कमल, समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी राकेश कुमार वर्मा को साइकिल, एआईएमआईएम प्रत्याशी अनिल कुमार को पतंग, आम आदमी पार्टी के अनुराग मिश्र को झाड़ू, आजाद समाज पार्टी धर्मेन्द्र कुमार को केतली, बहुजन मुक्ति पार्टी के बृजलाल को चारपाई, मेधा पार्टी के रामफेर पाण्डेय को कैंची, जनता दल (यूनाइटेड) के संजय कुमार को तीर, अटल जनशक्ति पार्टी के सत्य प्रकाश को खाने से भरी थाली, भारत राष्ट्र डैमोक्रेटिक पार्टी के हरिशंकर प्रजापति को बाल्टी, निर्दलीय राजेश कुमार को बल्ला व निर्दलीय लाल बहादुर को सिलाई की मशीन का प्रतीक चिन्ह आवंटित किया गया है।क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान अफीम कोठी परिसर में प्रतीक चिन्ह आवंटन के दौरान शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के उद्देश्य जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी डा0नितिन बंसल, पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल, मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया, मुख्य राजस्व अधिकारी इन्द्र भूषण वर्मा निरन्तर भ्रमणशील रहकर व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे।

2022: डिप्टी सीएम केशव, नंदी और सिद्धार्थ से भी ज्यादा धनी हैं भाजपा के यह उम्मीदवार

प्रयागराज। चुनाव में सभी प्रत्याशियों का लेखा-जोखा जनता के सामने आ जाता है। उसके बाद मतदाता अपना लिटमस पेपर लेकर जांच करते हैं फिर उनकी तकदीर का फैसला करते हैं। इस बार जिन उम्मीदवारों ने विधानसभा के लिए दावेदारी की है, उन पर यदि गौर

करें तो फूलपुर से वर्तमान विधायक और 18वीं विधानसभा के लिए प्रत्याशी बने प्रवीण कुमार पटेल सब से अधिक धनी हैं। यहां तक कि शहर दक्षिणी से मैदान में उतरे कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्त नंदी और शहर पश्चिमी सीट से दावेदारी कर रहे कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह भी पीछे छूट गए हैं। कौशांबी की सिराथू विधानसभा सीट से ताल ठोक रहे उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी संपत्ति के मामले में उनके आसपास नहीं दिख रहे। प्रवीण कुमार पटेल पहली बार 2007 में बीएसपी के टिकट पर विधायक बने थे। उसके बार 2012 में हार का सामना करना पड़ा था। 2017 में भाजपा के टिकट पर फिर विधायक बने। उनके पिता स्व. महेंद्र प्रताप सिंह भी तीन बार विधायक रह चुके हैं। 1985 में कांग्रेस के टिकट पर झूंसी विधानसभा से वह विधायक बने थे। उसके बाद 1989 और 1991 में जनतादल के टिकट पर इसी सीट से विधायक चुने गए थे। वर्तमान विधायक प्रवीण पटेल ने हलफनामे में बताया है कि वह कारोबारी भी हैं। उनकी पत्नी के नाम से पेट्रोल पंप, सीएनजी पंप भी है। पति-पत्नी के कुल 19 बैंक खाते हैं। कुल संपत्ति 40.06 करोड़ है। इसमें से 28.50 करोड़ की संपत्ति प्रवीण कुमार के नाम है। इसी तरह कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्त नंदी व उनकी पतनी की कुल संपत्ति 37 करोड़ है। उनके अकेले के नाम करीब 13 करोड़ की संपत्ति है। उनके पास 69 लाख की बीएमडब्लूयू कार समेत 49 लाख की दो और गाडियां, पत्नी के पास भी एक 15 लाख की इन्डेवर गाड़ी है। शहर पश्चिमी से विधायक और दोबारा दावेदारी कर रहे कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह व उनकी पत्नी के पास 32.82 करोड़ की संपत्ति हैं। अकेले उनके पास करीब साढ़े तीन करोड़ की संपत्ति है। जब कि सिराथू से प्रत्याशी उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के पास 8.06 करोड़ की संपत्ति है। इसी क्रम में देखें तो करछना से सपा प्रत्याशी उज्ज्वल रमण सिंह व उनकी पतने के पास 23 करोड़ से अधिक की संपत्ति है। मेजा से दोबारा मैदान में उतरीं नीलम करवरिया भी 21.24 करोड़ की संपत्ति रखती हैं।

पत्नी मायके गई, युवक ने लगा ली फ़ांसी

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलास गुप्ता

प्रयागराज। टीपी नगर में एक

युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। घटना की जानकारी मिलते ही उसके परिवार में कोहराम मचा रहा। मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की लेकिन कोई सुसाइड नोट नहीं मिला धूमनगंज पुलिस ने बताया कि भरवारी, कौशांबी का रहने वाला अब्दुल्ला अपनी मां और छोटे भाई 20 वर्षीय हनीफ के साथ टीपी नगर में किराए पर रहता है। अब्दुल्ला गाड़ी चलाता है। हनीफ इन दिनों कुछ काम नहीं कर रहा था। उसकी पत्नी भी पिछले महीने मायके चली गई। और वह काफी डिप्रेशन में चला गया।कल रात को खाना खाने के बाद कमरे में उसने फांसी लगाकर जान दे दी।मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

एटीएम कार्ड क्लोन बना लोगों का पैसा उड़ाने वाले गिरोह का पर्दाफ़ाश सरग़ना समेत 2 गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलास गुप्ता

प्रयागराज। भोले भाले लोगों को मदद करने के बहाने एटीएम कार्ड बदलकर उनके खाते से लाखों रुपये उड़ाने वाले गिरोह का पर्दाफ़ाश करते

हुए साइबर पुलिस ने शुक्रवार दो बदमाशों को गिरफ्तार किया। उसके पास से कार्ड रीडर, स्कीमर, 29 एटीएम कार्ड बरामद हुए हैं। बदमाशों की पहचान गिरोह सरग़ना शैलेंद्र सिंह, 25 व अरुण सिंह, 25 के रूप में हुई है। अभी 4 फ़रार हैं। साइबर पुलिस ने गैंग का खुलासा करते हुए बताया कि आए दिन लोगों के एटीएम कार्ड से रुपये निकलने की शिकायतें मिल रही थीं। गिरोह की धरपकड़ के लिए एक टीम को लगाया गया था। पकड़े गए बदमाश का निशाना बिना गार्ड वाले एटीएम मशीन हुआ करते थे। वह कम पढ़े-लिखे व बुजुर्ग लोगों को देखकर एटीएम में पहुंच जाते थे। मदद के बहाने उनके एटीएम कार्ड को मिनी डिवाइस की मदद से स्कैन कर लेते थे। जिससे उसका डाटा डिवाइस में आ जाता था। दूसरा साथी चोरी से पिन कोड देख लेता था। उसके बाद कार्ड का क्लोन बनाया जाता था। वहीं एक और तरीका इस्तेमाल कर लोगों का कार्ड ही बदल देते थे। उसके बाद क्लोन बनाने की ज़रूरत भी नही पड़ती थी। फिर चोरी किए गए पासवर्ड की सहायता से किसी भी एटीएम से रुपये निकाल लेते थ गिरोह प्रदेश के कई जिलों में भी लोगों का मेहनत से कमाया पैसा कुछ घंटों में बैंक खातों से उड़ा चुके थे।

वर्तमान लाइफ टाइल में धूप की जगह टैबलेट से विटामिन डी लेने की लोगों में बढ़ी है प्रवृत्ति

प्रयागराज। एक वह जमाना था जब जीवन शैली अलग थी। तब समूह में बैठकर लोग बातचीत करते थे और साथ ही धूप का भी आनंद लेते थे। इससे उनका शरीर भी स्वस्थ रहता था। न कैल्सियम की कमी होती थी

और न ही हड्डियां कमजोर। वहीं आधुनिक लाइफ स्टाइल में काम की आपाधापी, नौकरी और व्यवसाय की टेंशन भी है। ऐसे में लोगों के पास वक्त ही नहीं है। व्यस्त जिंदगी में ज्यादातर लोगों के पास धूप लेने की फुर्सत भी नहीं होती। ऐसे में शरीर में विटामिन डी की कमी होने से रीढ़ की हड्डी और कमर में दर्द जैसी समस्याएं बढ़ती जा रही हैं। इस समस्या से निजात के लिए लोगों में धूप की जगह टेबलेट से विटामिन डी लेने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। चिकित्सक और डायटीशियन भी इसके विकल्प के रूप में कैल्सियम की गोली खाने के लिए सलाह देते हैं। जानकार बताते हैं कि विटामिन डी थ्री विटामिन डी का सक्रिय स्वरूप यानी एक्टिव फार्म होता है, जो सूर्य की रोशनी के जरिए शरीर के अंदर निर्मित होता है। अगर विटामिन डी टेबलेट अथवा इंजेक्शन के रूप में लिया जाता है तो वह भी क्रियाशील तभी होगा, जब धूप ली जाएगी। कौशांबी जनपद में संयुक्त जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) डा. दीपक सेठ का कहना है कि अगर शरीर में विटामिन डी नहीं होगा तो कैल्सियम अवशोषण कम होगा, जो हड्डियों एवं कोशिकाओं को मजबूत करने में सहायता करते हैं। उनका कहना है कि वर्तमान लाइफ स्टाइल में चिकित्सक एवं डायटीशियन इसकी सलाह देते हैं कि सभी खासकर 50 साल से ज्यादा उम्र की महिलाओं को कैल्सियम की एक गोली प्रतिदिन भोजन की तरह इस्तेमाल करना चाहिए। इससे रीढ़ की हड्डी मजबूत रहेगी, कमर में दर्द नहीं होगा और छोटे फ्रैक्चर भी नहीं होंगे। उनका मानना है कि काम की वजह से आमतौर पर महिलाओं को धूप लेने का समय नहीं मिलता है, जिससे इस तरह की दिक्कतें बढ़ जाती हैं। कौशांबी केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष पुरुषोत्तम कुमार का कहना है कि कैल्सियम टेबलेट की बिक्री में सामान्य दिनों की तुलना में ठंड के मौसम में बढ़ी है। ऐसा इसलिए कि ठंड में रीढ़ और कमर दर्द की परेशानी लोगों में बढ़ जाती है।

विधानसभा चुनाव महापौर अभिलाषा गुप्ता नन्दी ने नाम वापस लिया पति के खिलाफ़ खड़ी थी

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलास गुप्ता

प्रयागराज। शहर दक्षिणी से

भाजपा प्रत्याशी कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी के खिलाफ खड़ी उनकी पत्नी महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी ने शुक्रवार को नाम वापस के लिया है। उन्होंने निर्दलीय नामांकन किया था। नंदी ने पत्नी अभिलाषा गुप्ता के नामांकन को लेकर स्पष्ट किया था कि वह पत्नी के नामांकन को शुभ मानते हैं। जब-जब वह चुनाव मैदान में नामांकन करते हैं तो पत्नी अभिलाषा भी अपना पर्चा दाखिल करती हैं। ऐसा करना उनके लिए शुभ होता है।

डिप्टी सीएम केशव और कैबिनेट मंत्रियों नंदी व सिद्धार्थ नाथ की पत्नी ने संभाली हैं कमान

प्रयागराज। पति के प्रत्येक काम में साथ निभाने और कदम से कदम मिलाकर चलने का संकल्प लेने वाली भारतीय नारियां चुनाव में भी पीछे नहीं हैं। उनके पति उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव 2022 लड़ रहे हैं तो वह क्षेत्र में प्रचार की जिम्मेदारी बखूबी निभा रही हैं। यहां आम जनमानस की बात न कर हम प्रदेश के उप मुयमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्त नंदी और कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह के विधान सभा चुनाव पर गौर फरमा रहे हैं। ये सभी माननीय अपने विधान सभा क्षेत्र में सक्रिय होने के साथ ही दूसरे नेताओं के लिए भी प्रचार में जुटे हैं।

संगठन की जिम्मेदारियों को भी बखूबी निभा रहे हैं। इस बात को समझते हुए पतिन्यों ने अब कमान संभाल ली है। वह जनमत निर्माण के साथ ही समर्थन में मतदान करवाने की मुहिम में भी जुटी हैं। अब आइए चलते हैं कौशांबी जनपद। यहां की सबसे हाट सीट सिराथू विधान सभा है। यहां से भाजपा के उमीदवार हैं प्रदेश के उप मुयमंत्री केशव प्रसाद मौर्य। डिप्टी सीएम की पत्नी राजकुमारी मौर्या चुनाव मैदान में पति के लिए समर्थन जुटाने को प्रयासरत हैं। केशव अन्य क्षेत्रों में हो रहे चुनाव प्रचार में व्यक्त हैं तो राजकुमारी मौर्य दिन रात सिराथूइलाहाबाद शहर दक्षिणी विधान सभा से भाजपा प्रत्याशी नंद गोपाल गुप्ता नंदी की पत्नी भी पति के चुनाव प्रचार में इन दिनों अति व्यस्त हैं। प्रयागराज की महापौर होने के नाते उन पर दोहरी जिम्मेदारी है। इसका वे बखूबी निर्वहन भी कर रही हैं। मंत्री नंदी की पत्नी अभिलाषा गुप्ता नंदी का अधिकांश समय शहर दक्षिणी की गलियों में व्यतीत हो रहा है। वह लोगों से मिलकर क्षेत्र के विकास कार्यों की सच्चाई को भी समझने की कोशिश कर रही है। नगर निगम संबंधी जनहित के कौन से काम अधूरे हैं और किसे आगे के एजेंडे में शामिल करना है इस बात की भी सूची बनाते हुए चल रही हैं। प्रयागराज शहर दक्षिणी के समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी रईश चंद्र शुक्ल की पत्नी शांति शुक्ला यूं तो गृहणी हैं लेकिन चुनावी माहौल में वह भी बाहर निकल रही हैं। प्रतिदिन पार्टी कार्यालय आती हैं फिर महिला मोर्चा की सदस्यों के साथ विधान सभा क्षेत्र में पहुंचकर जनसंपर्क शुरू करती हैं। यह क्रम देर शाम तक चलता रहता है। इस बीच वह पंपलेट बांटने से लेकर पार्टी की नीतियों से भी लोगों को रूबरू कराती हैं। प्रदेश सरकार के प्रवक्ता व कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह इलाहाबाद शहर पश्चिमी से भाजपा के टिकट से चुनाव मैदान में उतरे हैं। उनकी पत्नी डाक्टर नीता इन दिनों पति के चुनाव प्रचार में घर-घर दस्तक दे रही हैं। अपने पति के समर्थन में सरकार की तरफ से कराए गए कार्यों को गिना रही हैं। खास कर महिलाओं के बीच अपनी पैठ बनाने की कोशिश कर रही हैं। वह जनसंपर्क के दौरान मतदाताओं के घर के भीतर तक जाने में कोई गुरेज नहीं कर रही हैं। महिलाओं के साथ बैठकर उनके सुख दुख भी साझा कर रही हैं। बच्चों का हाल जानने, उनके स्कूल जाने और पढ़ाई-लिखाई संबंधी सवाल भी पूछती रहती हैं। चूंकि डाक्टर नीता पेशे से दांत की डाक्टर हैं, वह जनसंपर्क के दौरान बच्चों को स्वस्थ रहने के टिप्स भी दे रही हैं। प्रतापपुर विधान सभा सीट से चुनाव मैदान में उतरे बसपा नेता घनश्याम पांडेय की पत्नी बृजकुमारी पांडेय भी चुनाव प्रचार में जुटी हैं। जिला पंचायत सदस्य होने के नाते भी वह अभियान में सक्रियता दिखा रही हैं। उधर मेजा विधान सभा सीट से ताल ठोक रहे बसपा नेता बाबा तिवारी की पत्नी भी घर-घर पहुंचकर महिलाओं से जनसंपर्क कर रही हैं और मतदान की अपील पति के पक्ष में कर रही हैं।

ट्रेन हादसा रोकने को सदी का सबसे बड़ा बदलाव होगा टीसीएएस कवच

प्रयागराज। ट्रेन हादसे रोकने के लिए यूं तो रेलवे समय-समय पर योजनाओं को बनाकर लागू करता रहता है। हालांकि अब जो सिस्टम को अमल में लाने की तैयारी है। रेलवे जल्द ही ट्रेनों में ट्रेन कालिजन अवायडेंस सिस्टम (टीसीएएस) कवच लगाएगा। यह सिस्टम ट्रेन संरक्षा में इस सदी का सबसे बड़ा बदलाव माना जा रहा है। इस तकनीक से ट्रेनें कभी भी लाल सिगन्ल पार नहीं करेंगी। मेक इन इंडिया के तहत रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्स आर्गेनाइजेशन (आरडीएसओ) ने इसे विकसित किया है। इस तकनीक का इस्तेमाल ट्रेन और स्टेशन दोनों स्थानों पर होना है। पहले टीसीएएस की जगह यूरोपियन ट्रेन कंट्रोल सिस्टम

लगाने की तैयारी की गई थी। यह नई तकनीक पूरी तरह स्वदेशी विकसित है। उत्तर मध्य रेलवे की ट्रेनों के लोको इंजन व स्टेशनों पर लगेगी जो विदेशी तकनीक के सापेक्ष आधे खर्च पर लगेगी। यह फुल आटोमेटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम है। लोको पायलट को कैब के अंदर ही सिगन्ल दिखेगा। इसी वर्ष इसके लिए टेंडर की प्रक्रिया शुरू होगी और नए सिस्टम को लगाने की शुरुआत होगी। मिशन रफ्तार के तहत दिल्ली हावड़ा रूट पर ट्रेनों को 160 किमी की रफ्तार से दौड़ाना है। यह सिस्टम उसी का हिस्सा है। इससे घने कोहरे में लाल सिगन्ल न देख पाने की समस्या खत्म होगी। ट्रेनों की लेटलतीफी कम होगी और ट्रेनों की टकराहट शून्य स्तर पर पहुंच जाएगी। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि कभी ट्रेन बेपटरी हुई तो ट्रेन के इंजन रुकते ही 10 सेकेंड के अंदर एक आपात मैसेज प्रसारित होगा। यह मैसेज तीन किमी के दायरे में प्रत्येक ट्रेनें में पहुंच जाएगा, जिससे संबंधित लाइन पर आ रही ट्रेनें तत्काल जहां होंगी रोकी जा सकेंगी। नए सिस्टम ट्रेन के लोको इंजन व दूसरा स्टेशन पर लगेगा। दोनों सूचनाओं का आदान-प्रदान करेंगे। यानी स्टेशन की सूचना चालक को मिलेगी और लोको इंजन की सूचना स्टेशन को मिलेगी। सेक्शन में निर्धारित स्पीड पर ही ट्रेन चलेगी। लाल सिगन्ल आने, लेवल क्रासिंग का गेट के खुला होने, ओवर स्पीड पर यह सिस्टम अलार्म बजा देगा। अगर अलार्म पर लोको पायलट ने ब्रेक लगाई तो यह स्वतः ब्रेक लगेगी। उत्तर मध्य रेलवे के सीपीआरओ डाक्टर शिवम शर्मा कहते हैं कि इस प्रणाली के आने से परिचालन में संरक्षा की दिशा में बहुत बड़ा परिवर्तन होगा। ट्रेन की संरक्षा सशक्त होगी। ट्रेनों को 160 किमी की रफ्तार से दौड़ाने की प्रक्रिया के साथ यह लागू होगा। अगर लोको पायलट सिगन्ल नहीं देख पाएगा तब यह सिस्टम खुद ही ब्रेक लगा देगा।

अज्ञात खड़ी ट्रक में बाइक सवार ने पीछे मारी जोरदार टक्कर ,एक कि मौत दो घायल

(आधुनिक समाचार सेवा)
देवभूषण कन्नौजिया

वाराणसी- लोहता थाना क्षेत्र के केराकतपुर गांव में शुक्रवार रात खड़ी ट्रक में बाइक सवार चालक ने जोरदार टक्कर मारी जहाँ चालक की मौत हो गई,जबकि उस पर सवार दो युवक गम्भीर रूप से घायल हो गए तथा बाइक की परखच्चे उड़ गये। तीनो घायलों को लंका स्थित ट्रामा सेंटर में उपचार के लिए भर्ती कराया जहाँ चिकित्सों ने एक को मृत घोषित कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार लोहता क्षेत्र के अनंतपुर गांव निवासी लवकुश भारती 25 वर्ष पुत्र पंचम,आंनद 22 वर्ष पुत्र मुरारी, मोनू 20 वर्ष पुत्र दुर्जन शादी में डेकोरेटर्स/बफर सिस्टम का कार्य करके रात्रि 2 बजे के बाद एक ही बाइक पर तीनों सवार होकर अपने घर को लौट रहे थे।तीनों जब वाराणसी-भदोही मार्ग पर केराकतपुर गांव के पास पहुंचे तभी एक अज्ञात ट्रक सड़क किनारे खड़ी थी जहाँ रोशनी के कारण बाइक चालक ने पीछे ट्रक में जोरदार धक्का मार दिया। जिससे मौके पर लवकुश आनंद व मोनू गम्भीर रूप से घायल हो गए। सूचना पाकर मौके पर पहुची पुलिस ने हादसे में घायलों को ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया जहाँ चिकित्सों ने लवकुश को मृत घोषित कर दिया। वही हादसे की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया जहां मृतक की मां चिंता देवी व पतनी बबिता भारती दहाड़े मार मार कर रोने लगी। वही मृतक लवकुश दो भाइयों में सबसे बड़ा था। लोहता थानाध्यक्ष राजेश सिंह ने बताया कि रात्रि दो बजे के लगभग अपाचे बाइक यू0 पी0 65 6893 से तीनो युवक अपने घर की ओर अनंतपुर जा रहे थे ,जो सड़क किनारे खड़ी अज्ञात ट्रक में पीछे से टक्कर मार दी सूचना पाकर पहुची पुलिस तब तक चालक ट्रक सहित फरार हो गया, मृतक के परिजन की तहरीर के आधार पर अज्ञात वाहन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस ट्रक की पता लगाने में जुट गई है।

उमाशंकर, नारद, जयप्रकाश व सुभाष सहित 35 ने किया नामांकन

बलिया । जिले में छठवें चरण के चुनाव के लिए चार फरवरी से नामांकन शुरू है। गुरुवार को दिग्गज नेताओं समेत 35 उम्मीदवारों ने पर्चा भरा। रसड़ा से बसपा उम्मीदवार विधायक उमाशंकर सिंह, बलिया नगर सीट से सपा के पूर्व मंत्री नारद राय, बैरिया से सपा के जयप्रकाश अंचल, बसपा से सुभाष यादव ने नामांकन किया। नामांकन स्थल पर हर दिन से ज्यादा भीड़ देखी गई। टीडी कालेज चौराहा से लेकर चितू पांडेय चौक तक जाम की स्थिति थी। पुलिस प्रशासन को भी जाम हटवाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। इस दौरान ड्रोन कैमरा से हर गतिविधि की निगरानी की जा रही थी। जुलूस आदि पर रोक के बावजूद भारी संख्या में विभिन्न दलों के समर्थक नामांकन स्थल पर पहुंचे थे। बलिया पूर्व मंत्री नारद राय अपने गांव मुबारकपुर के काली मंदिर पर मत्था टेक निकल और शहर के मंदिरों पर भी जाकर दर्शन किया। पार्टी कार्यालय पर पहुंचने के बाद वहां से नामांकन करने पहुंचे। बलिया के नगर सीट से वह 2002 में जीते थे। 2012 में भी वह सपा के टिकट पर चुनाव लड़े और विजयी रहे। सरकार में उन्हें मंत्री भी बनाया गया था। 2017 के चुनाव में पार्टी से अनबन होने के बाद वह बसपा में शामिल हो गए और बसपा से ही नगर के सीट पर चुनाव लड़े, लेकिन हार का सामना करना पड़ा। इस बार फिर वह सपा से बलिया नगर सीट पर प्रत्याशी हैं। रसड़ा विधान सभा क्षेत्र से उमाशंकर सिंह तीसरी बार बसपा के प्रत्याशी बने हैं। नामांकन के दिन वह अपने विधान सभा क्षेत्र के मंदिरों में जाकर पूजा अर्चना किए उसके बाद बलिया के लिए निकले। 2012 में सपा और 2017 में भाजपा की लहर में भी वह अपना विजयी रहे। कोई भी हवा इनकी जीत प्रभावित नहीं कर सकी। इस सरकार में बसपा ने श्री सिंह को विधानमंडल दल का नेता भी नियुक्त किया था। बैरिया विधान सभा से बसपा प्रत्याशी के रूप में सुभाष यादव ने अपना नामांकन किया। वह 2007 में बैरिया से बसपा से ही चुनाव लड़कर विधायक बने थे। इस बार वह सपा से टिकट के दावेदार थे, लेकिन पार्टी ने उन्हें टिकट नहीं दिया। ऐसे में बसपा ने पूर्व में घोषित प्रत्याशी अंगद मिश्रा का टिकट परिवर्तन कर सुभाष यादव को अपना प्रत्याशी बनाया है।बैरिया : विधान सभा क्षेत्र से सपा प्रत्याशी जयप्रकाश अंचल अपने गांव बेल्थरारोड के पशुहारी गांव से मंदिरों में मत्था टेक नामांकन करने निकले। वह 2012 में भी सपा से बैरिया विधान सभा क्षेत्र से चुनाव लड़े और विजयी हुए। पार्टी ने 2017 में भी उन्हें अपना प्रत्याशी बनाया था, लेकिन वह भाजपा के सुरेंद्र सिंह से चुनाव हार गए। तीसरी बार वह इसी विधान सभा से वह सपा के प्रत्याशी बने हैं। बैरिया से सपा के जयप्रकाश अंचल, बसपा के सुभाष यादव, आप के रजनीश ने नामांकन किया। सिकंदरपुर से निर्दलीय शारदानंद, जन अधिकार पार्टी के अशोक व रसड़ा से बसपा के उमाशंकर सिंह, कांग्रेस से ओमलता राज, निर्दलीय राजाराम, सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया (कम्युनिस्ट) के विजय व निर्दलीय उम्मीदवार मंजू ने नामांकन किया। बिल्थरारोड से निर्दलीय सीमोन प्रकाश, लोक जनशक्ति पार्टी के अखिलेश कुमार व सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के हंशु राम, भाजपा के छट्ठू राम, जन लोक विकास पार्टी के कुंदन कनौजिया व बीएसपी के प्रवीण प्रकाश ने पर्चा दाखिल किया। बलिया नगर से बसपा से शिवदास वर्मा, निर्दलीय रमाशंकर तिवारी, शिवसेना के आशीष तिवारी, बहुजन शक्ति पार्टी के विजेंद्र, आल इंडिया फारवर्ड ब्लाक के प्रकाश कुमार ने नामांकन किया। फेफना से बसपा के कमल देव, भारतीय सुहेलदेव पार्टी के भीम, जनता दल के पवन प्रकाश ने नामांकन किया। बांसडीह से दस उम्मीदवारों ने नामांकन किया।

जौनपुर में अवकाश की वजह से अगले तीन दिन तक नहीं होगा नामांकन

जौनपुर। जिले की नौ विधानसभा सीटों पर सातवें चरण में सात मार्च को होने वाले मतदान के लिए गुरुवार से कड़ी सुरक्षा के बीच कलेक्ट्रेट में नामांकन प्रक्रिया चल रही है। दो दिन चली प्रक्रिया में जहां दो ने नामांकन किया वहीं 256 दावेदारों ने पर्चे लिए। हालांकि अब दो दिन शनिवार और रविवार को अवकाश के चलते जहां नामांकन की प्रक्रिया स्थगित रहेगी, वहीं 15 फरवरी को हजरत मोहम्मद अली के जन्मदिन पर अवकाश की वजह से भी नामांकन नहीं हो सकेगा। ऐसे में बचे तीन दिन 14, 16 व 17 फरवरी को नामांकन को लेकर गहमागहमी रहेगी। इसे लेकर जहां जिला प्रशासन ने मुकम्मल तैयारी की है, वहीं दावेदारों ने भी कमर कस लिया है। बताते चलें कि दस फरवरी से शुरू नामांकन प्रक्रिया को 17 फरवरी तक आफलाइन व आनलाइन दोनों तरीके से पूरा करना है। इसे लेकर पहले दिन गुरुवार को जहां कोई भी नामांकन नहीं हुआ, वहीं 91 दावेदारों ने पर्चे लिए। वहीं दूसरे दिन शुक्रवार को 165 दावेदारों ने पर्चे लिए तो मडियाहूं से जनता दल यू के सुशील कुमार पटेल और मुंगराबादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र से भारत राष्ट्र डेमोक्रेटिक पार्टी से जितेंद्र कुमार ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। अब आगे के नामांकन के मद्देनजर जिला निर्वाचन विभाग ने सारी तैयारी पूरी कर ली है, सुरक्षा को लेकर कलेक्ट्रेट परिसर में बैरिकेडिंग के साथ जवानों की तैनाती कर दी गई है। नगर में भी जग जगह बैरिकेडिंग कर कलेक्ट्रेट जाने वाले मार्ग को बंद कर दिया गया ताकि नामांकन स्थल पर भीड़ भाड़ न हो सके। इसके साथ ही प्रत्याशियों के आने वाले वाहनों को खड़ा कराने के लिए बीआरपी कालेज सहित अन्य स्थानों पर व्यवस्था की गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बताया कि चुनाव आयोग के निर्देश के क्रम में नामांकन की प्रक्रिया चल रही है। इस दौरान जुलूस पूर्णतः प्रतिबंधित है। साथ ही दो वाहन के साथ प्रत्याशी आ सकेंगे, वाहन को सौ मीटर दूर ही रोका जा रहा है। बताया कि नामांकन के लिए दो पासपोर्ट साइज फोटो, नामांकन फार्म, जाति प्रमाण पत्र, आयु प्रमाण पत्र, शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, फाम 26, दस हजार रुपये नामांकन शुल्क निर्धारित है। बताया कि अलग-अलग विधानसभा वार नामांकन की प्रक्रिया चल रही है, जिसमें बदलापुर का न्यायालय उप संचालक चकबंदी, शाहगंज का न्यायालय उप जिलाधिकारी द्वितीय, जौनपुर का न्यायालय सिटी मजिस्ट्रेट, मल्हनी का न्यायालय उपजिलाधिकारी सदर, मुंगराबादशाहपुर का न्यायालय उप संचालक चकबंदी, मछलीशहर का न्यायालय अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, मडियाहूं का न्यायालय सहायक आयुक्त स्टांप, जफराबाद का न्यायालय चकबंदी अधिकारी सदर, केराकत का न्यायालय उप जिलाधिकारी प्रथम के कक्ष में नामांकन की प्रक्रिया चल रही है।

सिर्फ टेंडर-टेंडर खेल रही एनएचएआइ

बलिया । एनएचएआइ (भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण) महीनों से एनएच-31 की जर्जर हालत पर सिर्फ टेंडर-टेंडर खेल रही है, वहीं उसकी लापरवाही धूल के साथ उड़कर अब लोगों के आंखों को चुभ रही है। इस बार यह विधानसभा चुनाव में बड़ा मुद्दा साबित हो रहा है, कारण कि इस सड़क पर चलकर हर कोई जख्मी हो रहा है। बता दें कि एनएचएआइ ने एक माह पहले मरम्मत के लिए तीन भाग में टेंडर किया है। पुरानी कंपनी का टेंडर निरस्त कर दिया है। अब तीन कंपनियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। गाजीपुर से फेफना तक 60 किमी का कार्य एसआरएससी इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड, फेफना से चिरैया मोड़ तक 45 किलोमीटर महादेव कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड और चिरैया मोड़ से मांझी घाट के जयप्रभा सेतु तक 16 किलोमीटर जगदंबा इंटरप्राइजेज को कार्य करना है। लेकिन तीनों ही कंपनियों ने अभी तक कार्य शुरू नहीं किया है। बैरिया की ओर से एक कंपनी ने गिट्टी गिराया भी तो उसकी क्वालिटी को लेकर एनएचएआइ ने आपत्ति कर दी। एक सप्ताह में ही कार्य शुरू करने को कहा गया था। कार्य समाप्त करने की अवधि जून 2022 है। राष्ट्रीय राजमार्ग 31 और ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे का मुद्दा राज्य सभा में उठा है। प्रशन संख्या 78 के तहत राज्य सभा सदस्य नीरज शेखर ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री जनरल बीके सिंह से सवाल किया। पूछा कि बलिया में एनएच-31 और ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे का निर्माण कैसे होना है। एनएच-31 पर बड़े-बड़े गड्ढ़े हैं। क्या इसी सड़क को ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे में तब्दील किया जा रहा है या यह नई सड़क है। जवाब में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री वीके सिंह ने कहा कि एनएच-31 के निर्माण के लिए 81 करोड़ रुपये स्वीकृत कर दिए गए हैं। इससे 130 किमी में एनएच-31 की मरम्मत होगी। ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे 118 किमी में अलग बनना है। इसका डीपीआर तैयार हो चुका है। यह सड़क पूर्वांचल एक्सप्रेस वे से भी सट रही है। इसलिए किसी अन्य सड़क पर खर्च न हो, इस पर मंथन हो रहा है। 5000 करोड़ की लागत से गाजीपुर से मांझी तक 118 किमी लंबा ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू होनी है, अधिग्रहण कार्य उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) को देने की तैयारी है। थ्रीडी मैप (त्रिआयामी खाका) तैयार नहीं हो पाया है। चुनाव के बाद यह स्थिति भी स्पष्ट हो जाएगी। उसके बाद कार्य प्रारंभ होगा।

49,577 गरीबों की चमकी जिंदगी, मिला आशियाना

बलिया। प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण 17 विकास खंड 49,577 आवास गांवों में बने 594.92 करोड़ खर्च प्रधानमंत्री आवास शहरी 12 नगरीय निकाय 11,173 आवास बने 279.32 करोड़ खर्च संग्राम सिंह, बलिया केंद्र सरकार की स्वर्णिम योजना प्रधानमंत्री आवास ने बलिया में बहुतों की जिदगी बदली है। 2017 से जनवरी 2022 तक गांवों में 49,577 गरीबों की झोपड़ी हटाई गई, उन्हें पक्का मकान दिया गया है। आवासों को बनाने में जिला ग्राम्य विकास अभिकरण ने 594.92 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। परिवारों के जीवन में बड़ा बदलाव आया है। जब तक इनके आवास नहीं थे, तब तक जिदगी मुश्किल भरी थी। बारिश में झोपड़ी से पानी टपकता था, लेकिन आवास मिलने के बाद वह बेफिक्र हैं। जिदगी सुकून भरी है। सर्वाधिक आवासों का निर्माण रसड़ा और बांसडीह विधानसभा क्षेत्र में हुआ है। फेफना, बैरिया, सिकंदरपुर और बलिया नगर में भी पीएम आवास ने बहुतों की जिदगी बदली है। अपना आशियाना मिलने से ऐसे परेशान परिवार अब सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। विधानसभा वाइज बने ग्रामीण आवास9445 रसड़ा 4655 बलिया नगर 8648 बांसडीह 6544 सिकंदरपुर 6339 बिल्थरारोड 6678 बैरिया 7370 फेफना तीन किस्तों में प्रति लाभार्थी मिलते 1.20 लाख रुपये पात्र लाभार्थियों को आवास निर्माण के लिए प्रथम किस्त के रूप में 40 हजार रुपये की धनराशि उनके खाते में भेजी जाती है। नींव भरवाने व जियो टैग के बाद दूसरी किस्त के रूप में 70 हजार रुपये बैंक खाते में भेजे जाते हैं। छत लगने के बाद मकान की रंगाई व अन्य कार्य के लिए दस हजार रुपये लाभार्थियों को दिए जाते है शहरी इलाके में बने 11,173 गरीबों को आवास प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना ने भी शहरी व कस्बों में रहने वालों की जिंदगी में परिवर्तन लाया है। योजना में प्रति लाभार्थी को 2.50 लाख रुपये दिए जाते हैं। 2017 से अब तक करीब 11,173 गरीब परिवारों को आवास दिया गया। जिला नगरीय विकास अभिकरण ने 279.32 करोड़ रुपये खर्च किए। यह आवास बलिया नगर व रसड़ा नगर पालिका क्षेत्र के अलावा 10 नगर पंचायतों में बनाए गए हैं। विधानसभा वाइज स्थिति देखें तो सर्वाधिक नगरीय आवास बांसडीह नगर पंचायत में बने हैं। यहां 4999 गरीबों को आवास मिले, जबकि बलिया नगर में 1730, सिकंदरपुर 904, बिल्थरारोड 362, रसड़ा 790, बैरिया 1285 और फेफना विधानसभा क्षेत्र के नगरीय इलाके में 1103 आवंटन हुआ है प्रधानमंत्री आवास के निर्माण के गति तेज कर दी गई है। प्राथमिकता के साथ पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ देने की कोशिश चल रही है। कुछ गड़बड़ियां थी, इस पर कार्रवाई भी हुई है। देव नंदन दुबे, परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण लाभार्थियों की जुबानी बरसात होने पर परेशानियां बढ़ जाती थी, लेकिन वर्ष 2021 में आवास की धनराशि खाते में आई तो मुश्किल आसान हो गई। गीता देवी, पांडेयपुर आवास बनने से समस्याएं दूर हो गई हैं। अब बरसात होने पर भी आराम से पूरे परिवार के साथ रहती हूं। संजू देवी, पांडेयपुर आवास मिलने से सिर पर छत नसीब हुई। पहले बहुत तकलीफ झेली हूं। हर मौसम में बिना घर जिदगी बेबस हो चुकी थी। राजकुमारी, पांडेयपुर आवास मिल जाने से सपना पूरा हुआ। 2021 में घर बनवाया गया है। तीनों किस्ते मिल चुकी हैं।

वाराणसी में घाट किनारे गंगा का पानी हुआ काला, तकनीकी टीम जांच कर देगी रिपोर्ट

वाराणसी । गंगा के निर्मलीकरण को लेकर सरकार की ओर से संकल्प दिखाया जा रहा है लेकिन स्थानीय स्तर पर लापरवाही बरकरार है। इसका ही खामियाजा गंगा प्रदूषण के रूप में सामने आ रहा है। मणिकर्णिका घाट से राजघाट की ओर शुक्रवार को गंगा का पानी किनारे की ओर काला नजर आया। इसे देख स्थानीय लोग हैरान रह गए। किसी ने कहा कि यह सीवेज के कारण हुआ है तो किसी ने महाश्मशान से निकली राख को जिम्मेदार बताया हालांकि, देर शाम तक बहस के बाद भी स्पष्ट नहीं हो सका कि गंगा का किनारा कैसे काला हो गया। मणिकर्णिका घाट, ङ्क्षसधिया घाट, बालाजी घाट, रामघाट, गंगा महल घाट से किनारे गंगा का पानी काला देखा गया। सबसे अधिक काला पानी गंगा महल घाट के पास था। इस बाबत जल निगम के गंगा प्रदूषण नियंत्रण इकाई के परियोजना प्रबंधक एसके रंजन ने कहा कि फिलहाल, गंगा में पक्के घाट की ओर से कोई सीवेज नहीं जा रहा है। जलासेन घाट का पंप भी मुकम्मल तौर पर चल रहा है। तकनीकी जानकारी साझा की। कहा कि यदि पंप बंद हो जाता है तो सीवेज बैक फ्लो करता है। 24 घंटे सातों दिन पंप कर सीवेज को दीनापुर स्थित एसटीपी तक भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि गंगा का पानी काला हुआ है तो कोई दूसरा कारण हो सकता है। दूसरी ओर घाट किनारे कुछ जानकार लोगों का कहना है कि बहाव कम होने से किनारे की गंदगी, महाश्मशान घाट से निकली राख बह नहीं रही है। बहाव कम होने का कारण श्रीकाशी विश्वनाथ धाम निर्माण के लिए ललिता घाट पर बनाया गया प्लेटफार्म है जिसे किनारे गंगा में घुस कर बनाया गया है। इससे किनारे की ओर बहाव कम हुआ है। इससे राख व अन्य गंदगी के कारण गंगा का पानी काला नजर आ रहा है। वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि शहर की सीवर लाइन गंगा की ओर आती है। बहुत सी ऐसी लाइनें जो अब भी बंद नहीं हुई हैं, जिसके चलते गंदगी गंगा में जा रही है। बहाव कम होने से किनारे काला पानी नजर आ रहा है।

दो वर्षो से बंद पड़ी पेयजल टंकी, 50 हजार लोग परेशान

बैरिया (बलिया) । बैरिया बाजार में स्थित जल निगम की पानी टंकी के बंद हुए लगभग दो वर्षो हो चुके हैं। इसे चालू करने के लिए ना तो नगर पंचायत गंभीर है और ना ही जल निगम। ऐसे में आर्सेनिक क्षेत्र बैरिया की लगभग 50 हजार की आबादी दूषित पानी को मजबूर हैं। दो दशक पूर्व बैरिया बाजार में पानी टंकी का निर्माण उत्तर प्रदेश जल निगम द्वारा कराया गया था। तब से लगातार बेहतर जलापूर्ति पानी टंकी से हो रही थी। जैसे ही नगर पंचायत को पानी टंकी सुपुर्द हुई जलापूर्ति अस्त व्यस्त होने लगी। वहीं बाद में पूरी तरह से जलापूर्ति ठप हो गई है। जल निगम के कर्मचारी व अधिकारी का कहना है कि पानी टंकी का रख-रखाव तथा संचालन नगर पंचायत के जिम्मे है। जबकि नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि शिव कुमार वर्मा मंटन का कहना है की जगह जगह पानी टंकी के मुख्य पाइप लाइन पर बिजली का खंभा गाड़ दिया गया है, जिससे जगह-जगह पाइप लाइन क्षतिग्रस्त है। बार-बार कहने के बावजूद बिजली विभाग खंभा नहीं हटा रहा है, इससे पानी टंकी का संचालन बाधित है। वहीं ग्राम पंचायत कोटवां का पानी टंकी लगभग 2 वर्षो से बंद है। जल निगम अभी तक उसे कोटवां ग्राम पंचायत के सुपुर्द नहीं किया है और खुद भी देखभाल नहीं कर रहा है। यही स्थिति करमानपुर की है। वहां भी पानी टंकी काफी दिनों से बंद है।यही नहीं अधिकांश ग्राम पंचायतों में लाखों रुपये की लागत से बनी पानी टंकियां बंद पड़ी हैं। इस संदर्भ में कई लोगों ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर व संपूर्ण समाधान दिवस में शिकायत दर्ज कराई है। बावजूद इसके कोई पहल नहीं किया गया है। क्षेत्रीय लोगों ने इस संदर्भ में जिलाधिकारी से गुहार लगाई है। महीने भर की प्रतीक्षा के बाद जल निगम के केंद्र से पेयजल की आपूर्ति आरंभ कर दी गई है। जल निगम केंद्र सुखपुरा का हस्तांतरण नहीं किया गया है। हस्तांतरण प्रक्रिया केवल पत्र व्यवहार तक ही सीमित रह गई है। ग्राम प्रधान अभिमन्यु चौहान ने बताया कि जल निगम का तर्क है कि केंद्र के परिसर में नगरीय क्षेत्र के सामान रखे गए हैं, जिसकी उठान होने के बाद केंद्र का हस्तांतरण किया जाएगा। लोगों की परेशानियां देखते हुए पेयजल आपूर्ति की वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। वैसे शासन को केंद्र के हस्तांतरण के लिए ग्राम पंचायत सुखपुरा की ओर से दोबारा पत्र लिखा गया है। जल निगम केंद्र की स्थिति, बकाया बिल, ऑपरेटर का वेतन व तकनीकी गड़बड़ी दूर करने की व्यवस्था के लिए भी कहा गया है।

वाराणसी में शिव की कचहरी में भक्त लगाएंगे अर्जी, बाबा रसोई के पीछे चल रही तैयारी

वाराणसी। बाबा श्रीकाशी विश्वनाथ धाम के भव्य स्वरूप को देखने के लिए प्रतिदिन भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। फर्स्ट फेज का काम पूरा हो गया और सेकेंड फेज का काम भी अब अंतिम चरण में है। वहीं, शिव कचहरी को भी बाबा दरबार परिक्षेत्र में शामिल कर लिया गया था। बाबा के भक्त बाबा विश्वनाथ का दर्शन करने के बाद सीधे शिव कचहरी का भी दर्शन कर सकेंगे और अपनी हाजिरी लगाने के साथ ही अपनी मन्नतों की अर्जी भी डाल सकेंगे। अधिकारियों के मुताबिक महाशिवरात्रि तक शिव की कचहरी (शिव सभा) बनकर तैयार हो जाएगी। बाबा की भव्य कचहरी धाम के चौक के बाईं ओर बनाया जा रहा है। निर्माण को लेकर शिव कचहरी के महंत परिवार के सदस्य राजू पाठक, कमल मिश्रा, रमेश गिरी ने दो दिन पूर्व मंदिर में मुख्यकार्यपालक अधिकारी सुनील वर्मा से मुलाकात की थी और जल्द से जल्द निर्माण पूरी कराने की बात कही थी। जिसपर सीईओ ने भरोसा दिलाया कि महाशिवरात्रि से पूर्व बाबा की शिव कचहरी बनकर तैयार हो जाएगी और भक्तों को दर्शन मिलने लगेगा। वहीं शिवरात्रि पर बाबा दरबार में लाखों लोगों के आने की संभावना को देखते हुए परिसर में सभी काम जल्द पूरा करने के लिए विभागीय अधिकारी तैयारियों पर लगातार नजर रख रहे हैं। यह है मान्यता मंदिर के महंत बच्चा पाठक और नील कुमार मिश्रा ने बताया कि श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के बगल में स्थित शिव कचहरी से जुड़ी कई मान्यताएं है। जो लोग मुकदमे में फंस जाते हैं वो लोग इस कचहरी में अपनी फरियाद करते हैं। इससे उनके पक्ष में फैसला आता है। पुरानी कचहरी में विभिन्न स्वरूपों में 108 शिवलिंग, पांचों पांडवा, काशी के छप्पन विनायक में 05 विनायक कपिल मुनि की इकलौती प्रतिमा विराजमान थी। सभी मूर्तियां सुरक्षित रखी गई हैं। नए शिव कचहरी का निर्माण पूर्ण होते ही सभी विग्रह और शिवलिंग को वैदिक पूजन के साथ पुनः विराजमान कराया जाएगा।

बीएचयू के नवीन हॉस्टल के पीछे छात्रा संग एनसीसी हवलदार ने की छेड़खानी, मुकदमा दर्ज

वाराणसी। बीएचयू के नवीन हॉस्टल के पीछे झाड़ी में बीए प्राचीन इतिहास अंतिम वर्ष की छात्रा से छेड़खानी का मामला सामने आया है। पीड़िता के अनुसार बीएचयू में यह वारदात रात करीब 9:30 बजे उसके साथ हुई है। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच के अनुसार छेड़खानी का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। वहीं लंका थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। जबकि दूसरी ओर पीड़ित छात्रा शनिवार की सुबह मेडिकल कराने अस्पताल भी पहुंची है। काशी हिंदू विश्वविद्यालय में में बीए की छात्रा के साथ एनसीसी के हवलदार ने छेड़खानी संग दुष्कर्म का असफल प्रयास किया है। सूचना मिलने के बाद लंका पुलिस ने आरोपित को रविवार की सुबह गिरफ्तार कर लिया है।पीड़ित छात्रा एनसीसी में भी शामिल है। पीड़ित छात्रा की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज करते हुए आरोपित एनसीसी की 28 वीं बटालियन गर्ल्स के हवलदार मनोज कुमार को लंका थाने की पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। परिसर में सुरक्षा कर्मियों की भारी फौज रहते हुए छात्रा के साथ इस तरह की धटना से कार्यशैली पर गंभीर सवालिया निशान खड़ा कर दिया है। विश्वविद्यालय से बीए फाइनल कर रही छात्रा परिसर के बाहर नरिया क्षेत्र में रहती है। जहां परिसर में ही एनसीसी की भी छात्रा है। एनसीसी 28 बटालियन के हवलदार मनोज कुमार ने शुक्रवार की रात उसे नरिया गेट पर कुछ जरूरी प्रशन पत्र देने के लिए बुलाया था। बातचीत के दौरान मनोज छात्रा को लेकर नवीन गर्ल्स हॉस्टल की तरफ लेकर गया। जहां सुनसान और झाड़ियों की तरफ छात्रा के साथ अश्लील हरकत करने लगा। पहले छात्रा ने मना किया तो जोर जबर्दस्ती करने लगा। छात्रा ने विरोध करते हुए शोर मचाया तो हवलदार मनोज भाग निकला। रात में ही छात्रा की आवाज सुनकर नवीन गर्ल्स हॉस्टल के समीप मौजूद प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सुरक्षाकर्मियों ने आरोपी मनोज को दौड़ाकर पकड़ लिया और प्रॉक्टर ऑफिस ले गए। जहां से लंका थाने की पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने रात में ही पीड़ित छात्रा की तहरीर लेकर आरोपी मनोज को लंका थाने ले गई। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर 355 , 354 (क) का केस दर्ज कर छात्रा को मेडिकल मुआयना कराया तथा देर रात में ही अधिकारियों घटनास्थल का निरीक्षण भी किया है। छात्रा के साथ छेड़खानी को लेकर छात्र छात्राओं में काफी आक्रोश है।

सम्पादकीय

अपने सपनों का समृद्ध एवं खुशहाल भारत बनाने के लिए हमें कई मोर्चों पर निर्णायक कदम उठाने होंगे

भारत को आर्थिक प्रगति के उच्च सोपान तक ले जाने के लिए केवल सालाना बजट से ही काम नहीं चलेगा। उसके लिए हमें दीर्घकालीन एजेंडा बनाना होगा। यह आवश्यक है कि हम 25 साल के विजन पर आगे बढ़ें। इस बीच हमें अपने समक्ष कायम चुनौतियों को विस्मृत नहीं करना होगा। उन पर बिंदुवार विचार करना होगा। गत वर्ष बजट में एलान हुआ था कि सरकार 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराएगी, क्योंकि हमारी 57 प्रतिशत आबादी दो वक्त के भोजन का प्रबंध नहीं कर सकती। हमारे पास 'मेक इन इंडिया उत्पादों की खरीदारी करने वाले एक मध्यम वर्ग का अभाव है। इसलिए हमें इन उत्पादों का एक ग्रााहक वर्ग बनाकर देश को 2030 तक मध्यम आय वर्ग वाली श्रेणी और 2047 तक विकसित राष्ट्रों की कतार में लाने के लिए प्रयास करने होंगे। बढ़ता कर्ज का बोझ भी चिंतित करने वाला है। 2016 में भारत का राष्ट्रीय ऋण 1.4 ट्रिलियन (लाख करोड़) डालर था, जो 2020 में 2.35 ट्रिलियन डालर हो गया, जिसके 2026 तक बढ़कर 4.43 ट्रिलियन डालर होने के आसार हैं। 2027 तक हम पांच ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनें या न बनें, किंतु पांच ट्रिलियन डालर के कर्जदार बन जाएंगे। राष्ट्रीय ऋण में दोगुनी बढ़ोतरी के रुझान के बावजूद आर्थिक वृद्धि में उस अनुपात में तेजी नहीं आ रही है। 2019 से ही हमारी प्रति व्यक्ति अनुमानित (नामिनल) जीडीपी में 10 प्रतिशत की गिरावट आई है। यह स्पष्ट संकेत करता है कि हमें अपने आर्थिक माडल का पुनर्गठन करना होगा। राजकोषीय घाटा विकट चुनौती है। हालिया बजट की बात करें तो कर राजस्व एवं गैर-कर राजस्व का आंकड़ा 30.28 लाख करोड़ रु के स्तर पर पहुंच गया, जबकि कुल व्यय 39.45 करोड़ रु दिखाया गया है। देश में अवसरों को लेकर भी बहस हो रही है। विगत सात वर्षों के दौरान 8.5 लाख भारतीय देश से बाहर जा चुके हैं। नौकरशाही और न्यायिक तंत्र भारत को पीछे धकेलते हैं। हम सरदार पटेल के उस वादे को पूरा करने में नाकाम रहे हैं, जिसमें उन्होंने कहा था, 'स्वतंत्र भारत में कोई भी भूख से नहीं मरेगा। न्याय पाना न तो मुश्किल होगा और न ही महंगा।' बाहरी मोर्चे पर एक ओर जहां हम विस्तारवादी चीन से घिरे हैं तो दूसरी ओर आतंक के गढ़ पाकिस्तान से। जाहिर है कि हमें सदैव युद्ध के खतरे का सामना करने के लिए तत्पर रहना होगा। इसलिए सामरिक प्रतिष्ठान में उस स्तर का निवेश आवश्यक होगा कि कोई हमारी संप्रभुता को चुनौती देने का दुस्साहस न करे। उद्योगीकरण भी हमारी नीतियों के केंद्र में रहा है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए हमने पीएसयू, औद्योगिक घराने और विश्वस्तरीय आइआइटी एवं आइआइएम जैसे संस्थान बनाए। वहीं देश में समग्र्र विकास की संभावनाओं के अभाव में लोग यहां पढ़-लिखकर विकसित देशों का रुख करते हैं। भारत के पास जनसांख्यिकीय अवसर अवश्य है, किंतु इसमें लाभ की स्थिति नहीं दिखती, क्योंकि इसके लिए हमने कभी निवेश ही नहीं किया। श्रम उत्पादकता के पैमाने पर भारत आसियान देशों में सबसे निचले स्तर पर है। ऐसे में उत्पादकता और समग्र्र प्रतिस्पर्धा में वृद्धि के लिए भारी-भरकम निवेश करना होगा। अपने सपनों का भारत बनाने के लिए हमें कुछ कदम उठाने होंगे। जैसे बड़ी कंपनियों के एक छोटे समूह के बजाय छोटी-छोटी कंपनियों का एक बड़ा समूह बनाने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। वितरण पर आधारित वृद्धि के माडल जैसी पहल के साथ ही एक रोजगार एजेंसी की स्थापना करनी होगी, जो एक क्षेत्र विशेष की आवश्यकताओं एवं वहां संभावनाशील उद्यमों का आकलन कर सके। मेट्रो शहरों के बाहर निवेश और स्मार्ट, इनोवेटिव, ग्र्रीन एवं व्यावहारिक आर्थिक क्षेत्रों की स्थापना की जाए। संस्कृति पर्यटन और रचनात्मक उद्योगों में भी निवेश बढ़ाना होगा, क्योंकि वे युवाओं के लिए रोजगार के सबसे बड़े सृजक बने हुए हैं। जिन्हें खर्च करके वह ऊंची वृद्धि को रफ्तार दे।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में नए कुलपति के विरुद्ध विषवमन की साजिश

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में नए कुलपति की नियुक्ति की घोषणा के साथ ही वामपंथी संगठनों से जुड़े लोगों की ओर से नकारात्मक टिप्पणियां आने लगी हैं। वैसे इसमें कोई आश्चर्य की बात भी नहीं। किसी और को भी बनाया जाता तब भी वही होता, जो अभी हो रहा है। वामपंथ या उदारवादी खेमा जो स्वयं को केवल बुद्धिजीवी मानता है, उसे यह बात कैसे हजम होती कि जेएनयू के पुराने कुलपति को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का सिरमौर बना दिया और साथ में कर्मठ महिला जो जेएनयू की पढ़ी लिखी हैं, उन्हें कुलपति। यह निर्णय उनकी छाती पर मूंग दलने जैसा था, इसलिए प्रतिकार हो रहा है। लेकिन इसका एक और कारण यह भी है कि कैंपस कोरोना महामारी जनित कारणों से बंद रहने के लगभग दो साल बाद पूरी तरह से खुल रहा है। विरोधियों के लिए परिवेश तैयार करने का इससे बड़ा और कोई मुद्दा नहीं था। देखा जाए तो शिक्षा जगत में कई मुलभूत परिवर्तन मजबूती के साथ हो रहे हैं। नई शिक्षा नीति को लागू करने का प्रयास भी तेजी से गति पकड़ रहा है। यूजीसी ने पिछले सप्ताह दो दस्तावेज अपलोड किए हैं, जो पब्लिक डोमेन में है। उस पर सहमति और चर्चा हो रही है। देश के अन्य विश्वविद्यालय भी नई शिक्षा नीति को लागू करने की कोशिश में हैं। एक नए भारत की तस्वीर अंकित हो रही है। परंतु जो लोग देश को भारतीय संस्कृति से दूर रखना चाहते थे, उनकी आंखों में जलन की पीड़ा थी। इसलिए उनके लिए बहुत आसान था एक नए कुलपति को घेरे में लेना। तथ्य को अपने तरीके से जोड़कर एक ऐसी कहानी रची जा रही है जो मनगढ़ंत थी। देखा जाए तो जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में वामपंथ हिंसा की कई जीवंत कहानियां हैं। वर्ष 1983 में तो वामपंथी राजनीति जेएनयू कैंपस में इस कदर हिंसक और बेकाबू हो गई थी कि उस समय लगभग एक वर्ष के लिए इस विश्वविद्यालय को बंद तक करना पड़ा था। सभी छात्रावासों को खाली कराकर विद्यार्थियों को जबरदस्ती घर भेजना पड़ा था। उस दौर की हिंसा का आरोप तो प्रोपेगंडा में माहिर वामपंथी भी किसी और पर लगा नहीं पाएंगे, क्योंकि तब तो जेएनयू में दूसरी विचारधाराओं का प्रवेश ही नहीं हुआ था। उस समय जेएनयू के कुलपति रहे प्रोफेसर पीएन श्रीवास्तव ने मीडिया के समक्ष बयान दिया था कि उपद्रवी छात्रों ने उनके घर में प्रवेश करके बहुत कुछ लूट कर ले गए। प्रोफेसर हरजीत सिंह ने अपनी व्यथा सुनाते हुए कहा कि उनके घर में घुसी उन्मादी छात्रों की भीड़ ने तोड़-फोड़ की। इन शिक्षकों पर वामपंथी छात्रों ने 'राष्ट्रवादी होने का आरोप लगाया था। इस पूरी हिंसा में वामपंथी विचारधारा के शिक्षक छात्रों को उकसाने और उनके लिए योजना बनाने में लगे हुए थे। इस घटना के बाद लंबे समय तक इस विश्वविद्यालय परिसर में अर्धसैनिक बलों की टुकड़ी को अस्थायी तौर पर तैनात करना पड़ा था। छात्र राजनीति का नया स्वरूप : कैंपस में छात्र राजनीति एक स्वाभाविक प्रक्रिया है, लेकिन विरोध प्रदर्शन की एक नियति होती है। छात्र और शिक्षक के बीच संबंध की भारतीय परंपरा और सोच बेहद घनिष्ठ है। अगर विरोध का स्वरूप हिंसक हो तो वह निंदनीय है। पिछले तीन वर्षों में इस विश्वविद्यालय परिसर में कई नए केंद्र खुले हैं। शोध कार्य को निरंतर बढ़ावा दिया गया, भारतीय ज्ञान और संस्कृति को शिक्षण में शामिल किया गया। राष्ट्रीय पहचान से जेएनयू को जोडे की कोशिश की गई। छात्रों के लिए नए हास्टल बनाने की तयारी की गई। इसके बावजूद शिकायतों का पुलिंदा बड़ा होता चला गया। इसका क्या कारण हो सकता है क्यों चंद लोग जेएनयू को देश की परिधि से बाहर रखने पर तुले हुए हैं। हर देश की संस्थाएं देश के हितों को ध्यान में रखकर आर्थिक और सैनिक नियमों को बनाने में मदद करती हैं। अमेरिकी शक्ति अगर दशकों तक दुनिया में छाई रही तो इसके पीछे उसकी संस्थाओं का भी योगदान था। लेकिन जेएनयू के भीतर एक ऐसे बुद्धिजीवी वर्ग ने अपनी जड़ जमा ली जो न तो पूरी तरह से साम्यवादी थे और न ही सोशलिस्ट। उनका छद्म रूप मार्क्स के दास कैपिटल का था, लेकिन असली रूप अमेरिका के पूंजीवाद और व्यक्तिगत सुख और ऐशोआराम पर टिका हुआ था। पढ़ाई वामपंथी विचारों को मजबूत बनाने की होती, लेकिन ठिकाना अमेरिका और यूरोप में होता। दर्जनों ऐसे दिग्गज बुद्धिजीवी अपने नाम के साथ विभागीय राजवाड़ा बनाने में सफल हुए जिनके नाम के साथ ही केंद्र का नाम था। उनकी पसंद का ही बुद्धिजीवी केंद्र में स्थान प्राप्त कर सकता है। विदेश में फैलोशिप पर भेजने की कलम की शक्ति भी इन्हीं के पास थी। दरअसल यह राजवाड़ा टूटने लगा। इतना ही नहीं, जहां हुर्रियत के लीडर आकर कश्मीर को देश से अलग होने की हुंकार भरकर चले जाते थे, आज वही परिसर अनुच्छेद 370 के हटाए जाने पर शांत है, यहां तक कि समर्थन करते हुए प्रसनन्ता भी जताई जा रही है। यह अद्भुत परिवर्तन भी इसी दौरान हुआ है। शिक्षण संस्थानों में समर्पण की भावना इस संदर्भ में यदि हम जवाहरलाल नेहरू के सोच को ही समझने का प्रयास करें तो उन्होंने कहा था कि विश्वविद्यालय मंदिर की तरह है। यहां समर्पण की भावना होनी चाहिए। अगर मंदिर की तफ्तीश करें तो जेएनयू से बेहतर मंदिर भारत में नहीं है। पिछले कुछ वषों में जेएनयू की प्रगति पहले से कहीं तेज गति से हुई है। जब संस्थाओं की बात होती है तो उसकी गुणवत्ता का आकलन राष्ट्रीय मानक के अनुसार किया जाता है कि देश की प्रगति में वह संस्था कितनी सहायक रही है। अगर अमेरिका के भी उदाहरण को लिया जाए तो उसकी ज्ञानपूर्ण अर्थव्यवस्था और सामरिक सोच को विकसित करने में संस्थाओं और थिंक टैंक का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। लेकिन जेएनयू में जब देश की परंपरा की, संस्कृति की और उसकी अस्मिता की बात होती थी तो उसे पिछड़ेपन का कारण मान लिया जाता। यानी क्रिटिकल थिंकिंग की परिभाषा केवल राष्ट्र की बुराई करने में है या उस देश की मिट्टी में पैदा हुई संस्कृति को तहस नहस करने भर से है। दरअसल एक विचारधारा की निरंकुशता ने संस्था को राष्ट्र से दूर खींचने की कोशिश की। आज कैंपस पहले की तरह ज्ञान केंद्र बना हुआ है। केवल चंद लोगों की स्वार्थ और लिप्सा बंद हो गई है। बेचैनी उनकी है। उनकी नजर में जेएनयू गर्त में गिर चुका है। निर्णय तो भावी पीढ़ी करेगी कि यह सकारात्मक परिवर्तन देश के लिए कितना आवश्यक था। उनकी हर कोशिश होती रही कि जेएनयू के कुलपति को कठघरे में खड़ा कर देश के प्रधानमंत्री पर निशाना साधा जाए। इस बार भी वैसा ही कुछ हो रहा है। प्रोफेसर शंतिश्री पंडित जेएनयू की छात्रा रह चुकी हैं। इसलिए वामपंथ के चक्रव्यूह को बखूबी समझती हैं। एक कुशल प्रशासक के रूप में भी उनकी पहचान है। इस बात की पूरी उम्मीद है कि नई शिक्षा नीति को लागू करने और जेएनयू की प्रगति में उनके प्रयास सफल होंगे। राष्ट्र निर्माण में छात्रों की भूमिका राष्ट्र निर्माण में विश्वविद्यालय और छात्रों की अहम भूमिका है। जब आर्थिक व्यवस्था ज्ञानमूलक हो और दुनिया में सबसे अधिक युवा शक्ति भारत से निकलती हो, तब बात और महत्वपूर्ण हो जाती है। पिछली सदी के पांचवें दशक में और फिर महज दशक भर पहले चीन ने यह बात कही थी कि भारत कोई राष्ट्र नहीं है, वह टुकड़ों में बंटा हुआ एक ढांचा है जो समय के साथ बिखर जाएगा। लेकिन बीते 75 वर्षो में भारत न केवल मजबूत हुआ है, बल्कि पिछले कुछ समय से अपनी पुरातन संस्कृति की पहचान को स्थापित करने की कोशिश में भी लगा हुआ है। इस बीच यह आवश्यक है कि किसी वैचारिक सोच से ज्यादा राष्ट्रीय हित की बात हो। शंतिश्री पंडित जेएनयू को आगे ले जाने की बात कह रही हैं। ऐसे में यदि विरोध हो भी तो वह सकारात्मक दिशा में हो, क्योंकि जेएनयू की गिनती देश के लब्ध प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में होती है। राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के प्रति सक्रियता : वर्ष 1975-77 के दौर में जब देश में आपातकाल लगा था, तब जहां पूरे देश में सरकार की तानाशाही का विरोध हो रहा था, वहीं इस विश्वविद्यालय परिसर में सरकार की वाहवाही हो रही थी। दरअसल तबकी प्रमुख वामपंथी पार्टी ने आपातकाल का समर्थन किया था और उस दौर के मानवाधिकार उल्लंघनों में हिस्सा भी लिया था। पिछली सदी के आखिरी दशक में भी हिंसा की कई बड़ी घटनाएं घटीं। वर्ष 2000 में विश्वविद्यालय परिसर में हुई हिंसा का एक सनसनीखेज मामला संसद में कर्नल भुवन चंद्र खंडूड़ी ने उठाया था। दरअसल मामला यह था कि जेएनयू के केसी ओट नामक सभागार में वामपंथी संगठनों द्वारा एक मुशायरा आयोजित किया गया था, जिसमें पाकिस्तान से भी शायर आए थे। वहां भारत-पाकिस्तान संबंधों में भारत को बुरा और पाकिस्तान को अच्छा बताने वाली नज्में गायी जा रही थीं और तब महज एक वर्ष पहले कारगिल युद्ध में भारत को दोषी बताते हुए लिखे गए शेर भी पढ़े जा रहे थे। उस खुले सभागार में दर्शकों के बीच दो भारतीय सैनिक भी बैठे थे, जो उस समय तो अवकाश पर थे, लेकिन कारगिल की लड़ाई में वे शामिल रहे थे। उन्होंने खड़े होकर इस कार्यक्रम का विरोध किया। जवाब में विश्वविद्यालय परिसर के वामपंथियों ने उन दोनों सैनिकों को घेर कर पीटा और अधमरा करके मुख्य गेट के बाहर फेक दिया। कर्नल खंडूड़ी ने जब संसद में यह पूरा वृत्तांत सुनाया तो उस समय भी जेएनयू में दी जा रही राजनीतिक शिक्षा पर देश में प्रशन उठे थे। वर्ष 2010 में जब दंतेवाड़ा में सीआरपीएफ के 76 जवान माओवादी हमले में वीरगति को प्राप्त हुए थे, उस समय देश में शोक की लहर थी। लेकिन विश्वविद्यालय परिसर में स्थित एक ढाबे पर वामपंथी गुटों ने इस घटना पर जश्न मनाया और डीजे चलाकर पार्टी की। वर्ष 2013 में इस विश्वविद्यालय परिसर में एक अजीब तरह का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसे वामपंथियों ने महिसासुर पूजन दिवस का नाम दिया। इस दिन विश्वविद्यालय परिसर में पर्चा बांटा गया जिसमें भारतीयों की आराध्य देवी दुर्गा के लिए अकल्पनीय अपशब्दों का प्रयोग किया गया। इस कार्यक्रम से हिंदू और सिखों की भावना आहत होना स्वाभाविक था, लेकिन विरोध करने पर उनके साथ वामपंथियों द्वारा बर्बर हिंसा हुई।

सूडान से संबंधित क्या हैं भारत के व्यापारिक हित जो वहां राजनीतिक स्थिरता चाहते हैं

आज भारत समेत विश्व के अधिकांश देशों के बीच वस्तुओं के आयात-निर्यात का प्रमुख माध्यम समुद्री मार्ग है। इसलिए समुद्री मार्ग के सुरक्षित होने की महत्ता निरंतर बढ़ती जा रही है। भारत के हितों के संदर्भ में सूडान में जारी राजनीतिक घटनाक्रम को देखा जाए तो भौगोलिक रूप से वह स्वेज नहर और भूमध्य सागर एवं हिंद महासागर को जोडे के कारण भारत के व्यापार संबंधों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाने की भारत की नीति में सूडान समेत नाइजीरिया और अंगोला उसके अभिन्न अंग हैं, जिनके साथ संबंध विकसित करके ऊर्जा संपत्तियों की रक्षा पर ही केंद्रित होते हैं। हालांकि पिछले कुछ दशकों से सूडान गृह युद्ध, आतंकवाद, सामूहिक हत्याएं, विरोध-प्रदर्शन, विभाजन और तख्तापलट का गवाह रहा। मुद्रास्फीति, बेरोजगारी, और खराब आर्थिक दशा ने दिसंबर 2018 से ही सूडान में विरोध प्रदर्शनों का एक ज्वार पैदा किया। लोगों के असंतोष की शुरुआत तो आर्थिक मुद्दों को लेकर हुई थी, लेकिन इसने राष्ट्रव्यापी आंदोलन का रूप धर लिया। फिर तो राष्ट्रपति उमर अल बशीर को पद से हटाए जाने एवं देश की राजनीतिक संरचना को दोबारा से गठित करने की मांग जोर-शोर से एकाधिकार के एक अवसर के रूप में देखा। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बने प्रबल दबाव ने सेना को नागरिक और विद्रोहियों के गठबंधन फोर्सेस आफ फ्रीडम एंड चेंज (एफएफसी) को सत्ता में हिस्सा देने के लिए सहमत होने पर मजबूर कर दिया। इसी आलोक में सेना, राजनेताओं और तकनीकी विशेषज्ञों को मिला कर एक सरकार बनाई गई ताकि 2023 में होने वाले चुनावों के बाद लोकतांत्रिक सरकार का गठन किया जा सके। इस सरकार ने देश में छाए आर्थिक संकट को दूर करने के लिए मुद्रा का अवमूल्यन करने सहित कई उपाय किए। इन सबके बावजूद

उस लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। इस संबंध में उल्लेखनीय यह भी है कि सूडान को भारत ने राजनीतिक और राजनयिक समर्थन दिया है, जिससे उसे ऊर्जा क्षेत्र में विशेष रूप से महत्वपूर्ण पैठ बनाने की इजाजत मिली है। भारत को सूडान ने अपने प्रति पश्चिमी अलगाव और चीन के बढ़ते प्रभुत्व से उबरने के लिए एक महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में देखा है। इन घटनाक्रमों के मद्देनजर भारत ने भी सतर्क रुख बनाए रखा है और उसके सार्वजनिक बयान भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और भारतीय रणनीतिक निवेश और उठने लगी। अप्रैल 2019 में सेना ने अल-बशीर को गिरफ्तार कर लिया। इस घटना ने लोगों के मन में सूडान के लोकतांत्रिक एवं समृद्ध भविष्य के लिए एक उम्मीद जगा दी। हालांकि 2019 में हुई राजनीतिक संक्रमण की प्रकिया न केवल नागरिक और सेना के बीच, बल्कि कई राजनीतिक किरदारों, पार्टियों और सशस्त्र विद्रोही समूहों के बीच प्रतिस्पर्धा से घिरी हुई है, जो खुद को नई राजनीतिक-सैन्य व्यवस्था के भीतर स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं। सूडानी सेना ने अल-बशीर के निष्कासन को राजनीतिक सत्ता पर खुद के देश की आर्थिक स्थिति नाजुक ही बनी रही, जो 2020 में कोविड संक्रमण से और 2021 में बाढ़ से बुरी तरह तबाह हो गई। इन आपदाओं से नागरिकों को अल्पकालिक आर्थिक राहत प्रदान करने में शासन के विफल रहने, राजनीतिक संस्थानों के सुधार में देरी करने और 2019 में शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों की हत्या किए जाने सहित सुरक्षा बलों द्वारा किए गए दुर्व्यवहारों के मामलों में न्याय दिलाने में विलंब के लिए संक्रमणकालीन सरकार को जबरदस्त आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। इस संक्रमण काल के दौरान ही देश के विभिन्न हिस्सों में राजनीतिक और सुरक्षा अस्थिरता का दौर जारी है। सूडान की सेना डीप स्टेट का एक अभिन्न अंग है, जिसका बड़ी संख्या में उद्यमों एवं व्यापार नेटवर्क पर अपना दखल है। सेना लोकतांत्रिक परिवर्तन को लेकर काफी सतर्क है, जिसकी जिम्मेदारी का दायरा काफी विस्तृत हो सकता है। संक्रमणकालीन सरकार की विफलताओं के बाद लोगों का उससे मोहभंग हो गया। 16 अक्टूबर को सेना के कुछ समर्थक या उसके प्रति सहानुभूति रखने वाले कुछ लोगों जिनमें कुछ असैन्य नेताओं और विद्रोही नेता भी शामिल थे, उन सबने सूडान में सैन्य शासन का आह्वान किया। इसके बाद से सैन्य शासन के पक्ष और विपक्ष में राष्ट्रव्यापी सार्वजनिक प्रदर्शनों ने देश के विभिन्न हिस्सों में बवाल कर दिया, जो वर्तमान में भी जारी है। सूडान के नागरिक आंदोलनों के इतिहास को देखते हुए इस बात की संभावना अधिक है कि राजनीतिक-आर्थिक मामलों में सेना की भूमिका को सीमित करने के लिए जनता का दबाव आने वाले दिनों में और भी सघन होगा। ऐसे में सेना अपने राजनीतिक और वित्तीय हितों की रक्षा के प्रयासों पर फोकस करेगी। इसलिए आने वाले महीनों में राजनीतिक व्यवस्था पर दखल रखने और उसे व्यवस्थित करने में सेना की अहमियत जताने के लिए सुरक्षा संबंधी घटनाओं और नागरिक-सैन्य टकरावों की संभावना काफी अधिक है।इसलिए निकट भविष्य में, सूडान में राजनीतिक अनिश्चितता बनी रहने की संभावना है, जो उसके परिकल्पित लोकतंत्र के मार्ग को अवरुद्ध करेगी। फिलहाल भारत ने सूडान के संदर्भ में घटनाक्रम पर नजर रखते हुए इंतजार करने की नीति अपना रखी है। वैसे भारत को इन सबके बीच वहां पर क्षमता निर्माण की परियोजनाओं को जारी रखना चाहिए। साथ ही सूडान के लोगों की मदद करने के लिए खाद्य आपूर्ति और अन्य आवश्यक वस्तुएं प्रदान करनी चाहिए तथा वहां सद्भावना कायम करने वाले उपायों को बढ़ावा देना चाहिए।

हिजाब पर विवाद को लेकर फिर से उठा इस्लामी जगत में सुधार का सवाल

क्या लगभग डेढ़ सदी प्राचीन इस्लाम में सामाजिक सुधार संभव है यह सवाल बार-बार उठता रहा है और कर्नाटक के हिजाब विवाद के चलते फिर से उठा है। मुस्लिम समाज का एक वर्ग महसूस करता है कि ऐसा मुमकिन नहीं है। ऐसा मानने वाले कुछ लोग इस्लाम छोड़ रहे हैं और खुद को 'एक्स मुस्लिम' घोषित कर रहे हैं। ऐसे मुस्लिम भारत में भी हैं। पिछले महीने ही इस्लाम छोड़ने वाले कुछ मुसलमानों ने 'केरल के पूर्व मुस्लिम' नामक एक संगठन बनाया है। देश में सार्वजनिक तौर पर ऐसा पहली बार हुआ। इस संगठन का उद्देश्य अपना मजहब त्यागने वाले मुस्लिमों को आर्थिक एवं भावनात्मक सहायता देना है। परिवर्तन एक सार्वभौमिक-सतत प्रक्रिया है, जिसमें किसी भी समाज में कालबाह्य हो चुकी परंपराओं-प्रथाओं को छोड़कर आगे बढ़ने का मानस होता है। किसी भी समाज में सुधार की संभावना इस बात पर निर्भर करती है कि संबंधित दर्शन-मजहब आत्मसुधार तंत्र के प्रति कितना सहनशील है मुहम्मद साहब को 610 में दैवीय ज्ञान प्राप्त होने के बाद हुआ। 632 में उनके न रहने के बाद उनके अनुचरों द्वारा इस ज्ञान को पवित्र कुरान के रूप में कलमबद्ध किया गया। चूंकि यह कार्य अरब में हुआ इसलिए मुस्लिम समाज की कई परंपराएं वहां के भूगोल और उसकी तत्कालीन संस्कृति से प्रभावित हैं। समय बीत जाने के बाद कई ऐसी परंपराएं आधुनिक जीवनशैली और मूल्यों से मेल नहीं खातीं। बहु-पत्नी चलन, तीन-तलाक, हिजाब-बुर्का आदि ऐसी ही प्रथाएं है। इन पर भारतीय मुस्लिम समाज ने न कभी गंभीर चर्चा की और न ही सुधार का कोई ठोस प्रयास। इसके विपरीत इन प्रथाओं को प्रोत्साहन दिया। इसी कारण देश के उन हिस्सों में भी हिजाब-बुर्का आदि का चलन बढ़ा है, जहां पहले नहीं था। इसकी तुलना में अन्य मतावलंबियों ने अपनी परंपराओं में समयानुकूल व्यापक स्वतः परिवर्तन किए या फिर उन्हें समाप्त कर दिया गया। आज सती प्रथा कोई मुद्दा नहीं। घूंघट प्रथा नगण्य है, कन्या-भ्रूण हत्या पर कानूनी रोक है तो दहेज और बाल विवाह के प्रति समाज जागरूक हो रहा है। इससे महिलाओं को आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं। हिंदू समाज सदियों से अस्पृश्यता से अभिशप्त रहा है, जिसके परिमार्जन हेतु समाज के भीतर से स्वर उठे। यह सिख गुरुओं की परंपरा से लेकर स्वामी विवेकानंद, दयानंद सरस्वती,

गांधीजी, आंबेडकर आदि के सतत प्रयासों का परिणाम है कि देश में आरक्षण-व्यवस्था लागू है और बौद्धिक स्तर पर छुआछूत का कोई भी समर्थन नहीं करता। यह सच है कि हिंदू समाज में अभी भी धरातल पर सामाजिक समरसता और समता अपूर्ण हैं, ंकतु संतोष है कि इस दिशा में सुधार के प्रयास जारी हैं। इसके विपरीत मुस्लिम समाज में समयोचित बदलाव का अभाव है। यह स्थिति तब है, जब अन्य घोषित मुस्लिम देशों के साथ इस्लाम के जन्मस्थान सऊदी अरब के शाही परिवार, जिन्हें मक्का मदीना का संरक्षक कहा जाता है, ने 'विजन 2030' नीति के अंतर्गत हाल के वर्षों में कई सामाजिक सुधार किए है। सऊदी शासन की ओर से तब्लीगी जमात पर प्रतिबंध लगाने, सिनेमाघरों पर दशकों से लगे प्रतिबंध हटाने, महिलाओं को वाहन चलाने और मक्का की तीर्थयात्रा सहित उन्हें अकेले यात्रा करने की अनुमति देने जैसे कई निर्णय लिए गए हैं। इन सुधारों का वैश्विक मुस्लिम समाज के भीतर से विरोध भी हो रहा है। इसका एक बड़ा कारण सऊदी अरब की ओर से सदियों से इस्लाम के कठोर स्वरूप वहाबवाद का प्रचार-प्रसार करना रहा। इसे सऊदी अरब का दोहरा मापदंड ही कहेंगे कि एक ओर वह अपने समाज में सुधारों का नेतृत्व कर रहा है, तो दूसरी तरफ उस मदरसा शिक्षा पद्धति का मुख्य वित्तीय स्रोत भी बना हुआ है, जो संकुचित मानसिकता का निर्माण करती है। मध्यकालीन तालीम के चलते ही तालिबान सहित कई आतंकी संगठनों का जन्म हुआ है। काफिर-कुफ्र में पगी मजहबी खुराक का असर इतना गहरा होता है कि आधुनिक शिक्षा का भी उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। सिविल इंजीनियर ओसामा बिन लादेन, न्यूरोसाइंस विशेषज्ञ आफिया सिद्दीकी, सर्जन अल जवाहिरी, पीएचडी अल बगदादी और लेक्चरर हाफिज सईद जैसे जिहादी इसके प्रमाण हैं। इस्लाम छोड़ने वाले मुसलमानों को जो बात सर्वाधिक खटकती है, वह काफिर-कुफ्र अवधारणा ही है, जिसमें गैर-मुस्लिमों और उनकी संस्कृति-परंपरा के प्रति न केवल घृणा का भाव है अपितु उन्हें मिटाने का मजहबी निश्चय भी। विवेकवान मुस्लिमों को यह प्रशन परेशान करता है कि यदि इस्लाम शांति-भाईचारे और क्षमा-दया भाव युक्त मजहब है, तो काफिरों और शिर्क करने यानी अल्लाह के साथ अन्य देवा देवताओं को मानने वालों के प्रति इतना शत्रुभाव क्यों? हाल के समय में विश्व 9/11 आतंकी हमले सहित दर्जनों जिहादी घटनाओं से रूबरू हुआ है ंकतु भारत इसका दंश तब से झेल रहा है, जब 711-12 में मुहम्मद बिन कासिम ने सिंध पर हमला करके जिहाद का सूत्रपात किया। इसके तीन सदी बाद महमूद गजनी ने भारत पर एक दर्जन से अधिक बार हमला करके सोमनाथ सहित असंख्य मंदिरों को ध्वस्त किया। इसी कारण वह अपने अनुचरों के बीच मूर्तिभंजक कहलाया। इसके बाद गोरी, खिलजी, तुगलक बाबर आदि ने भी काफिर-कुफ्र चिंतन से प्रेरित होकर यहां की बहुलतावादी सनातन संस्कृति के प्रतीकों को ध्वस्त किया और लाखों निरपराधों को या तो मौत के घाट उतारा या फिर उन्हें तलवार के बल पर इस्लाम अंगीकार करने हेतु विवश किया। इसी विभाजनकारी मजहबी चिंतन का मूर्त रूप पाकिस्तान है। भारतीय उपमहाद्वीप में मुस्लिम समाज का एक बड़ा वर्ग आज भी इन आक्रांताओं को अपना नायक मानता है। इस कारण भी कई मुस्लिम इस्लाम से विमुख हो रहे हैं। हाल में वसीम रिजवी के बाद मलयाली फिल्मों के निर्देशक अली अकबर ने इस्लाम का त्याग किया है क्या देश के मुसलमान आत्मचिंतन कर अपनी परंपराओं में सुधार किए बिना देश की प्रगति में शेष भारतीयों की भांति कंधे से कंधा मिलाकर योगदान दे सकते हैं यह सब तभी संभव होगा, जब भारतीय मुस्लिम समाज में भीतर से कालबाह्य रिवायतों को तोड़कर आगे बढ़ने का जज्बा पैदा होगा। यदि ऐसा नहीं होगा तो शायद तर्कशील और विवेकवान मुस्लिम इसी तरह इस्लाम से नाता तोड़ते रहेंगे।

बुलेट ट्रेन से सफर को हो जाइए तैयार, इन 7 रूटों पर तूफानी रफ्तार से कराएगी यात्रा

नई दिल्ली। से सफर को हो जाइए तैयार। क्योंकि रेल मंत्रालय ने 7 हाई स्पीड रेल (बुलेट ट्रेन) कॉरिडोर-दिल्ली-वाराणसी, मुंबई-नागपुर, दिल्ली-अहमदाबाद, मुंबई-हैदराबाद, चेन्नेई बेंगलुरु-मैसूर, वाराणसी-हावड़ा और दिल्ली-अमृतसर के लिए सर्वेक्षण करने और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने का निर्णय लिया है। राज्यसभा में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा दी कि मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना के लिए अब तक गुजरात में 954.28 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया गया है उन्होंने कहा कि देश में बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट पर चल रहे काम पर अपडेट है। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को संसद में स्वीकार किया कि मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना (बुलेट ट्रेन) के अमल में आने में फिलहाल थोड़ी देरी हुई है। खास तौर पर महाराष्ट्र में जमीन अधिग्रहण में देरी और फिर ठेकों को आखिरी रूप देने सहित कई दूसरी वजहों से इसमें देर हुई है। रेल मंत्री ने कहा कि खास तौर पर महाराष्ट्र में भूमि अधिग्रहण में देरी तत्पश्चात ठेकों को आखिरी रूप देने में देरी और कोविड-19 के प्रतिकूल प्रभाव से मुंबई अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना के अमल में आने में देरी हुई। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना के लिए अभी तक गुजरात में 954.28 हेक्टेयर में 941.13 हेक्टेयर यानी 98.62 प्रतिशत भूमि का अधिग्रहण किया गया है जबकि दादर और नागर हवेली में 7.90 हेक्टेयर (100 प्रतिशत) भूमि का अधिग्रहण हो चुका है। महाराष्ट्र में 433.82 हेक्टेयर में से 247.01 हेक्टेयर भूमि का ही अधिग्रहण हो सका है जो 56.39 प्रतिशत है। गौरतलब है कि मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर पर बुलेट ट्रेन 320 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड से 508 किलोमीटर और 12 स्टेशनों की दूरी तय करेंगी। वहीं पीक आवर्स में 20 मिनट और नॉन-पीक आवर्स में 30 मिनट की फ्रीक्वेंसी के साथ हर रोज एक दिशा में 35 ट्रेनें होंगी। लिमिटेड स्टॉप (सूरत और वडोदरा में) के साथ ट्रेन इस दूरी को 1 घंटे और 58 मिनट में तय करेगी। बाकी सभी स्टॉप के साथ 2 घंटे 57 मिनट लगेंगे। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर का ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर साबरमती में होगा। रेल मंत्री के अनुसार देश में बुलटे ट्रेनों के लिए 7 रूट तय हैं। इनमें मुंबई-अहमदाबाद के साथ ही दिल्ली-नोएडा-आगरा-लखनऊ-वाराणसी (865 किलोमीटर) और दिल्ली-जयपुर-उदयपुर-अहमदाबाद (886 किलोमीटर), मुंबई-नासिक-नागपुर (753 किलोमीटर), मुंबई-पुणे-हैदराबाद , (711 किलोमीटर), चेन्नै-बेंगलुरु-मैसूर, (435 किलोमीटर) और दिल्ली-चंडीगढ़-लुधियाना-जालंधर-अमृतसर (459 किलोमीटर) शामिल होंगे।

प्रेमनगर क्षेत्र में वर्षो से नहीं हुआ कोई विकास: धीरेन्द्र माहौर

(आधुनिक समाचार सेवा)
अतुल वर्मा

झाँसी। राष्ट्रीय सर्वजन पार्टी द्वारा विधानसभा चुनाव को लेकर प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया वार्ता के दौरान झाँसी सदर प्रत्याशी धीरेंद्र कुमार माहौर ने बताया कि मेरा चुनाव लड़ने का मकसद सिर्फ इतना है कि मैं गरीबों के लिए हमेशा सदा खड़ा रहूं गरीबों पर जो अत्याचार हो रहा है उनकी कोई सुनवाई नहीं करता एवं विकास कार्य पिछले कई सालों से झाँसी में नहीं हुआ उस विकास कार्य को आगे बढ़ाकर झाँसी को ऊंचाइयों तक पहुंचा दूंगा जिसकी झाँसी की जनता कल्पना करती है साथ ही साथ झाँसी रेलवे स्टेशन के नाम का परिवर्तन सरकार द्वारा किया गया उसका भी विरोध किया झाँसी की एक पूरे विश्व में पहचान है सरकार ने नाम बदलकर मानो झाँसी की पहचान छीन ली हो इसका भी मैं खंडन करता हूँ अगर नाम ही बदलना है तो स्टेशन का नाम झांसी के साथ जरूर जोड़ना चाहिए साथ ही साथ यह भी बोला कि पिछली कई सरकार आई और चली गई हमारे प्रेम नगर क्षेत्र का किसी तरीके का कोई विकास नहीं किया गया ना इस क्षेत्र में सार्वजनिक शौचालय है ना ही स्वास्थ्य व्यवस्था ठीक है और इलेक्ट्रिक बस का भी आरंभ नगरा क्षेत्र के लिए नहीं किया गया इस पर भी चिंता जताई बात करते हुए धीरेंद्र माहोर ने बताया कि अगर जनता मुझे जीत दिलाती है तो मैं जनता के लिए और मेरा दरवाजा हमेशा जनता के लिए खुला रहेगा प्रेस वार्ता के दौरान बाकी कई आदि चीजों का जिक्र किया प्रेस वार्ता के अंतिम शब्दों में धीरेंद्र कुमार ने साफ स्पष्ट कहा कि जनता मुझे चाहती है और जनता इस बार सही फैसला करेगी किसको चुना है

Fraud से बचने के लिए अपनाएं ये तरीका इन 5 तरह से अपने जाल में फंसा लेते हैं जालसाज

नई दिल्ली। किसी भी डिजिटल अर्थव्यवस्था में वित्तीय धोखाधड़ी आम बात है। लोगों को ऑनलाइन ठगने के लिए हर दिन हैकर्स और धोखेबाज नए तरीके खोज रहे हैं। अपने ऑनलाइन लेनदेन को सुरक्षित रखने के लिए आपको भी सावधान रहने की जरूरत है और अपने पैसे को बचाने के लिए कुछ सुरक्षित कदम उठाने होंगे। वित्तीय धोखाधड़ी से सुरक्षित रहने के लिए ये पांच बातें आपके काम की हैं। जब वित्तीय धोखाधड़ी से सुरक्षा की बात आती है, तो संदेह आपके बचाव की पहली पंक्ति के रूप में काम कर सकता है। यदि आपको किसी अनजान व्यक्ति का फोन आता है जो आपको एक बेहतर सौदे की पेशकश करता है या आपकी व्यक्तिगत जानकारी मांगता है, तो कुछ भी साझा करने से पहले उसकी पहचान सत्यापित कर लें। यदि व्यक्ति आपकी शंकाओं को दूर करने में असमर्थ है और अपने जवाब के माध्यम से जल्दबाजी करता है, तो यह आपके लिए खतरे की घंटी है। आप नंबर को ब्लॉक कर सकते हैं और यदि आवश्यक हो, तो आप निकटतम पुलिस स्टेशन को उनकी आर्थिक और साइबर अपराध शाखा में रिपोर्ट कर सकते हैं। भीड़-भाड़ वाली जगहों के एटीएम सबसे सुरक्षित होते हैं। एटीएम का उपयोग करते समय, मशीन में किसी असामान्य गतिविधि की जांच करें, जैसे कैमरा या स्किमिंग डिवाइस। पिन कॉपी करने के लिए आमतौर पर छिपे हुए कैमरे कीपैड के ठीक ऊपर लगाए जाते हैं। पिन डालते समय आपको अपनी अंगुली छिपानी होगी। कार्ड क्लोनिंग एक ऐसा जरिया है जिसके जरिए लोगों को ठगा जा रहा है। जालसाज एटीएम स्लॉट में स्किमिंग डिवाइस लगाते हैं। ये आपके कार्ड डेटा की प्रतिलिपि बनाते हैं जिसका उपयोग अनधिकृत लेनदेन करने के लिए आपके कार्ड के क्लोन बनाने के लिए किया जा सकता है। अपने ऑनलाइन क्रेडेंशियल्स जैसे कि आपका यूजर नेम, पासवर्ड, आदि सेफ रखें। आपका पासवर्ड मूल रूप से आपके पैसे की चाबी है, और आप इसे गलत तरीके से संभालने या खोने का जोखिम नहीं उठा सकते हैं। क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, ऑनलाइन बैंकिंग और यूपीआई ऐप्स आपको ऑफ़लाइन या ऑनलाइन खरीदारी करते समय तत्काल भुगतान करने की अनुमति देते हैं। जो लोग अपने संवेदनशील डेटा को ऑनलाइन हैंडल नहीं करते हैं, वे स्कैमर्स के आसान लक्ष्य बन जाते हैं। वित्तीय धोखाधड़ी के अधिकांश मामलों में यूजर्स स्वयं लॉगिन आईडी, पासवर्ड या लेनदेन पिन का खुलासा कर्र देते हैं। जब भी आपको किसी बैंक अधिकारी, निवेश सलाहकार, या भुगतान ऐप कंपनी से कॉल आता है, तो आपको अपनी महत्वपूर्ण जानकारी जैसे पूरा नाम पिता या माता का नाम, पता, बैंक खाता संख्या या ग्राहक आईडी पासवर्ड, पिन नहीं बताना चाहिए। कभी भी अपना लेनदेन साझा न करें या ओटीपी लॉगिन न करें। जालसाज उनका उपयोग आपके खातों तक पहुंच सकते हैं और अपने स्वयं के बैंक खातों में पैसे ट्रांसफर करने के लिए कर सकते हैं। ओटीपी को सुरक्षित रखकर ऐसे मामलों से आसानी से बचा जा सकता है। आपके बैंक खाते से आपका डेटा और पैसा चुराने के लिए स्पाइवेयर या हैकिंग सॉफ्टवेयर इंस्टॉल किया जा सकता है।

चीन ने दी कोविड -19 की दवा पैक्सलोविड को सशर्त मंजूरी, अधिकारियों ने कहा- दवा पर और शोध किए जाने की आवश्यकता

बीजिंग। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस से पूरी दुनिया लड़ रही है। वायरस से लड़ने के लिए कोविड-19 टीकाकरण, महामारी ग्रस्त देशों का हथियार बना हुआ है। दुनिया भर में कोविड-19 टीकाकरण का अभियान तेजी से चलाया जा रहा है। बच्चे, बूढ़े, जवान हर वर्ग को वायरस के प्रकोप से बचने के लिए टीकाकरण दिया जा रहा है। इस बीच चीन एक बड़ी घोषणा की। चीन का कहना है कि उसने की कोविड -19 दवा पैक्सलोविड को हल्के से मध्यम बीमारी और गंभीर बीमारी के उच्च जोखिम वाले वयस्कों के इलाज के लिए 'सशर्त' मंजूरी दी थी। लेकिन अभी अधिकारियों ने कहा कि दवा पर और शोध किए जाने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय चिकित्सा उत्पाद प्रशासन ने शनिवार को अपनी वेबसाइट पर एक बयान में कहा, पैक्सलोविड के आयात पंजीकरण को 11 फरवरी को मंजूरी दी गई थी । बयान के अनुसार, चीनी नियामक को प्रासंगिक शोध कार्य जारी रखने की आवश्यकता बताया गया। चीन के राष्ट्रीय चिकित्सा उत्पाद प्रशासन ने शनिवार को कहा कि दवा पर और शोध किए जाने की जरूरत है और इसे नियामक (रेगुलेटर) को सौंपना होगा। आपको बता दें कि कोविड-19 दवा को अब तक संयुक्त राज्य अमेरिका और इज़राइल सहित लगभग 40 देशों में अधिकृत किया जा चुका है। वहीं यूरोपीय संघ ने सदस्य राज्यों को औपचारिक अनुमोदन से पहले इसे तेजी से फैलने वाले ओमिक्रोन वैरिएंट के खिलाफ एक आपातकालीन उपाय के रूप में उपयोग करने की अनुमति दी है। फाइजर और बायोएनटेक द्वारा सह विकसित एमआरएनए कोविड वैक्सीन, जिसे शंघाई फोसुन फार्मास्युटिकल ग्रुप कंपनी ने ग्रेटर चीन क्षेत्र के लिए अधिकार प्राप्त किया था, को अभी तक देश में अनुमोदित नहीं किया गया है। इस सप्ताह की शुरुआत में फाइजर, जिसका वैक्सीन जर्मनी के बायोएनटेक के साथ विकसित हुआ था, को अमेरिका में पहली बार अनुमोदित किया गया था, 2022 में इसके कोरोनावायरस जैब और चिकित्सीय उपचार के लिए 50 बिलियन से अधिक की बिक्री का अनुमान लगाया गया था।

सीएम योगी के 'यूपी केरल बन जाएगा' बयान का समर्थन, कहा- कई मामलों में बिहार से भी पीछे है केरल

कोच्चि। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ द्वारा केरल पर दिए बयान को लेकर भाजपा ने उनका समर्थन किया है। केरल भाजपा के उपाध्यक्ष केएस राधाकृष्णन सीएम योगी की टिप्पणी के समर्थन में आए। उन्होंने कहा कि केरल में प्रति व्यक्ति शराब की खपत और अपराध दर दूसरों राज्यों के मुकाबले सबसे अधिक है। बता दें कि सीएम योगी ने हाल ही में मतदाताओं को संदेश देते हुए आगाह किया कि अगर उन्होंने गलती की तो उत्तर प्रदेश जल्द, 'कश्मीर, बंगाल या केरल' बन सकता है। राधाकृष्णन ने एजेंसी से बात करते हुए कहा, 'मुझे योगी आदित्यनाथ के बयान में कुछ गलत नहीं लगता। उन्होंने कहा कि उसका मतलब है कि यूपी के मतदाताओं को बंगाल को नष्ट करने वाले कुछ समूहों की उपस्थिति से बचने के लिए अपने मताधिकार का इस्तेमाल समझदारी से करना चाहिए। आप जानिए कश्मीर में क्या होता है और आप जानते हैं कि बंगाल में क्या हुआ और ममता बनर्जी के शासन में अब क्या हो रहा है। राधाकृष्णन ने आगे कहा, 'मुद्दा यह है कि सीएम पिनाराई विजयन और कांग्रेस नेता राहुल गांधी दोनों मानते हैं कि केरल सर्वश्रेष्ठ में से है और इसका माडल पूरी दुनिया के सामने पेश किया जाना चाहिए। मैं उस राय से पूरी तरह असहमत हूं। शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण में योगदान को लेकर तथाकथित केरल माडल की सराहना की जाती है, लेकिन वास्तव में इन राजनीतिक संगठनों का क्या योगदान है इसकी शुरुआत तत्कालीन राजाओं द्वारा की गई है। उन्होंने केरल में शिक्षा प्रणाली को बढ़ाने के लिए अपना योगदान दिया है। केरल माडल पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में उच्च शिक्षा की वर्तमान स्थिति क्या है क्या इसे एक माडल के रूप में माना जा सकता है कोई भी समझदार व्यक्ति यह नहीं कहेगा कि उच्च शिक्षा की प्रणाली पूरे राज्य में एक माडल है। कई मामलों में हम बिहार से भी बहुत पीछे हैं। भाजपा नेता नेता ने दावा किया कि केरल प्रति व्यक्ति शराब की खपत में नंबर एक है। केरल दहेज के नाम पर महिलाओं को प्रताडित करने में नंबर एक है। दर्ज अपराध दरों में केरल नंबर एक पर है। उद्योग में हमारा योगदान शून्य है। हम कृषि उत्पादन नहीं बढ़ा रहे हैं। हमारे कृषि में उपस्थिति सराहनीय नहीं है। यह एक ऐसी अर्थव्यवस्था है जो मनी आर्डर सिस्टम पर निर्भर है। क्या इसे एक माडल राज्य के रूप में माना जा सकता है योगी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा था, 'सावधान रहें। अगर आप इस बार चूक गए, तो पांच साल के प्रयासों पर पानी फिर जाएगा। यूपी को कश्मीर, केरल या बंगाल बनने में देर नहीं लगेगी। यह वोट बिना किसी डर के आपके जीवन की गारंटी होगा।'

श्री रामायण यात्रा ट्रेन 22 फरवरी से शुरू करेगी सफर, जानिए क्या है रूट और टिकट की कीमत

नई दिल्ली। फिर चलने वाली है। पर्यटकों में 'देखो अपना देश' डीलक्स एसी पर्यटन ट्रेन श्री रामायण यात्रा काफी लोकप्रिय है। यह ट्रेन 22 फरवरी को दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से 20 दिनों के टूर पर रवाना होगी। फर्स्ट और सेकंड कुल 156 यात्री यात्रा कर सकेंगे। भारतीय रेलवे के उपक्रम द्वारा चलाई जाने वाली अति लोकप्रिय श्री रामायण यात्रा 22 फरवरी को दिल्ली सफदरजंग रेल्वे स्टेशन से एक बार फिर रवाना की जाएगी। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए देखो अपना देश डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन प्रभु श्रीराम से जुड़े सभी महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों का भ्रमण और दर्शन कराएगी। पूर्व में भी यह यात्रा आयोजित की गई थी, जिसका पर्यटकों ने अभूतपूर्व उत्साह दिखाया था। अब एक बार फिर आधुनिक साज-सज्जा के साथ तैयार वातानुकूलित पर्यटक ट्रेन, इस अनूठी यात्रा के लिए चलाई जा रही है। इस बार की यात्रा में 3 अन्य महत्वपूर्ण स्थल- बक्सर, कांचीपुरम और भद्राचलम को भी शामिल किया गया है। यात्रा पूरी होने में कुल 20 दिन लगेंगे। यात्रा का पहला पड़ाव प्रभु राम का जन्म स्थान अयोध्या होगा, जहां राम जन्मभूमि मंदिर, हनुमान मंदिर और नंदीग्राम में भरत मंदिर का दर्शन कराया जाएगा। अयोध्या से रवाना होकर यह ट्रेन सीतामढ़ी जाएगी, जो जानकी का जन्म स्थान है। इसके बाद नेपाल के जनकपुर स्थित राम जानकी मंदिर के दर्शन किए जा सकेंगे। यात्रा पूरी होने में कुल 20 दिन लगेंगे। यात्रा का पहला पड़ाव प्रभु राम का जन्म स्थान अयोध्या होगा, जहां राम जन्मभूमि मंदिर, हनुमान मंदिर और नंदीग्राम में भरत मंदिर का दर्शन कराया जाएगा। अयोध्या से रवाना होकर यह ट्रेन सीतामढ़ी जाएगी, जो जानकी का जन्म स्थान है। इसके बाद नेपाल के जनकपुर स्थित राम जानकी मंदिर के दर्शन किए जा सकेंगे। ट्रेन का अगला पड़ाव बक्सर होगा, जहां रामरेखा घाट और पुरातन मंदिरों के भ्रमण के बाद पर्यटकों को बसों से काशी लाया जाएगा। भगवान शिव की नगरी काशी में पर्यटक काशी के प्रसिद्ध मंदिरों का भ्रमण करेंगे। काशी सहित सीता समाहित स्थल, प्रयाग, श्रृंगवेरपुर और चित्रकूट की यात्रा बसों से कराई जाएगी। इस दौरान काशी, प्रयाग और चित्रकूट में रात्रि विश्राम होगा। चित्रकूट से चलकर यह ट्रेन नासिक पहुंचेगी। जहां पंचवटी और त्रयंबकेश्वर मंदिर का भ्रमण किया जा सकेगा। नासिक के पश्चात प्राचीन किष्किंधा नगरी हंपी इस ट्रेन का अगला पड़ाव होगा, जहां अंजनी पर्वत स्थित हनुमान जन्म स्थल और अन्य महत्वपूर्ण धार्मिक व विरासत मंदिरों का दर्शन कराया जाएगा। हम्पी के बाद ट्रेन रामेश्वरम पहुंचेगी। रामेश्वरम में पर्यटकों को प्राचीन शिव

नोएडा में डायनासोर प्रदर्शनी 27 मई को

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। सेक्टर-62 स्थित एक्सपो सेंटर में 27 मई को आयोजित होने वाली डायनासोर प्रदर्शनी लोगों के आकर्षण का केन्द्र साबित होगी। इस प्रदर्शनी का आयोजन अफ्रीका की डिनो एक्सपो द्वारा किया जा रहा है। भारत में डायनोसोर पर यह पहली प्रदर्शनी है। जो नोएडा में आयोजित की जा रही है। आज सेक्टर-33ए स्थित शिल्प हाट में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान एक्सपो सेंटर के निदेशक जय मनीष शर्मा ने यह जानकारी दी। पत्रकार वार्ता में आयोजन कमेटी की मुखिया रंजना चितकारा व चारू वार्ष्णेय ने बताया कि यह प्रदर्शनी 26 जून तक चलेगी। इस प्रदर्शनी में विभिन्न प्रकार की आदमकद डायनासोर की प्रजातियों का प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके लिए जहां पर आम लोगों के लिए टिकट की व्यवस्था रहेगी। वहीं दिल्ली तथा एनसीआर के पब्लिक स्कूलों में छात्रों को मुफ्त टिकट की सुविधा प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी लोगों के आकर्षण का केंद्र साबित होगी वही डायनासोर के बारे में लोगों को विभिन्न तरह की जानकारियां भी उपलब्ध कराएगी इस मौके पर डिनो एक्सपो के चेयरमैन डेविड हून ने भी अफ्रीका से ऑनलाइन पत्रकारवार्ता में शिरकत की।

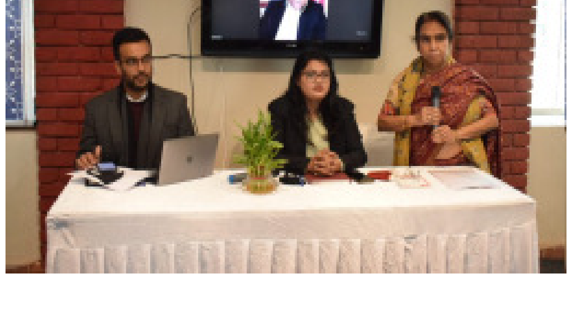

साप्ताहिक राशिफल

मेष- आर्थिक मामले सुलझ जाएंगे। दाम्पत्य जीवन सुखद हो सकता है। आप समझौते और विनम्रता से उलझे हुए मामले निपटा सकते हैं।

वृष- काम में आपका मन नहीं लगेगा। बिजनेस में नए एग्रीमेंट अभी न करें तो ही अच्छा है। सेहत के मामले में सप्ताह ठीक-ठाक रहेगा।

मिथुन-बिजनेस में कुछ नया करने के चक्कर में आपकी परेशानी बढ़ सकती है। मन में जो उठापटक चल रही है उस वजह से काम में कहीं मन नहीं लगेगा।

कर्क- नौकरी और बिजनेस में अचानक फैसले लेने पड़ेंगे। नुकसान भी हो सकता है। किसी अनचाहे नुकसान के लिए तैयार रहें।

सिंह- आपके सोचे हुए कुछ काम पूरे नहीं हो पाएंगे। कई तरह के विचारों में आप उलझ सकते हैं।

कन्या-बिजनेस में कुछ नई योजनाओं पर काम शुरू हो सकता है। पार्टनर से सहयोग और सुख मिलेगा।

तुला- सप्ताह आपके लिए अच्छा है। आप परिस्थितियों का फायदा उठाकर अपने काम पूरे कर सकते हैं।

वृश्चिक- लव लाइफ में गलतफहमियां हो सकती हैं। किसी मामल में लापरवाही न करें।

धनु -दोस्तों और भाइयों से सहयोग मिलेगा। नए काम शुरू होंगे और सोचे हुए काम भी पूरे होंगे।

मकर-किसी नकारात्मक मामले में फंसे तो आप कोई महत्वपूर्ण मौका भी गंवा सकते हैं।

कुंभ - ऑफिस में खुद को नियंत्रण में रखें। पद लाभ का योग बन रहा है। कार्यक्षेत्र की परेशानियां खत्म हो सकती हैं।

मीन - नए काम और नई बिजनेस डील सामने आ सकती है। परेशानियों से निपटने के लिए सप्ताह अच्छा रहेगा।

पिकअप व कार की टक्कर में तीन घायल

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरी

डाला (सोनभद्र)। चोपन थाना क्षेत्र अन्तर्गत के बाग्धा नाला ओवरब्रिज पर आज शनिवार सुबह लगभग 10:30 बजे डाला के तरफ से तेज रफ्तार पिकअप ने चोपन के तरफ से आ रही इनोवा कार में मारी टक्कर जिसमें इनोवा कार सवार पति पत्नी सहित मामली रुप से तीन लोग घायल हो गए घायलो को चोपन भेज दिया गया सूचना पाकर मौके पर पहुंचे डाला चौकी इंचार्ज मनोज कुमार ठाकुर ने रोड पर लग रहे जाम को ततकाल बहाल कराया प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल डॉ अशोक जयसवाल उम्र 65 वर्ष निवासी रतनपुर बिलासपुर छत्तीसगढ़ उनकी पतने अघात उम्र 60 वर्ष जो बनारस से रतन पुर बिलासपुर जा रहे बग्धा नाला ओवर ब्रिज के पास पिकअप ने ओभर ट्रैक करने के चक्कर मे इनोवा कार में मारी टक्कर कार हुआ क्षतिग्रस्त सवार कार सवार दो लोग ओर पिकप चालक को मामूली चोट आई सभी लोग चोपन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए भेज दिया गया

ड्रमंडगंज घाटी में उजागर हो रही इंजीनियरिग खामियां

लालगंज (मीरजापुर)। यात्री व वाहन चालक कृपया सावधान हो जाएं। यह स्लोगन देश की महत्वपूर्ण फोरलेन सड़क राष्ट्रीय राजमार्ग 135 पर चलने वालों के लिए सही बैठ रही है। क्योंकि एनएचएआई की इंजीनियरिग चूक से ड्रमंडगंज घाटी मौत की घाटी में तब्दील हो चुकी है। इसकी चर्चा ड्रमंडगंज व आसपास के चट्टी चौराहे और चाय पान की दुकानों पर जोरदार हो रही है। लोकार्पित नवनिर्मित सड़क फोरलेन हनुमना बार्डर के पहले ड्रमंडगंज घाटी में इंजीनियरिग माडल पर सवाल खड़ा होने लगा है। घाटी में हो रही आए दिन दुर्घटनाएं आधुनिक इंजीनियरिग के अवधारणा की खामियों को उजागर कर रहा है। इससे गुजरने वाले वाहन चालक व यात्री भयग्रस्त रहते है। सड़क का बनाया गया माडल सुरक्षा के स्थान पर दुर्घटना को दावत दे रहा है। हाल यह है कि लंबी रूट के यात्री दुर्घटना ग्रस्त होकर मौत की मुंह में अकारण समा जा रहे है, जिसका खामियाजा परिवार को भुगतना पड़ रहा है। ग्रामीण माडल की जांच और इसमें सुधार की मांग कर रहे है। सप्ताह भर में हुए सड़क दुर्घटनाओं की जांच करा दिया जाए तो रोड की खामिया उजागर हो जाएगी। ड्रमंडगंज घाटी की सड़क का माडल वषी पुराना है। ग्रामीणों की माने तो देश की महत्वपूर्ण सड़क का रोड माडल इंजीनियरिग चूक की जांच और पुनः सड़क निर्माण आधुनिक तरीके से बनाए जाने की जरूरत है। भारी भरकम बजट खर्च होने के बाद घाटी में अकारण आए दिन लोगों का अंग भंग होकर जान जा रही है। बोले राहगीर व ग्रामीण ड्रमंडगंज पहाड़ी पर ब्रम्ह बाबा के पास से सड़क को सीधे कर ड्रमंडगंज हनुमान मंदिर तक फ्लाईओवर ब्रिज

से जोड़ दिया जाता तो घुमाव का चक्कर दूर हो जाती और मौत की घाटी न बनती। छविनाथ तिवारी ड्रमंडगंज घाटी में हो रही रोड दुर्घटना इंजीनियरिग रोड मैप पर सवाल खड़ा कर दिया है। क्योंकि घाटी की सड़क यात्रियों व वाहन चालकों के लिए जानलेवा साबित हो रही है। ड्रमंडगंज पहाड़ी की घाटी में आए दिन हो रही दुर्घटना से लोग भयभीत है। सड़क निर्माण में हुई अभियांत्रिकी चूक की लोग चर्चा कर रहे है। सड़क निर्माण के पहले सर्वे में कई तरह की हुई चूक जांच का विषय है। जितेन्द्र केशरी। ड्रमंडगंज घाटी में कराए गए फोरलेन सड़क निर्माण के पहले सर्वे में खामियां यह है कि पहाड़ी पर अधिक दूरी का चक्कर काटना पड़ रहा है। रोड मैप के समय पहाड़ी के ढलान को कम करने से दुर्घटना पर रोक लग सकती थी। राजेंद्र श्रीवास्तव। ड्रमंडगंज घाटी में सड़क पर बने तीव्र मोड़ के कारण रोड पर चलने वाले भयभीत है।

प्रशिक्षण में सात कार्मिक रहे अनुपस्थित, होगी कार्रवाई

सोनभद्र। लोढ़ी स्थित पालीटेक्निक कालेज में सोमवार को दूसरे दिन भी मतदान कार्मिकों को प्रशिक्षित किया गया। सात कार्मिक अनुपस्थित रहे। सभी अनुपस्थित कार्मिकों को नौ फरवरी को प्रशिक्षण प्राप्त करने का दूसरा मौका दिया गया है। डीएम ने चेतावनी दी कि अगर उक्त तिथि पर वह उपस्थित नहीं होते हैं तो विधिक कार्रवाई कर एफआईआर दर्ज की जाएगी। प्रशिक्षण में पहुंचे जिलाधिकारी टीके शिबू ने प्रशिक्षण प्रक्रिया का जायजा लिया। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे पीठासीन व मतदान अधिकारी प्रथम से कहा कि वह प्रशिक्षण प्रक्रिया को बेहतर ढंग से समझें, जिससे मतदान प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पडे।' कराने के लिए प्रशिक्षण बेहतर ढंग से प्राप्त करना अनिवार्य है। प्रशिक्षण के दौरान कार्मिकों को ईवीएम के बारे में बताया गया। सोमवार को अनुपस्थित सात कार्मिकों में पंकज कुमार शर्मा कैशियर आर्यावर्त बैंक, संदीप रिझारिया सहायक अध्यापक, अभिषेक कुमार सहायक अध्यापक, कृष्णकांत भारती प्रधानाध्यापक, प्रमोद कुमार चौधरी अवर अभियंता, विकास जायसवाल पीओ, नंदलाल प्रसाद वरिष्ठ सहायक रहे।

पुलिस ने की वाहनों की जांच, कई का चालान

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज कोतवाली पुलिस ने आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बुधवार को विभिन्न क्षेत्रों में वाहनों की सघन जांच की। इस दौरान पुलिस ने गैर जिलों व गैर राज्यों के वाहनों की विशेष रूप से तलाशी ली। जांच में पुलिस ने दर्जनों वाहनों से ब्लू फिल्म उतरवा दिये। दो दर्जन से उपर वाहनों के चालान भी काटे गए। बुधवार को पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर आगामी विधानसभा चुनाव को मद्देनजर रखते हुए कोतवाली प्रभारी एसएन मिश्रा व चौकी प्रभारी संजय सिंह ने वाहनों की जांच अभियान चलाया। इस दौरान दर्जनों वाहनों की जांच की गई। कई वाहनों से ब्लू फिल्म उतारे गए तो कई के चालान काटे गए। पुलिस ने गाड़ियों के अंदर बैग में रखे सामानों के साथ ही कार, बाइक की डिग्गी की तलाशी ली। गुरुवार की सुबह करीब नौ बजे दुर्घटना हुई। विढमगंज थाना पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है। हादसे की जानकारी मृतक के स्वजन को दे दी है। झारखंड के रांची के रातू सीआईडी कालोनी निवासी मिथिलेश चोपन रेलखंड के शक्तिनगर में सहायक लोको पायलट के पद पर तैनात थे। 13 फरवरी को उसका तिलक होने वाला था। इसका निमंत्रण लेकर वह चोपन गए थे। वहां से सुबह नई बुलेट लेकर वह अपने गांव रातू रांची जाने के लिए निकले थे विढमगंज थाना क्षेत्र के घिबही रेघडा मंदिर के पास गुरुवार की सुबह करीब नौ बजे बुलेट अनियंत्रित हो गई और सड़क के किनारे पेड़ से टकरा गई। वाहन की रफ्तार इतनी तेज थी कि पेड़ से लड़ते ही मिथिलेश की मौके पर ही मौत हो गई। घटना देख आसपास के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए। लोगों ने पुलिस को मामले की जानकारी दी। मौके पर पहुंची विढमगंज थाना पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में ले लिया। उसके पास से मिले आई कार्ड के आधार पर युवक की पहचान मिथिलेश कुमार के रूप में हुई। वह रेलवे में सहायक लोको पायलट के पद पर तैनात थे। पुलिस ने उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी भेज दिया। उसके निधन की खबर पर रेलवे यूनियन से जुड़े लोगों ने दुःख जताया है।

एक और कोविड संक्रमित की मौत

सोनभद्र। कोरोना संक्रमण की रफ्तार लगातार कम हो रही है। जिले में ज्यादा से ज्यादा मरीजों की जांच हो रही है लेकिन संक्रमितों की संख्या कम मिल रही है। सोमवार को 26 संक्रमित मिले जबकि मंगलवार को यह संख्या घटकर और कम हो गई। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी बुलेटिन में महज 11 संक्रमित ही मिले हैं। एक और मरीज की वाराणसी में उपचार के दौरान मौत हो गई। इस तरह कोरोना की तीसरी लहर में अब तक मृतकों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। राबर्ट्सगंज, म्योरपुर और घोरावल ब्लाक से तीन-तीन संक्रमित व चोपन तथा बभनी ब्लाक से एक-एक संक्रमित मिले हैं। इसमें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घोरावल का भी एक कर्मचारी शामिल है। उधर सोमवार को 24 नए केस मिले थे। मुख्य चिकित्साधिकारी डा. आरएस ठाकुर ने बताया कि जिले में कोरोना के सक्रिय केस घटकर 226 हो गए हैं। कोरोना की पहली और दूसरी लहर में 258 मरीजों की मौत हुई थी। तीसरी लहर में अब तक करीब 1511 केस मिल चुके हैं और चार मरीजों की मौत हुई है। कोरोना की पहली और दूसरी लहर से तीसरी लहर में मौत कम हुई हैं। सीएमओ ने कहा कि कोविड के संक्रमण को लेकर गंभीरता व जागरुकता ही इसका बचाव है। लोग घर से निकलने से पहले खुद को सैनिटाइज करें, मास्क लगाएं और दो गज दूरी का पालन करें तभी कोविड जैसे वैश्विक महामारी से निजात मिल सकती है।

कोटे की दुकान की जांच, चेतावनी

दुद्धी (सोनभद्र)। विकास खंड क्षेत्र के बीड़र गांव में मंगलवार को पहुंचे सहायक खंड विकास अधिकारी (सहकारिता) संतेश्वर राय ने कोटा दुकान के सेल्समैन की जमकर क्लास ली।ग्रामीणों ने बताया कि संबंधित विभाग की उपेक्षा से ग्रामीणों को भारी असुविधा हो रही है। एक मोटर पंप के सहारे पानी सप्लाई किया जा रहा है। कोट मुस्लिम बस्ती ऊंचाई पर होने के कारण पानी की समस्या उत्पन्न हो गई है। ग्रामीणों से अच्छा व्यवहार करने के लिए अंतिम चेतावनी देते हुए जांच आख्या आयुक्त सहकारिता को भेज दिया। बीते 24 जनवरी को ग्रामीणों ने संबंधित सेल्समैन के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए मामले की आनलाइन शिकायत आयुक्त सहकारिता से की थी। एडीओ सहकारिता ने शिकायतकर्ता विदेश कुमार, रमाकांत मौर्य आदि का बयान दर्ज करने के बाद मौके पर मिले अन्य ग्रामीणों से खाद्यान्न वितरण में आने वाली समस्याओं की जानकारी ली। ग्रामीणों ने बताया कि एक दिन अंगूठा लगाने के बाद दूसरे दिन राशन लेने के लिए बुलाया जाता है। सेल्समैन पर ग्रामीणों के साथ बदसलूकी करने का आरोप लगा। एडीओ ने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए कहा कि यदि अब कोई गड़बड़ी सेल्समैन की मिली तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अभिलेखों में टैंकर खरीद का जमीन पर नही चला पता

सोनभद्र। विकास खंड क्षेत्र के टेढ़ा ग्राम पंचायत की ओर से तीन वर्ष पूर्व कागजी अभिलेखों में खरीदे गये टैंकर का जमीनी तौर पर कोई अता-पता नहीं चला। डीपीआरओ विशाल सिंह ने बीते सप्ताह गांव का निरीक्षण किया था। इस दौरान ग्रामीणों ने टैंकर गबन के मामले को गंभीरता से लेते हुए पूर्व प्रधान एवं सचिव को तीन दिन की मोहलत देते हुए ग्राम पंचायत पर टैंकर खड़ा करने का सख्त निर्देश दिया था। इसके साथ ही एडीओ पंचायत समर बहादुर सिंह को आदेशित किया था कि तय समय तक टैंकर नहीं मिलता तो संबंधित लोगों के खिलाफ सरकारी धन गबन मामले में कोतवाली मुकदमा दर्ज कराए। पूरा सप्ताह बीतने के बावजूद न तो पंचायत भवन पर टैंकर खड़ा हुआ और न ही गबनकर्ताओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज नहीं होने पर ग्रामीणों में नाराजगी देखने को मिल रही है। शिकायतकर्ता अमरनाथ यादव ने बताया कि जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा दिया गए मोहलत के तीन दिन बाद गुरुवार तक टैंकर का कोई अता पता नहीं है। बताया कि ग्राम पंचायत द्वारा खरीदे गये दोनों टैंकर वर्तमान ग्राम प्रधान/सचिव को आज तक उपलब्ध नहीं कराया गया, जिससे गांव में पड़ने वाले मांगलिक समेत अन्य कार्यक्रमों के लिए ग्रामीणों को भाड़े पर टैंकर मंगाना पड़ रहा है। इस बाबत एडीओ पंचायत समर बहादुर सिंह ने बताया कि जिला पंचायतराज अधिकारी की ओर से कारण बताओ नोटिस जारी किया गया हैं। जिसे तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी को रिसीव करा दिया गया है। यदि टैंकर नही उपलब्ध कराया जाता है तो संबंधित के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराया जाएगा।

दो महिलाओं ने आत्महत्या का किया असफल प्रयास

दुद्धी (सोनभद्र)। बीडर व बराईडाड़ गांव में दो विवाहिताओं ने शुक्रवार को अलग-अलग तरीके से आत्महत्या करने का असफल प्रयास किया। आत्महत्या का कारण पारिवारिक कलह के रूप में सामने आया। पहली घटना शुक्रवार दोपहर तीन बजे बराईडाड़ में घटी। रीता देवी (45) पत्नी रतनेश परिवारिक कलह से ऊबकर ने घर में कृषि कार्य के लिए रखे कीटनाशक को पी लिया। थोड़ी देर बाद जब उसे उल्टी होने लगी तो बेटी साधना कुमारी ने देखा व तत्काल पड़ोसियों की मदद से अपनी मां को लेकर शाम चार बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। दूसरी घटना दुद्धी हाथीनाला मार्ग पर कस्बे से मात्र दो किलोमीटर दूर बीडर में घटी। कांति देवी (33) पतनी राम लल्लू शाम को साढ़े चार बजे घर के किसी घरेलू बात को लेकर अपने घर में ही फांसी लगा ली। तत्काल राम लल्लू की नजर उस पर गई और उसने उसे फांसी के फंदे से उतारकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पांच बजे शाम को लाकर भर्ती कराया। डा. संजीव की देखरेख में दोनों का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। अस्पताल से कोतवाली पुलिस को मेमो द्वारा दोनों घटनाओं की सूचना भेज दी गई है।

निर्वाचन से ड्यूटी कटवाने के लिए अब नहीं चलेगा बहाना

मीरजापुर। विधानसभा चुनाव ड्यूटी कटवाने के लिए अब बीमारी का बहाना नहीं चलेगा। मुख्य चिकित्साधिकारी के निर्देशन में मेडिकल टीम के सामने हाजिर होना पड़ेगा। ड्यूटी कटवाने के लिए आने वाले आवेदकों की जांच के लिए सीएमओ डा. राजीव सिंघल ने जांच टीम गठित की है। बीमारी के चलते ड्यूटी कटवाने के लिए आवेदन करने वाले कार्मिकों की विधिवत जांच के बाद रिपोर्ट के आधार पर कटेगी। चुनाव की ड्यूटी से बचने के लिए कर्मियों द्वारा बहाने बनाए जाते हैं। चुनाव में ड्यूटी न करना पड़े, इसके लिए कार्मिक प्रभारी के पास अर्जी दी जाती है। इसमें कई लोगों ने अपने को बीमार बताकर नाम कटवाने की कोशिश की जाती है। अब चिकित्सकों की टीम उनकी बीमारी का पता लगाएगी कि वास्तव में वह सही बोल रहे हैं या गलत बीमारी सही होने पर ही उनका नाम काटने पर विचार किया जाएगा। विधानसभा निर्वाचन में लगे अधिकारियों और कर्मियों के अस्वस्थता की जांच मंडलीय जिला चिकित्सालय में कमरा नंबर चार में दोपहर एक बजे से दो बजे तक किया जा रहा है। सीएमओ ने एसीएमओ डा. अरुण कुमार के निर्देशन में टीम गठित है। टीम में फिजिशियन डा. देवर्षि पाठक, आई सर्जन डा. राम विनय सिंह, आर्थो सर्जन डा. एके पांडेय और सर्जन डा. संतोष सिंह को शामिल किया गया है। जिले में 15309 पुरुष और 8499 महिला सहित कुल 23808 कार्मिक हैं। इसमें से 9072 कार्मिकों की आवश्यकता चुनाव में पड़ेगी। साथ ही 10 फीसद अर्थात 907 कर्मचारियों को रिजर्व में रखा जाएगा। इस तरह से विधानसभा चुनाव में 9979 कर्मियों की आवश्यकता पड़ेगी। विधानसभा निर्वाचन में बीमारी की जांच के लिए सीएमओ के निर्देशन में चिकित्सकों की टीम गठित की गई है। टीम की रिपोर्ट के आधार पर ड्यूटी काटने का निर्णय लिया जाएगा।

कुएं में उतराया मिला मीरजापुर के युवक का शव

घोरावल (सोनभद्र)। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के धनावल गांव में गुरुवार की सुबह एक युवक का शव कुएं में उतराया मिला। 25 वर्षीय युवक का शव गांव के एक कुएं मे सुबह किसी ग्रामीण ने देखा। शव देखे जाने से गांव में सनसनी फैल गई। भारी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कुएं से बाहर निकाला। जानकारी के मुताबिक मृत युवक मीरजापुर का निवासी है, जो अपने रिश्तेदारी में मामा के घर में रहता था। उसकी पहचान किशन (25) पुत्र स्व. लालधर निवासी मेंडहा थाना चुनार जिला मीरजापुर के रूप में हुई है। उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत को लेकर तरह-तरह के सवाल उठ रहे हैं। मृतक के रिश्तेदारों ने बताया कि युवक पिछले चार दिनों से लापता था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली निरीक्षक देवतानंद सिंह ने बताया कि मृतक किशन बीते तीन माह से अपने मामा स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के सोतिल गांव निवासी लालता पुत्र जयकरण के घर रह कर मजदूरी करता था। मृत युवक के माता-पिता नहीं है। बीते चार दिनों पूर्व से घर नहीं आया था। गुरुवार को कुएं में शव मिला। मृतक की सौतेली मां है। मामले की जानकारी मृतक के स्वजनों को दे दी गई है। घटना के कारण का पता नहीं चल सका है।

22 मार्च को लगेगा राष्ट्रीय लोक अदालत

सोनभद्र। सचिव (पूर्णकालिक) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पंकज कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) नई दिल्ली व उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 22 मार्च को होगा। इसकी अध्यक्षता अशोक कुमार यादव प्रथम अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/जनपद न्यायाधीश करेंगे। लोक अदालत सुबह 10 बजे से जिला न्यायालय, दुद्धी के प्रांगण में व राजस्व संबंधी वादों के लिए सभी राजस्व न्यायालय परिसर में आयोजित किया जाना सुनिश्चित हुआ है।

दुकान पर मटेरियल नहीं, बिल बाउचर लग जा रहा

हलिया (मीरजापुर)। विकास खंड अंतर्गत सामग्री बिल्डिंग मटेरियल का रजिस्ट्रेशन कराने के बाद दर्जनों ऐसे दुकानदार हैं, जो फर्जी बिल-बाउचर का काम कर रहे हैं। दुकान पर मटेरियल नदारद है फिर भी उनका बिल-बाउचर ग्राम पंचायतों में धड़ल्ले से लग रहा है। दुकानदारों द्वारा रजिस्ट्रेशन कराने के बाद बिना मटेरियल के बिल बाउचर लगा रहे हैं, अगर इसकी जांच की जाए तो विकास खंड अंतर्गत लगभग आधे दर्जन ऐसे सप्लायर मिलेंगे जिनके पास सामग्री हैं, शेष दर्जनों तो रजिस्ट्रेशन कराकर बिल-बाउचर लगाकर सप्लायर का कार्य कर रहे हैं। आरोप है कि कमीशन खोरी के चलते विकास खंड में सबसे घटिया किस्म के कार्य भी हो रहे हैं।

विधानसभा चुनाव में लगे 413 माइक्रो आब्जर्वर कार्यों की दी जानकारी

मीरजापुर। महुवरिया स्थित राजकीय इंटर कालेज में विधानसभा चुनाव में लगाए गए माइक्रो आब्जर्वर को प्रशिक्षण दिया गया। पहली पाली में मुख्य विकास अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस और दूसरी पाली में उप जिला निर्वाचन अधिकारी शिव प्रताप शुक्ला ने माइक्रो आब्जर्वर को प्रशिक्षण दिया। माइक्रो आब्जर्वरों को कर्तव्यों की जानकारी दी। पारदर्शी व सकुशल विधानसभा चुनाव के लिए 413 माइक्रो आब्जर्वर लगाए गए हैं। सीडीओ ने कहा कि माइक्रो आब्जर्वर की प्रेक्षक प्रतिनिधि के तौर पर मतदान केंद्र में तैनाती की जाती है। पीठासीन और सभी मतदान अधिकारियों की कार्य प्रणाली पर नजर रखता है। सभी माइक्रो आब्जर्वर निर्वाचन आयोग की गाइड लाइन के अनुसार कार्य करें। कहा कि माइक्रो आब्जर्वर चुनाव प्रक्रिया की सीधे रिपोर्ट आब्जर्वर को करेंगे। परियोजना निदेशक अनय कुमार मिश्रा, आईटीआई प्रधानाचार्य प्रमोद शाक्यवार, जिला प्रशिक्षण अधिकारी एसके सिंह, जीआइसी उप प्रधानाचार्य महेंद्र सोनकर, पालीटेकिन्क प्रवक्ता लवकेश पाल ने माइक्रो आब्जर्वर को विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया से अवगत कराया।

विधानसभा चुनाव के दिन डेढ़ घंटे पूर्व होगा माकपोल

मीरजापुर। विधानसभा चुनाव में मतदान के दिन मतदान के शुरू होने से पहले माक पोल (कृत्रिम मतदान) की प्रक्रिया सुबह साढ़े पांच बजे से शुरू होगी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर इस बार माकपोल मतदान शुरू होने से डेढ़ घंटे पहले किया जाएगा। संबंधित बूथ की पोलिग पार्टी प्रत्याशियों के एजेंट का 15 मिनट तक इंतजार करेंगी। इससे अधिक समय होने की स्थिति में किसी भी दो पार्टी के एजेंट के आने की स्थिति में माक पोल की कार्रवाई की जाएगी। विधानसभा चुनाव के दौरान माक पोल के दौरान मशीन में प्रतीकात्मक मतदान कर एजेंटों को पर्ची चेक कराई जाती है, जिससे पार्टी के एजेंटों को मशीन में डाले गए वोट के बारे में पूर्ण जानकारी मिल सके। विधानसभा चुनाव में प्रशिक्षक व आईटीआई प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार शाक्यवार ने बताया कि आयोग के इन निर्देशों के क्रम में सभी मतदान कार्मिकों को प्रशिक्षण के दौरान जानकारी दी गई है। माक पोल आरंभ करने के पहले ईवीएम की बैलेट यूनिट तथा वीवीपैट को मतदान प्रकोष्ठ में रखना होगा। ईवीएम की कंट्रोल यूनिट पीठासीन अधिकारी अथवा उस मतदान अधिकारी के टेबल पर रखना होगा, जो बैलेट यूनिट और वीवीपैट मशीन सही प्रकार से जोड़ने के बाद कंट्रोल यूनिट का इस्तेमाल करेगा। माक पोल में डाले गए मतों का अभिलेख पीठासीन अधिकारी अथवा मतदान अधिकारी को रखना होगा। माक पोल की वीवी पैट की पर्चियों को भी इनके पीछे के भाग में माक पोल पर्ची की रबर सील लगानी होगी और इन पर्चियों को मोटे काले कागज के लिफाफे में रखकर पीठासीन अधिकारी की सील से मुहरबंद कर और हस्ताक्षर कर सुरक्षित रखना होगा। चुनाव में प्रयोग होंगे 2724 ईवीएम व 2951 वीवी पै विधानसभा लिए 2724 ईवीएम व 2951 वीवी पैट प्रयोग में लाए जाएंगे। उप जिला निर्वाचन अधिकारी शिव प्रताप शुक्ला ने बताया कि विधानसभा छानबे में 560 बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट 560 एवं वीवी पैट 606 लगेगा। इसी प्रकार विधानसभा मीरजापुर में 542 बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट 542 एवं वीवी पैट 587, विधानसभा मझवा में 567 बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट 567 एवं वीवी पैट 614, विधानसभा चुनार में 521 बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट 521 एवं वीवी पैट 565 एवं विधानसभा मतदेय स्थलों पर प्रयोग में लाया जाएगा।

स्वर्ण ज्वैलरी व्यवसायी से फिरौती मांगने वाले अपराधियों कि हुई गिरफ्तारी

एक करोड़ रुपए कि डिमांड कि गयी थी

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। सोने का कारोबार बार करने वाले पननलाल गुप्ता पुत्र स्व0 हरिशंकर गुप्ता निवासी वार्ड नं0 10, कस्बा व थाना घोरावल, जनपद सोनभद्र द्वारा सूचना दी गयी कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा दिनांक 06.02.2022 को उनके मोबाइल नम्बर पर फोन कर एक करोड़ फिरौती की मांग की गयी है। इस सूचना पर थाना घोरावल पर मु0अ0सं0 32/2022 धारा 384 भादवि बनाम अज्ञात का अभियोग पंजीकृत किया गया था। घटना मे संलिप्त अज्ञात अभियुक्तों को प्रकाश में लाने व शीघ्र गिरफ्तारी हेतु श्री अमरेन्द्र प्रसाद सिंह, पुलिस उप महानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक जनपद सोनभद्र द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय), अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) तथा क्षेत्राधिकारी घोरावल को विशेष निर्देश दिये गये। क्षेत्राधिकारी घोरावल के निकट पर्यवेक्षण में अपराध शाखा की स्वाट/एसओजी/सर्विलांस टीम व प्रभारी निरीक्षक थाना घोरावल की संयुक्त टीम का गठन किया गया। इस टीम द्वारा निरन्तर प्रयास कर धमकी देने वाले फोन का लोकेशन ज्ञात किया गया तो धमकी दिये जाने वाले फोन का लोकेशन टावर सारडीह, थाना आसपुर देवसरा, जनपद प्रतापगढ़ ज्ञात हुआ। सर्विलांस सेल द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस टीम जनपद प्रतापगढ़ रवाना हुयी तथा मोबाइल फोन के लोकेशन के आधार पर पुलिस टीम जब चांदा से पट्टी जाने वाली सड़क पर ग्राम रामनगर में पुलिया के पास पहुंची तो दो व्यक्ति पुलिस टीम को देखकर भागने का प्रयास किये जिन्हें पकड़ लिया गया। पकड़े गये व्यक्तियों के पास से दो अदद चोरी के फोन बरामद हुये जिसमें से एक फोन का प्रयोग धमकी दिये जाते समय किया गया था। पूछताछ के दौरान इनके द्वारा जुर्म स्वीकार किया गया

गिरफ्तारी का विवरण -1. अंकित मिश्रा पुत्र राधेश्याम मिश्रा उर्फ श्यामू निवासी ग्राम रामनगर, थाना चांदा, जनपद सुल्तानपुर।2. आयुष मिश्रा उर्फ सागर उर्फ गुड्डु पुत्र राधेश्याम उर्फ श्यामू निवासी ग्राम रामनगर, थाना चाँदा, जनपद सुल्तानपुर

आपराधिक इतिहास(अंकित मिश्रा)- 01. मु0अ0सं0 201/2017 धारा 394, 411 भादवि, थाना चिन्हट, जनपद लखनऊ।02. मु0अ0सं0 632/2019 धारा 392, 323, 504, 506 भादवि, थाना चांदा, जनपद सुल्तानपुर। **आपराधिक इतिहास (आयुष मिश्रा)-** 01. मु0अ0सं0 632/2019 धारा 392, 323, 504, 506 भादवि थाना चांदा, सुल्तानपुर।**बरामदगी का विवरण -** 1. एक अदद मोबाइल फोन रियलमी 6 ए। 2. एक अदद घटना मे प्रयुक्त मोबाइल फोन वन प्लस। उपरोक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के संदर्भ में थाना घोरावल पर मु0अ0सं0 32/2022 धारा 34, 411, 414, 201, 384 भादवि का अभियोग पंजीकृत कर विवेचना प्रचलित है।

पुलिस टीम का विवरण- 01. नि0 मो0 साजिद सिद्धीकी, प्रभारी एसओजी, जनपद सोनभद्र। 02. प्र0नि0 देवतानन्द सिंह, थाना घोरावल, जनपद सोनभद्र। 03. उ0नि0 सरोजमा सिंह, प्रभारी सर्विलांस सेल, जनपद सोनभद्र। 04. उ0नि0 देवेन्द्र प्रताप सिंह, चौकी प्रभारी कस्बा घोरावल, जनपद सोनभद्र। 05. उ0नि0 अमित त्रिपाठी, प्रभारी स्वाट टीम, जनपद सोनभद्र। 06. हे0का0 अरविन्द सिंह, हे0का0 अमर सिंह, हे0का0 शशि प्रताप सिंह, का0 हरिकेश यादव, का0 रितेश पटेल स्वाट/एसओजी टीम जनपद सोनभद्र। 07. का0 सौरभ राय, का0 दिलीप कश्यप, का0 अमित सिंह, का0 प्रकाश सिंह सर्विलान्स सेल अपराध शाखा, जनपद सोनभद्र। 08. हे0का0 हरिनारायण यादव, हे0का0 चन्द्रशेखर यादव, थाना घोरावल, जनपद सोनभद्र। सफलता प्राप्त होने पर एवं सराहनीय कार्य करने पर पुरी टिम को 25, हजार का पुरस्कार भी दिया गया

IPL Auction 2022 आइपीएल आक्शन के पहले दिन 161 खिलाडियों की लगेगी बोली, इनका नाम सबसे पहले

नई दिल्ली । दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग इंडियन प्रीमियर लीग के दो दिवसीय मेगा आक्शन का आज पहला दिन है। बेंगलुरू में इसका आयोजन हो रहा है। इस बार निलामी में 10 टीमें होंगी। गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपरजाइंट्स

दो नई फ्रेंचाइजी पहली बार इसमें हिस्सा लेंगी। पहले 590 खिलाडियों की निलामी होनी थी, लेकिन अब कुल 600 खिलाडियों की निलामी होगी। बोर्ड क्रिकेट कंट्रोल आफ इंडिया ने 10 खिलाडियों का नाम आक्शन रजिस्टर में जोड़ा है। आइपीएल मेगा आक्शन से जुड़े हर अपडेट के लिए बने रहें दैनिक जागरण के साथ पहले दिन कुल 161 खिलाडियों की बोली लगेगी। सबसे पहले मार्की खिलाडियों की बोली लगेगी। इस लिस्ट में इस बार कुल 10 खिलाड़ी रखे गए हैं। इनमें चार भारतीय खिलाड़ी श्रेयस अय्यर, शिखर धवन, मोहम्मद शमी और रविचंद्रन अश्विन शामिल हैं। इसके अलावा छह विदेशी खिलाड़ी पैट कमिंस, क्विंटन डिकाक,डेविड वार्नर, कैंगिसो रबादा, ट्रेंट बोल्ट, फाफ डुप्लेसिस शामिल हैं बीसीसीआइ ने आइपीएल 2022 मेगा आक्शन से ठीक पहले नीलामी रजिस्टर में 10 नए नाम जोड़े हैं, जिससे सूची में खिलाडियों की संख्या 600 हो गई है। ये खिलाड़ी आरोन हार्डी, लांस मौरिस, निवेथन राधाकृष्णन्न अगिन्वेश अयाची, हार्दिक तमोर नीतीश कुमार रेड्डी, मिहिर हिरवानी मोनू कुमार, रोहन राणा और साईराज पाटिल हैं। हार्डी, मौरिस और राधाकृष्णन आस्ट्रेलिया से हैं। इनके अलावा बाकी सभी भारत से हैं। दीपक हुड्डा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में टीम इंडिया के लिए डेब्यू किया। उनको आइपीएल मेगा नीलामी की सूची में कैप्ड श्रेणी में अपग्रेड किया गया है। संशोधित नीलामी सूची में हुड्डा सेट नंबर 3 में आलराउंडर खिलाडियों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। पहले वह सेट नंबर 8 थे और उनका बेस प्राइस 40 लाख रुपये था, जो बढ़ाकर 75 लाख हो गया है आइपीएल में दो नई टीमों की एंट्री हुई है। ये दो टीमें गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपरजाइंट्स हैं। सीवीसी कैटिपल की स्वामित्व वाली गुजरात टाइटंस की टीम ने हार्दिक पांड्या, राशिद खान और शुभमन गिल को आक्शन से पहले जोड़ा। वहीं आरपी संजीव गोयनका ग्रुप की स्वामित्व वाली लखनऊ सुपरजाइंट्स की टीम ने केएल राहुल, मार्क्स स्टोइनिस और रवि बिशनेई को अपने साथ जोड़ा है। माना जा रहा है कि इस बार के आक्शन में 10 से ज्यादा खिलाडियों की 10 करोड़ रुपये से अधिक की बोली लग सकती है। फ्रेंचाइजियों में होड़ लग गई तो कुछ खिलाड़ी 20 करोड़ के आसपास भी श्रेयस अय्यर, शार्दुल ठाकुर, इशान किशन की अच्छी बोली लगने की उम्मीद है। इसके अलावा दीपक चाहर युवेंद्रा चहल को 10 करोड़ रुपये से अधिक मिल सकती है। इसके अलावा फाफ डु प्लेसिस, डेविड वार्नर, जेसन होल्डर और कैंगिसो रबादा के भी महंगा बिकने का आसार है।

इस बड़ी वजह से आइपीएल २०२२ की मेगा नीलामी में मौजूद नहीं रहेंगी प्रीति जिंटा

मुंबई। पंजाब किंग्स की सह मालिक और अभिनेत्री प्रीति जिंटा इस बार आइपीएल की मेगा नीलामी में मौजूद नहीं रहेंगी। प्रीति ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर सूचित किया कि वह नीलामी को मिस करेंगी क्योंकि उन्हें अपने जुड़वां बच्चों की देखभाल करनी है। उन्होंने लिखा, 'इस साल मैं आइपीएल नीलामी को मिस करने वाली हूं क्योंकि मैं अपने छोटे बच्चों को छोड़कर भारत की यात्रा नहीं कर सकती।' हालांकि, प्रीति ने नीलामी से पहले अपनी टीम के साथ क्रिकेट से जुड़ी सभी बातों पर चर्चा की। आइपीएल की नीलामी में लगभग हर बार प्रीति जिंटा पंजाब किंग्स का प्रतिनिधित्व करती हुई नजर आती हैं और बढ़-चढ़ कर नीलामी में हिस्सा लेती हैं। इस मेगा नीलामी में उनके नहीं रहने के फैंस और फ्रेंचाइजी उन्हें जरूर मिस करते हुए नजर आएंगे। आइपीएल 2022 की नीलामी में पंजाब किंग्स एक नई टीम बनाती हुई नजर आएगी और इस नीलामी से पहले इस टीम ने दो खिलाडियों को रिटेन किया था। पंजाब किंग्स ने बल्लेबाज मयंक अग्रवाल को इस सीजन के लिए 12 करोड़ रुपये देकर रिटेन किया था। मयंक अग्रवाल ने आइपीएल 2021 में पंजाब के लिए 140.45 की स्ट्राइक रेट से 441 रन बनाए थे। मयंक को इस टीम ने नंबर एक खिलाड़ी के तौर पर रिटेन किया जबकि नंबर चार खिलाड़ी के तौर पर 4 करोड़ रुपये में रिटेन किया है। इन दोनों खिलाडियों को रिटेन करने के बाद अब पंजाब किंग्स के पास इस बार के आक्शन के लिए 72 करोड़ रुपये बचे हैं।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आस्ट्रेलिया सरकार द्वारा अपनी सीमा को खोलने के फैसले का किया स्वागत

मेलबर्न। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप के कारण आस्ट्रेलिया ने अपने दरवाजे दुनिया के लिए बंद कर दिए थे। सीमाओं को पहली बार बंद किए जाने के लगभग दो साल बाद फिर से

खोलने की घोषणा की गई है। जी हां, आस्ट्रेलिया उन लोगों के लिए अपनी सीमा खोलने जा रहा है, जिन्होंने टीकाकरण की पूरी डोज ले ली है। साथ ही सीमा को वीजा धारकों के लिए भी खोला जाएगा। आस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री मारिस पायने के निमंत्रण पर भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर 10 से 13 फरवरी तक आस्ट्रेलिया की एक आधिकारिक यात्रा पर हैं। (कल) को चौथी क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक का हिस्सा बने। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को आस्ट्रेलियाई सीमा को फिर से खोलने का स्वागत किया, जो फंसे हुए भारतीय छात्रों और वीजा धारकों को आस्ट्रेलिया से लौटने में मदद करेगा। आस्ट्रेलियाई प्रधान मंत्री स्काट मारिसन ने सोमवार को घोषणा की थी कि देश 21 फरवरी को पर्यटकों सहित पूरी तरह से टीकाकरण वाले सभी वीजा धारकों के लिए खुल जाएगा। विदेश मंत्री डा एस जयशंकर ने अपने आस्ट्रेलियाई समकक्ष मारिस पायने के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि दोनों मंत्रियों ने खास मुद्दों पर उपयोगी और व्यापक चर्चा की। उन्होंने बताया कि बातचीत में दोनों देशों के बीच के संबंधों और आने वाले वक्त में गहन परिवर्तन मुख्य विषय रहा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, 'मैं आस्ट्रेलिया सरकार द्वारा सीमा खोलने का स्वागत करता हूं, जो उन लोगों की मदद करेगा जो भारत में वापस आने का इंतजार कर रहे हैं, विशेष रूप से छात्रों, अस्थायी वीजा धारकों और अलग हुए परिवारों और यह एक ऐसी चीज है, जिसकी बहुत सराहना की जाती है।'

वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले भारत को झटका, केएल राहुल और ये आलराउंडर बाहर

नई दिल्ली। भारतीय टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली जाने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज से

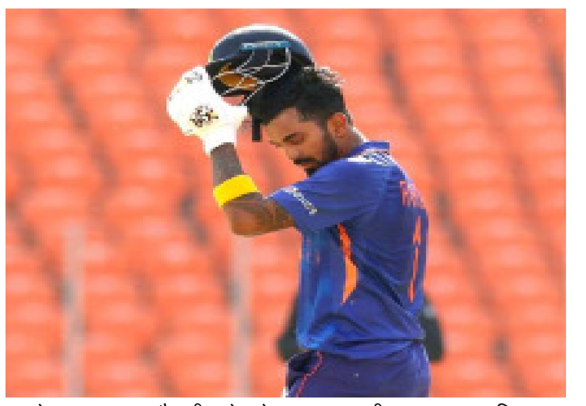

पहले झटका लगा है। टीम के दो खिलाड़ी सीरीज से बाहर हो गए हैं। बीसीसीआइ ने शुक्रवार को उप कप्तान केएल राहुल और आलराउंडर अक्षर पटेल के सीरीज से बाहर होने की जानकारी दी। वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली जाने वाली टी20 सीरीज के लिए चयनकर्ताओं ने राहुल और अक्षर की जगह पर रितुराज गायकवाड़ और दीपक हुड्डा को मौका देने का फैसला लिया है केएल राहुल को वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले में चोट लगी थी। उनको हैम्स्ट्रिंग की शिकायत की वजह से टी20 सीरीज के बाहर रखने का फैसला लिया गया है। वहीं अक्षर पटेल जो वनडे सीरीज से पहले कोरोना संक्रमित पाए गए थे वह अब तक पूरी तरह से फिट नहीं हो पाए हैं। ये दोनों ही खिलाड़ी बैंगलोर के नेशनल क्रिकेट अकादमी में रिहैब से होकर गुजरेंगे। भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज कोलकाता में खेली जानी है। 16 फरवरी से इसकी शुरुआत इडेन गार्डन्स में होनी है। दूसरा मुकाबला 18 जबकि आखिरी टी20 मैच 20 फरवरी को खेला जाना है।रोहित शर्मा (कप्तान), इशान किशन, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, रिषभ पंत (विकेटकीपर), वेंकटेश अय्यर, दीपक चाहर, शार्दुल ठाकुर, रवि बिशनेई, युजवेंद्र चहल, वाशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज, भुवनेश्वर कुमार, आवेश खान, हर्षल पटेल, रितुराज गायकवाड़, दीपक हुड्डा

ये तीन भारतीय खिलाड़ी रह सकते हैं अनसोल्ड, दो करोड़ है बेस प्राइस

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2022 का मेगा आक्शन 12-13 फरवरी को होना है। इस दौरान सभी आइपीएल फ्रेचाइजी मजबूत टीम बनाना चहेगी, जो भविष्य में उन्हें शानदार परिणाम दे सकें। जानकारी के अनुसार नीलामी के लिए 1214 खिलाडियों ने पंजीकरण कराया है। इसमें 896 भारतीय और 318 विदेशी खिलाड़ी हैं।कुल 49 खिलाडियों ने 2 करोड़ रुपये अपना बेस प्राइस रखा है। इनमें से 17 खिलाड़ी भारतीय हैं, जबकि बाकी विदेशी हैं। इनमें कुछ खिलाड़ी अनसोल्ड भी रहेंगे। आइए बात करते हैं ऐसे तीन भारतीय खिलाडियों के बारे में जो अनसोल्ड रह सकते हैं। उमेश यादव वनडे और टी-20 में टीम इंडिया के लिए खेलते नहीं दिखते हैं। उन्होंने आइपीएल के पिछले दो संस्करणों में भी ज्यादा मौका नहीं मिला है। उमेश यादव ने 2019 सीजन में आरसीबी के लिए खेलते हुए पावरप्ले के साथ-साथ डेथ ओवरों में भी काफी रन दिए। 2020 में भी चीजें बहुत अच्छी नहीं रहीं के सत्र से पहले उमेश यादव को दिल्ली कैपिटल्स ने खरीद लिया। हालांकि, उन्होंने सीजन के दौरान एक भी मैच नहीं खेला। आवेश खान और प्रसिद्ध कृष्णा समेत अन्य युवा भारतीय गेंदबाजों को देखते हुए कहा जा सकता है कि इसके बहुत कम असार है कि उमेश यादव के लिए मेगा आक्शन में कोई टीम बोली लगाएगी।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.प्रमाण पत्रः- सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। **2.चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते है तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। 5.आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। 8. अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथिः-** 15 फरवरी 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

बेहद खूबसूरत दिखता है शुक्र ग्रह, नासा के पार्कर सोलर प्रोब ने लीं शानदार तस्वीरें

वाशिंगटन। अंतिरक्ष की दुनिया में अद्भुत नजारा देखने को मिला है। पहली बार शुक्र ग्रह की साफ तस्वीरें सामने आई हैं। नासा के पार्कर

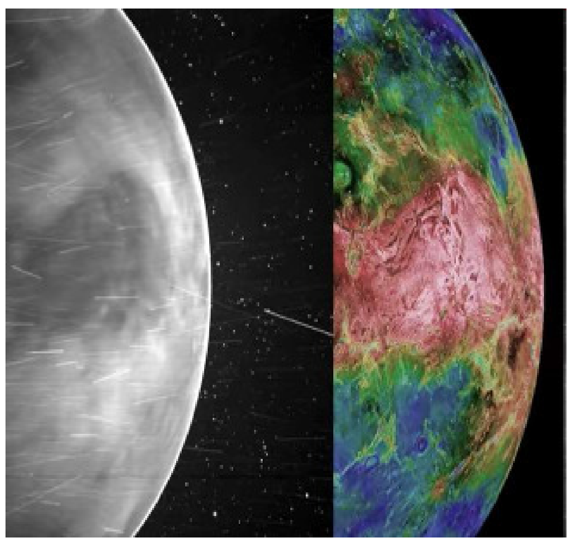

सोलर प्रोब ने पहली बार शुक्र की तस्वीरों को कैद किया है। वैज्ञानिकों ने कई बार की मेहनत के बाद पार्कर सोलर प्रोब ये तस्वीरें ली हैं। पार्कर सोलर प्रोब को भी इसके लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। शुक्र ग्रह की इस तस्वीर में ग्रह के मैदानी क्षेत्र, ऊंचाई वाले इलाके वगैरह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। पार्कर सोलर प्रोब को तस्वीरों के लिए शुक्र ग्रह के चक्कर लगाने पड़े। पार्कर सोलर प्रोब ने इन तस्वीरों के लिए दो फ्लाइबाइज के दौरान अपने वाइड फील्ड इमेजर और डब्लूयूआइएसपीआर का इस्तेमाल किया। ब्रायन वुड ने एक बयान में कहा, 'शुक्र आकाश में तीसरी सबसे चमकीली चीज है, लेकिन हमें इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी कि सतह कैसी दिखती है, क्योंकि इसका वातावरण बहुत घना था।' बता दें कि वुड नए अध्ययन के प्रमुख लेखक हैं और वाशिंगटन डीसी में नौसेना अनुसंधान प्रयोगशाला में भौतिक विज्ञानी हैं। ब्रायन वुड ने कहा कि अब हम अंतरिक्ष से पहली बार शुक्र की सतह को देख पा रहे हैं। इन तस्वीरों से शुक्र की विविध स्थलाकृति का पता चलता है। डेटा इस बात की पुष्टि भी करते हैं कि शुक्र ग्रह की सतह पर तापमान 863.33 फारेनहाइट है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ये तस्वीरें भूविज्ञान और खनिज संरचना को बेहतर ढंग से समझने में मदद करेंगी। साथ ही वैज्ञानिक शुक्र पर जीवन की संभावनाओं का भी पता लगाएंगे।

कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो ने की प्रदर्शनकारियों से घर जाने की अपील, कहा हर हाल में खत्म करेंगे विरोध

ओटावा। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने प्रदर्शनकारियों से घर जाने की अपील की है। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को सभी प्रदर्शनकारियों से घर जाने का आग्रह करते हुए कहा कि, इस गैरकानूनी गतिविधि को समाप्त होना चाहिए और यह समाप्त होकर रहेगा। हमें उम्मीद है कि ये लोग घर जाने का फैसला करेंगे। नहीं तो पुलिस का इसमें हस्तक्षेप होगा। बता दें कि, कनाडा की राजधानी में 50 हजार से ज्यादा ट्रक ड्राइवर्स प्रदर्शन कर रहे हैं और प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि, पुलिस और सरकार सभी स्तर पर ओटावा, विंडसर और अन्य जगहों पर नाकेबंदी करने वाले प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की तैयारी समाप्त होना चाहिए। ट्रूडो ने कहा कि प्रदर्शनकारियों को किसी भी अवैध गतिविधियों के लिए खड़े होना चाहिए या फिर गंभीर परिणाम का सामना करना चाहिए। ऐसे परिणाम जिनमें आपराधिक आरोप और भारी वित्तीय दंड की संभावना शामिल है। प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि, संघीय सरकार अब उन कार्यकर्ताओं को बर्दाश्त नहीं करेगी, जो अर्थव्यवस्था को बंधक बनाते हैं, और देश की राजधानी में जीवन को ठप कर देते हैं। ट्रूडो ने चेतावनी दी कि आपराधिक प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। जो प्रदर्शनकारियों को फिर से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यात्रा करने से रोकेगा। इससे पहले उन्होंने शुक्रवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ फोन पर बात की थी। उन्होंने विशेष रूप से विंडसर के एंबेसडर ब्रिज

कर रहे हैं। संघीय, प्रांतीय और नगरपालिका के अधिकारी हाल के दिनों में अलर्ट पर रहे हैं, रास्तों की नाकाबंदी और गतिविधियां रोकना अवैध और गैरकानूनी हैं और उन्हें पर बंद को लेकर चर्चा की थी। को अनिवार्य किए जाने को लेकर प्रदर्शन किया जा रहा है। इसके चलते हजारों ट्रक ड्राइवर्स अपने ट्रकों के साथ प्रदर्शन कर रहे हैं।

'हुनरबाज' के सेट पर ऐसे कराई गई भारती सिंह की गोद भराई, परिणीति चोपड़ा का गिफ्ट देख चिल्लाई कॉमेडियन

नई दिल्ली। फेमस कॉमेडियन भारती सिंह प्रेगनेंट है और जल्द ही मां बनने वाली हैं। आजकल वह अपने पर काले रंग की पट्टी बांधकर उन्हें स्टेज पर ले जाते हैं और वहां रखे सोफे पर बैठा देते हैं। इसी बीच शो

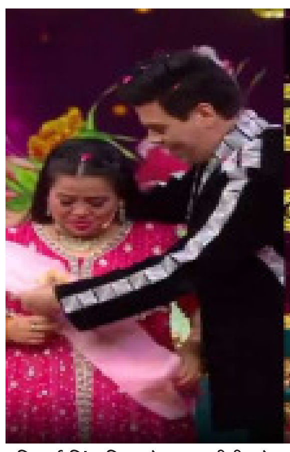

पति हर्ष लिंबाचिया के साथ टीवी शो 'हुनरबाज' होस्ट कर रही हैं। इस शो में करण जौहर, परिणीति चोपड़ा और मिथुन चक्रवर्ती जज हैं। शो के दौरान भारती को शो के मेकर्स ने सरप्राइज दिया और उनके लिए सेट पर ही बेबी शॉवर सेरेमनी सेलिब्रेट की गइ सेरेमनी का एक प्रोमो कलर्स ने सोशल मीडिया पर भी शेयर किया है। प्रोमो में हर्ष, भारती की आंखों के जजेज भी स्टेज पर आ जाते हैं और अचानक से भारती के आंखों की पट्टी हटाकर उन्हें सरप्राइज देते हैं। यह सब देखकर भारती बहुत खुश हो जाती है। करण जौहर बताते हैं कि इंडिया की पहली प्रेगनेंट एक्टर की टीवी पर गोद भराई शुरू होने जा रही है। इसके बाद परिणीती समेत सभी उन्हें बधाई देते है। भारती चैनल को शुक्रिया अदा करती हुई कहती हैं, थैंक्यू सो मच कलर्स, मेरी इच्छा पूरी कर दी। इस बीच करण कहते हैं कि ये सब बातें होती रहेंगी लेकिन गिफ्ट्स कहा हैं। हर्ष कहते हैं, सर पता है आपको जब मैं और भारती किसी के भी बेबी शॉवर में जाते हैं तो खाली हाथ नहीं जाते, हमको बहुत शर्म आती है। हर्ष की बात सुनकर करण कहते हैं, हिंट मार रहे हो कि गिफ्ट्स आने चाहिए हर्ष कहते हैं हिंट नहीं अभी तो मुंह पर ही बोल दिया कि गिफ्ट्स चाहिए। परिणीति कहती हैं ये कैसा सवाल है, आपको लगता है मैं खाली हाथ आई हूं यहां परष्ठ मुझे सबने कहा था कि जब भी जाना तो सोने का सामान लेकर जाना। ये सुनते ही खुशी के मारे भारती का मुंह खुल जाता है। हर्ष कहते है भारती सोने का गिफ्ट। भारती बहुत ही खुशी से गिफ्ट बॉक्स खोलती हैं लेकिन जैसे ही वह गिफ्ट देखती हैं, गुस्से से लाल हो जाती हैं और चिल्लाकर बोलती है, चले जाओ यहां से। उनका गुस्सा देखकर सभी जज स्टेज से चुपचाप चले जाते हैं। अब परिणीति ने क्या गिफ्ट दिया ये तो आने वाले एपिसोड में ही पता चलेगा। जो आने वाले शनिवार और रविवार रात 9 बजे कलर्स पर टेलीकास्ट होगा।

मार्च में शुरू हो सकती है 'गदर 2' के दूसरा शेड्यूल की शूटिंग , पढिए पूरी खबर

नई दिल्ली। अभिनेता और गुरदास पुर से बीजेपी सांसद सनी देओल इन दिनों अपनी आगामी मोस्ट अवेटेड फिल्म 'गदर 2' को लेकर काफी चर्चा में हैं। फिल्म की घोषणा के बाद से ही फैंस फिल्मों से जुड़ी जानकारियों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब खबरें आ रही हैं के अनुसार, साल के मध्य में पंजाब और लंदन में फिल्म के शेड्यूल की शूट शुरू करने की योजना बना रहे हैं। जल्द ही इसकी आधिकारिक डेट की घोषणा की जाएगी। बता दें, इससे पहले निर्माााताओं ने पिछले साल दिसंबर के महीने में पालमपुर में फिल्म के शेड्यूल को शूट किया था, जहां

कि अभिनेता मार्च में अपनी इस मच अवेटेड फिल्म की दूसरे शेड्यूल की शूटिंग को शुरू कर सकते हैं समाचार वेब साइट पिंकविला की रिपोर्ट के अनुसार फिल्म निर्माता इन दिनों 'गदर 2' की दूसरे शेड्यूल की तैयारियों में लगे हुए हैं और ये शेड्यूल मार्च में शुरू हो सकता है। लेकिन रिपोर्ट में बताया गया है कि फिल्म के शेड्यूलिंग भी कोविड-19 की स्थिति पर निर्भर करती हैं। वहीं, रिपोर्ट में दावा किया गया है कि साल 2007 में आई धर्मेंद्र, सनी और बॉबी देओल की अभिनीत स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म अपने-2 की स्क्रिप्ट भी तैयार है। जिसकी घोषणा 2020 के अंत में खुद बॉलीवुड के हीमैन धर्मेंद्र ने की थी। इस फिल्म में सनी देओल के बेटे करण की मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। रिपोर्ट सनी देओल और अमीषा पटेल ने अपने-अपने हिस्से की शूटिंग को पूरा किया था। सनी देओल, अमीषा पटेल द्वारा अभिनीत इस सुपरहिट फिल्म गदर का सीक्वल है। इस सुपरहिट फिल्म को अनिल शर्मा के निर्देशन में बनाया गया था और इस फिल्म का सीक्वल भी अनिल शर्मा द्वारा निर्देशित है। 'गदर 2' सनी की फिल्म गदर एक प्रेम कथा का सीक्वल बताया जा रहा है। फिल्म में भारत पाकिस्तान के एंगल को आगे बढ़ाया जाएगा। वहीं, फिल्म में उनके बेटे का रोल निभाने वाले बाल कलाकार उत्कर्ष शर्मा भी अहम किरदार निभा रहे हैं। शक्तिमान द्वारा लिखी फिलम 'गदर 2' को अनिल शर्मा के निर्देशित कर रहे हैं। ये फिल्म साल 2022 में रिलीज होगी।

फिर आ रही है नागिन, ग्रैंड प्रीमियर से पहले एकता कपूर ने दिखाई Naagin 6 की पहली झलक

नई दिल्ली। सुपरनैचुरल शो नागिन 6 का बेसब्री से इंतजार करने वालों के लिए खुशखबरी है। उनका फेवरेट आज यानि 12 फरवरी से टेलीकास्ट होने जा रहा है। शो के ग्रैंड प्रीमियर से पहले नागिन की मेकर एकता कपूर ने इसकी पहली झलक दिखा दी है। इनमें मनित जौरा नजर आ रहें हैं। इसके साथ ही एकता कपूर ने अपना नगिन वाला रूप भी फैंस के साथ शेयर किया। आज शो का आगाज होने से पहले ही एकता कपूर मे इसकी एक झलक दिखाई है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर कुछ वीडियो शेयर किए हैं। जिसमें एक्टर मनित जौरा नजर आ रहे हैं। वो नागिन के आने का ऐलान करते दिख रहे हैं। वीडियो में मनित जौरा पंडितों को भरोसा दिला रहे हैं कि विश्व को बचाने के लिए इस बार भी नागिन जरूर आएगी। मनित जौरा आगे कहते हैं- अपनी इच्छा के बगैर उस इच्छाधारी को आना होगा, नागिन को आना होगा। वो है शिव वरदानी, उसका काटा मांगे ना पानी, हर प्रकोप का कोप, हर विश पर भारी। वो इच्छाधारी हर रूप बदल सकती है, वो इस देश को महामारी से बचाएगी। जो वीडियो शेयर किया है उसमें स्क्रीन के पास उनके बेटे रवि को भी देखा जा सकता है। इस बार नागिन का किरदार निभा रहीं हैं तेजस्वी प्रकाश। जो हाल ही में बिग बॉस 15 का ताज

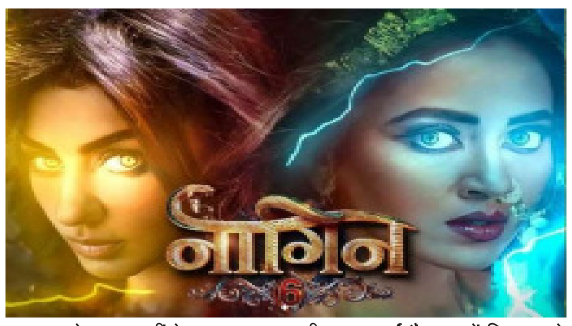

इस बार वो अपना नहीं देश का बदला लेने के लिए जरूर आएगी, शेष नागिन जरूर आएगी। एकता ने अपना भी नागिन वाला लुक शेयर किया है। उन्होंने एक ऐप के जरिए खुद को 100 ज्ञ् नागिन बताया। एकता कपूर ने जीत कर आई हैं। बता दें कि इस शो के लिए सोशल मीडिया पर सीजन 6 में नागिन बनी हैं तेजस्वी प्रकाश और महक चहल। सिंबा नागपाल, उर्वशी ढोलकिया, आम्रपाली गुप्ता और सुधा चंद्रन लीड रोल में हैं।

तारक मेहता की 'सोनू' ने बिकिनी पहन कैमरे में दिए ऐसे बोल्ड पोज, तस्वीर देखकर लोगों के उड़े होश

नई दिल्ली। छोटे पर्दे का फेमस कॉमेडी शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' हमेशा से ही दर्शकों का फेवरेट रहा है। यही वजह से है कि ये शो बीते 13 सालों से लोगों का मनोरंजन कर रहा है। इस शो में के हर कलकार

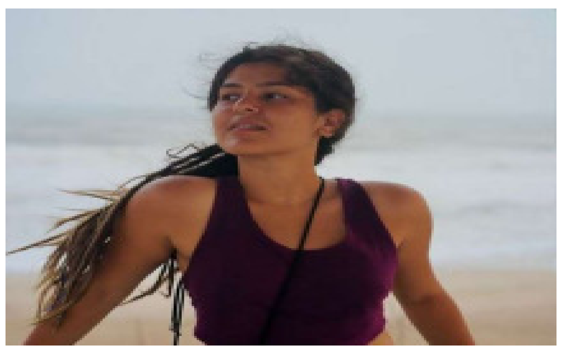

की अपनी एक खास कॉमिक स्टाइल है। वहीं इस शो के कई ऐसे कलाकार भी हैं जिन्हें लोगों ने छोटे से बड़ा होते देखा है। एक ऐसी की कलाकार रहीं हैं शो में सोनू भिडे का रोल प्ले कर चुकी एक्ट्रेस निधि भानुशाली । आज निधि भले ही इस शो का हिस्सा नहीं है लेकिन लोगो आज भी उन्हें उतना ही प्यार देते हैं। निधि आज काफी बड़ी और ग्लैमरस हो चुकी हैं। वह एक्टिंग के साथ सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। वहीं आए दिन वह अपनी हॉट एंड बोल्ड तस्वीरें शेयर कर फैंस को सरप्राइज देती हैं। वहीं इसी बीच निधि की एक तस्वीर इंटरनेट पर चर्चा में बनीं हुई है। निधि भानुशाली ने आज भले ही एक्टिंग से दूरी बना चुकी हैं लेकिन वह इन दिनों अपनी एडवेंचरस लाइफ को एंजॉय कर रही है। वह अक्सर अपने एडवेंचरस लाइफ की तस्वीरें और वीडियो पोस्ट कर फैंस को नई-नई जगहों की जानकारी देती रहती हैं। इसी बीच निधि ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी एक नई तस्वीर शेयर की है जो कि काफी हॉट है। इस तस्वीर में आप देख सकते हैं कि निधि व्हाइट कलर की डीप नेक बिकिनी पहने नजर आ रही हैं। इस दौरान उनके बालों की स्टाइल भी काफी अलग दिख रही है। तस्वीर में आप देख सकते हैं कि निधि ने बालों में कई सारी चोटियां कर दखी है। इस दौरान कैमरे के सामने उनका पोज देने का स्टाइल काफी कातिलाना है। इस तस्वीर को हमेशा की तरह ही उनके फैंस काफी पसंद कर रहे हैं।

जाह्नवी कपूर की लेटेस्ट तस्वीरें चर्चा में, चेहरे पर बिखरे बालों में ऐसी हालत देख बढ़ी फैंस की धड़कनें

नई दिल्ली। बॉलीवुड की जानी मानी एक्ट्रेस श्रीदेवी आज भले ही हमारे बीच नहीं हैं लेकिन वह आज भी अपने फैंस के दिलों में जिंदा हैं। श्रीदेवी की बड़ी बेटी जाह्नवी कपूर आज कुछ बेहद सेंसेशन तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस की हॉट अदाएं देख फैंस क्रेजी हो रहे हैं। यहां देखें तस्वीरें एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने को काफी पसंद कर रहे हैं। वहीं इन पर कमेंट कर यूजर्स उनकी तारफी करते दिख रहे हैं। आपको बता दें कि इससे पहने जाह्नवी कपूर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ

अपनी मां की तहर इंडस्ट्री में जगह बनाने की पूरी कोशिश कर रही हैं। जाह्नवी ने अबतक के अपने करियर में कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं। वह एक्टिंग के साथ सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। आए दिन जाह्नवी अपनी हॉट एंड बोल्ड तस्वीरें और वीडियोज फैंस के साथ साझा करती हैं। वहीं आजकल तो लगभग हर दिन ही जाह्नवी अपनी बोल्ड तस्वीरें शेयर करती नजर आ रही हैं। इसी बीच जाह्नवी ने अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि जाह्नवी का सिर्फ फेस नजर आ रहा है। वहीं हर तस्वीर में उनके फैस पर उनके गीले बाल बिखरे हुए हैं। इस दौरान जाह्नवी का न्यूड मेकअप उनपर काफी सूट कर रहा है। उन्होंने बेहद ही लाइट कलर की लिपस्टिक लगा रखी है। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए जाह्नवी ने कैप्शन में लिखा, 'करीब और व्यक्तिगत।' हमेशा की तरह ही फैंस जाह्नवी की इन तस्वीरों तस्वीरें शेयर की थीं। इन तस्वीरों में वह ब्लैक बिकीनी में कहर ढाती नजर आईं थीं। उनकी इन तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर जमकर बवाल मचाया था। इस दौरान आप देख सकते हैं कि जाह्नवी ने बिकीनी के साथ काफी मिनिमल मेकअप किया है। भीगे बालों में जाह्नवी बला की हसीन दिख रही हैं। एक तस्वीर में वह आंख बंद करके पोज दे रही हैं। इस तस्वीर में उनकी अदा किसी को दीवाना बनाने के लिए काफी है।

कतरन को जोड़कर पहन लिया', उर्फी जावदे के ऊपर से नीचे तक फटे कपड़ों को देख यूजर ने कहा, 'पहली नजर में लगा कि

नई दिल्ली। टीवी एक्ट्रेस और 'बिग बॉस' ओटीटी कंटेस्टेंट उर्फी जावेद उन एक्ट्रेसेस में हैं जो हमेशा ही सुर्खियों में बनीं रहती हैं। उर्फी

का अजीबो-गरीब फैशन इन दिनों मीडिया पर में छाया है। वह हमेशा ही चर्चा में रहने के लिए सोशल मीडिया अपनी बोल्ड तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करती रहती हैं। लेकिन कई बार उर्फी जावेद का अनोखा फैशन लोगों को हैरान कर देता है। इसी बीच एक बार फिर से उर्फी ने अपने ड्रसिंग सेंस से हर किसी को हैरान कर दिया है। उनका फैशन देख लोग अपना सिर कपड़ लेगें। अपने लेटेस्ट वीडियो को लेकर उर्फी बुरी तरह से ट्रोल की जा रही हैं। यहां देखें वीडियो उर्फी जावेद का लेटेस्ट वीडियो इस वक्त तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो को वूंपला के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया गया है। वीडियो में आप देख सकते हैं कि उर्फी ने बेहद रिवीलिंग पिंक कलर की ड्रेस पहनी है। उनकी इस पिंक कलर की ड्रेस में ऊपर से नीचे तक कई सारे कटआउट नजर आ रहे हैं। डीप नेकलाइन, अजीब कट्स और नॉट्स वाली इस ड्रेस को पहने उर्फी जावेद कैमरे के सामने काफी कॉन्फिडेंस होकर पोज देती नजर आ रही हैं। इस दौरान उन्होंने अपने बालों में हाई बन बनाया हुआ है। वहीं उनका मेकअप काफी लाइट है। उर्फी जावेद का इस दौरान का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो पर लगातार लोगों के रिएक्शन आ रहे हैं। इस पर कमेंट कर यूजर्स उन्हें लगातार ट्रोल करते नजर आ रहे हैं। वहीं इस पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा, 'लगता है घर में कपड़े ना होने की वजह से कतरन को जोड़कर के पहन लिखा।' वहीं एक ने लिखा, 'ओह शिट! पहली बार देखकर कुछ और ही लगा।' वहीं एक दूसरा यूजर लिखता है, 'फूटा हुआ गुब्बारा पहन कर आई है।' तो वहीं एक लिखता है, खिड़की का कपड़ा लगा लिया।'

सोनम कपूर ने उठाया सवाल, पूछा- पगड़ी चॉइस हो सकती है तो हिजाब क्यों नहीं

नई दिल्ली। कर्नाटक के उडुपी जूनियर कॉलेज में हिजाब को लेकर शुरू हुआ विवाद अब बढ़ता ही जा रहा है। राजनेताओं के साथ-साथ बॉलीवुड सेलेब्स भी इसमें एक-एक करके कूद पड़े हैं। कंगना रनोट, जावेद थी। यहां 6 लड़कियां क्लास में हिजाब पहनकर पहुंची थीं। उनको मना किया गया तो मामले ने तूल पकड़ लिया। कुछ लड़के भगवा अंगौछा पहनकर आ गए। बवाल बढ़ते-बढ़ते प्रदर्शन शुरू हो गया और कर्नाटक के कई

अख्तर और शबाना आजमी के बाद अब सोनम कपूर ने भी इस मुद्दे पर अपनी राय रखी है। सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर कर सोनम ने सरकार से सवाल पूछा है। दरअसल, कर्नाटक के हिजाब विवाद पर अब सोनम कपूर ने सवाल उठाया है। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर दो फोटोज शेयर की हैं। एक में शख्स ने पगड़ी पहनी है और दूसरी में महिला ने हिजाब। सोनम ने साथ में सवाल किया है, पगड़ी चॉइस हो सकती है तो हिजाब क्यों नहीं देश में हर मुद्दे पर बोलने वाली सोनम कपूर इस वक्त लंदन में हैं। वहीं से सोशल मीडिया के जरिए अपनी आवाज पहुंचा रहीं हैं। बता दें कि इससे पहले कंगना रनोट, शबाना आजमी और जावेद अख्तर इस मामले पर सोशल मीडिया पर लिख चुके हैं। भारत में हिजाब मामले पर बवाल मचा हुआ है। इस मुद्दे पर बॉलीवुड भी दो हिस्सों बंटता नजर आ रहा है। कुछ का कहना है कि इस देश में क्या पहनना है ये कोई और नहीं बताएगा, तो वहीं कुछ का तर्क है कि स्कूल में क्या पहना जाएगा ये स्कूल ही तय करेगा। इस विवाद की शुरुआत कर्नाटक के उडुपी जिले के एक सरकारी स्कूल से हुई हिस्सों तक फैल गई। यह एक कॉलेज को लाठीचार्ज करना पड़ा। फिलहाल ये मामला कोर्ट के सामने है, पर इस विवाद पर अब बॉलीवुड सिलेब्स भी अपनी-अपनी राय रख रहे हैं।

गेहूं के हरे-भरे खेत में खड़े होकर सिद्धार्थ मल्होत्रा ने किया ये काम, विक्की कौशल ने किया यूं रिएक्ट

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता सिद्धांत मल्होत्रा इन दिनों भोपाल में अपनी आगामी फिल्म 'योद्धा' की शूटिंग में व्यस्त हैं और वो अक्सर फिल्म के सेट के तस्वीरें शेयर कर फैंस को अपडेट करते रहते हैं। इसी बीच शुक्रवार को उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर की थी, जिसमें वो खेत में खड़े होकर पोज देते दिख रहे हैं। इन तस्वीर में अभिनेता व्हाइट स्वेट शर्ट और ब्लू कलर की जींस पहने हुए गेहूं के हरे भरे खेत में खड़े होकर पोज देते दिख रहे हैं। इन तस्वीरों में इंस्टाग्राम पर शेयर कर उन्होंने फैंस को मोटिवेट करते हुए एक खास कैप्शन भी लिखा है। सिद्धार्थ मल्होत्रा की इन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है। तस्वीरों को अब तक (खबर लिखे जाने तक) साढ़े 13 लाख से ज्यादा लोग लाइक कर चुके हैं और कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। वहीं, बॉलीवुड कलाकार भी कमेंट कर उनके लुक की तारीफ कर रहे हैं। अभिनेता विक्की कौशल ने फोटोज में कमेंट कर लिखा, बाजरे दा सिट्टा। वहीं, मिलाप जावेरी ने लिखा, हाए मैं मरजावां। फिल्म योद्धा की कहानी भारत द्वारा पाकिस्तान पर की गई सबसे बड़ी महत्वपूर्ण कार्यवाही से प्रेरित है। बताााय जा रहा है कि अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा फिल्म में रॉ के एजेंट के रूप में नजर आ सकते हैं। हालांकि अभी तक निर्माताओं द्वारा फिल्म की कहानी को लेकर कोई भी आधिकारिक जानकारी शेयर नहीं की। धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बन रही पहली एक्शन ड्रामा फिल्म का निर्देशन सागर आम्ब्रे और पुष्कर ओझा द्वारा किया जा रहा है। आपको बता दें कि इस पीरियड फिल्म में पाकिस्तान पर किए भारत के सबसे साहसी मिशन की कहानी से को दिखाया जाएगा। सिद्धार्थ मल्होत्रा, दिशा पाटनी और राशी खनन अभिनीत ये फिल्म अगले साल 11 नबंवर, 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

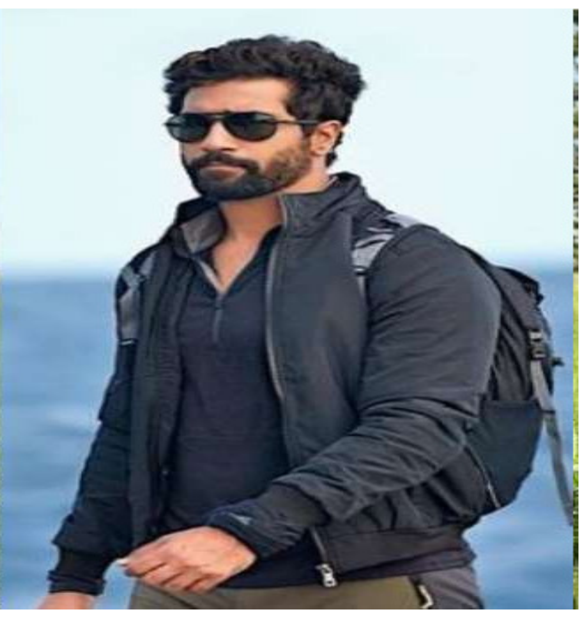

संजय दत्त की पत्नी मान्यता दत्त ने शेयर कर दिया अपने और पति के प्राइवेट पलों का वीडियो, ये काम करते दिए एक्टर

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त फिल्म इंडस्ट्री के उन स्टार्स में से हैं जो प्रोफेशनल लाइफ के साथ अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में बनें हुए हैं। वहीं संजय अपने काम को साथ अपने परिवार को भी वक्त देने में पीछे नहीं रहते हैं। संजय की तरह की उनकी पत्नी मान्यता दत्त काफी चर्चा में बनीं रहती हैं। मान्यता आज भले ही फिल्मों से दूर हैं लेकिन सोशल मीडिया पर उनकी जबरदस्त फैंन फॉलोइंग है। मान्यता सोशल मीडिया पर अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियो फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। लेकिन इसी बीच मान्यता के एक वीडियो ने फैंस को एक बड़ा सरप्राइज दिया है। उनका ये वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। यहां

देखें वीडियो मान्यता दत्त ने अपने इंस्टाग्राम आकउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में मान्यता के साथ उनके पति यानी संजय दत्त भी नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में संजय दत्त पत्नी मान्यता के पैर दबाते नजर आ रहे हैं। दरअसल, हाल ही में दोनों की शादी को 14 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर मान्यता ने एक प्यारा वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने संजय दत्त को विश किया है। मान्यता के शेयर किए गए वीडियो में आप देखा जा सकता हैं कि संजय दत्त किस तरह अपनी पत्नी की सेवा करते दिख रहे हैं। वे मान्यता के पांव दबाते नजर आ रहे हैं। मान्यता भी आराम से अपने पैर दबवाती दिख रही हैं। हालांकि इस वीडियो में मान्यता का फेस नजर नहीं आ रहा है। दोनों का ये रोमांटिक वीडियो फैंस को काफी पसंद आ रहा है। इस पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा, 'ये बात लगे रहो मुनन भाई।' वहीं एक दूसरे यूजर ने लिखा, 'बंदा चाहे संजय दत्त हो पैर तो बीवी के बदाने पड़ते हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादकः-डा. दीपक अरोरा
मो0न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
डाक पंजीयन नं. 99/2018-20
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।